हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

Page 09

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :

देश

बुमराह आउट, कुलदीप इन, इंडिया-इंग्लैंड दूसरे टेस्ट में होंगे बदलाव, बुमराह को आराम

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद बदला नियम, मेघायल सरकार ने कड़े किए नियम

शुक्ल पक्ष, हस्त, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • बुधवार • 02 जुलाई 2025 • वर्ष 27 • अंक 201 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 98,400	₹ 1,10,000

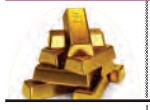

आज का इतिहास

1940 : भारतीय स्वतंत्रता नेता सुभाष चंद्र बोस को कलकत्ता में गिरफ्तार कर लिया गया था। सुभाष चंद्र बोस को संपूर्ण भारत में एक भारतीय राष्ट्रवादी और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दो बार निर्वाचित अध्यक्ष और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक के संस्थापक और अध्यक्ष थे।

1916 : भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग की स्थापना हुई।

न्यूज बाइट्स

पीएम ने डॉक्टर्स दिवस तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डाक्टरों तथा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को आज डॉक्टर्स दिवस तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस पर शुभकामनाएं दी। श्री मोदी ने डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि हमारे डॉक्टरों ने अपनी निपुणता और परिश्रम के बल पर अपनी पहचान बनाई है। करुणा की उनकी भावना भी उतनी ही उल्लेखनीय है।

गुरुद्वारा प्रबंधक समिति पर्यटक सूचना केंद्र चलाएगी, एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

पटना (नि.सं.)। पटना साहिब में पर्यटक सूचना केंद्र के संचालन और रख-रखाव के लिए पर्यटन मंत्री और पर्यटन सचिव की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। प्रसाद योजना के अंतर्गत 7.42 रुपए करोड़ की लागत से कंगन घाट, पटना साहिब में पर्यटक सूचना केंद्र का निर्माण किया गया है। एमओयू के बाद अब गुरुद्वारा प्रबंधक समिति, तख्त हरिमंदिर जी पटना साहिब द्वारा पर्यटक सूचना केंद्र का संचालन और रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रसाद योजना के अन्तर्गत पटना साहिब के विकास के लिए 41.53 करोड़ रुपए की योजना को स्वीकृति प्रदान की गई थी।

1.74 एकड़ भूखंड पर बनेगा बिहार विधान सभा का डिजिटल संग्रहालय

पटना (नि.सं.)। बिहार भवन निर्माण विभाग की ओर से राज्य विधान सभा के डिजिटल संग्रहालय का निर्माण 1.74 एकड़ के भूखंड पर किया जाएगा, जिसके लिये 48.76 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। डिजिटल संग्रहालय के निर्माण के लिये भवन निर्माण विभाग की ओर से संवेदक का चयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जिससे परियोजना के शीघ्र शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 24 एजेंडों पर लगी मुहर, पुनौराधाम के विकास के लिए 882 करोड़ की स्वीकृति

कलाकारों को प्रति माह मिलेंगे तीन हजार

- किसानों के हित में कई कृषि योजनाओं पर कुल 188 करोड़ रुपये से अधिक खर्च की स्वीकृति मिली है। इसमें प्राकृतिक खेती योजना (36.35 करोड़), कृषि विस्तार योजना (80.99 करोड़), मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना (30.49 करोड़) और कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम (41.02 करोड़) शामिल हैं।
- पुनौराधाम में भव्य मां सीता मंदिर के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

निज संवाददाता | पटना

बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार को नीतीश कैबिनेट की अहम बैठक हुई। बिहार कैबिनेट की इस बैठक में नीतीश सरकार के लगभग सभी मंत्री शामिल हुए। बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 24 एजेंडों पर मुहर लगी है। बिहार में अब नीतीश सरकार कलाकारों को हर महीने 3 हजार रुपया देगी। इसके लिए कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना को मंजूरी दी गई है। इसके लिए 2025-26 में एक करोड़ 11 लाख 60,000 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। समस्तीपुर में पुनौराधाम मंदिर के समग्र विकास के लिए 882 करोड़ 87 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट की बैठक में पंचायती राज संस्थाओं और ग्राम कचहरी के जनप्रतिनिधियों को इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से अनुदान देने को मंजूरी दी गई है।

बिहार में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर भी बिहार कैबिनेट की बैठक में अहम निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब बिल्डिंग बायोलॉजी में छूट दी जा रीह है। नॉन-पॉल्यूशन वाले उद्योगों के लिए अधिकतम एफ ए आर 1.5 से बढ़ाकर 2.0 किया गया है। कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया है कि अब रिटायर्ड जजों को डॉमेस्टिक हेल्प और टेलीफोन की अहम सुविधा दी जाएगी। दो सरकारी कर्मियों को भी रखने की अनुमति दी गई है। ड्राइवर और घरेलू सहायक की सुविधा दी जाएगी। चतुर्थी कृषि रोड मैप योजना के तहत सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के कार्यान्वयन की स्वीकृति मिली है। बामेती एवं जिला स्तरीय कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण को वित्तीय वर्ष 2025 -26 के लिए 80 करोड़ 99 लाख 20000 की स्वीकृति है।

युवाओं को मिलेगा चार से छह हजार रूपए प्रति माह

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना मे 12वीं पास युवाओं को इंटर्नशिप करने पर हर महीने 4000 रुपये मिलेंगे। आईटीआई पास या डिप्लोमाधारी छात्र-छात्राओं को 5 हजार रुपये प्रति महीना दिए जाएंगे। स्नातक यानी ग्रेजुएशन करने के बाद इंटर्नशिप करने वालों को 6000 रुपये प्रति महीने मिलेंगे। अगर छात्र-छात्राएं अपने गृह जिला से बाहर किसी अन्य जिले में जाकर इंटर्नशिप करेंगे, तो उन्हें आजीविका सहयोग के लिए 2000 रुपये प्रति माह अधिकतम 3 महीने तक दिए जाएंगे। वहीं, बिहार से बाहर रहकर इंटर्नशिप करने पर 5000 रुपये प्रति माह अतिरिक्त राशि दी जाएगी। एसीएस सिद्धार्थ ने कहा कि छात्र-छात्राओं को यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। इसके लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक कमिटी का गठन किया गया है। इसमें उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि भी होंगे। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5 हजार लाभार्थियों का मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के लिए चयन किया जाएगा। अगले 5 सालों में एक लाख युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। उम्र सीमा 18 से 28 साल है।

मिट्टी जांच प्रयोगशाला की स्थापना

बिहार में मिट्टी जांच प्रयोगशाला की स्थापना के लिए 2025-26 में 30 करोड़ 49 लाख 37,227 रुपये की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा अपर पुलिस अधीक्षक (विशेष कार्य बल), रमाकांत प्रसाद को एक साल का सेवा विस्तार दिया गया है। कैबिनेट की बैठक में पंचायती राज संस्थाओं और ग्राम कचहरी के जनप्रतिनिधियों को इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से अनुदान देने को मंजूरी दी गई है।

दुर्लभ कलाओं की दी जाएगी ट्रेनिंग

बिहार सरकार ने 'मुख्यमंत्री गुरू-शिष्य परंपरा योजना' शुरू की है। इस योजना का मकसद है राज्य की पुरानी और खत्म होती कलाओं को बचाना और आगे बढ़ाना। इसके लिए 2025-26 में 1 करोड़ 11 लाख 60 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना में युवाओं को ऐसी दुर्लभ कलाओं की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें इन कलाओं के जानकार गुरुओं से सिखाया जाएगा ताकि ये कला रूप आगे भी जीवित रहें।

केन्द्रीय रेल मंत्री ने रेलवन ऐप किया लॉन्च

राष्ट्रीय विकास और सार्वजनिक भलाई के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में रेलवे : अश्विनी वैष्णव

- रेलवन - भारतीय रेलवे की कई सार्वजनिक सेवाओं की पेशकश करने वाला वन-स्टॉप समाधान
- भविष्य के लिए तैयार रेलवे, यात्रियों को प्राथमिकता देना, प्रौद्योगिकी को अपनाना : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आम जनता के लिए भारतीय रेलवे का एक नया ऐप "रेलवन" लॉन्च किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेलवन ऐप यात्रियों को किसी भी स्थान से अपने मोबाइल के माध्यम से सभी प्रकार के रेलवे टिकट बुक करने और अन्य संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने की सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन और भविष्य के डिजिटल रोडमैप को विकसित करने के लिए सीआरआईएस को बधाई दी। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) ने 01 जुलाई 2025 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में अपना 40वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव मुख्य अतिथि थे। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार, रेलवे पीएसयू के सीएमडी तथा रेलवे के अन्य उच्च अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत की विकास यात्रा का विकास इंजन बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरित है। रेलवन ऐप का शुभारंभ भारतीय रेल की प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने तथा प्रत्येक यात्री को विश्वस्तरीय गतिशीलता प्रदान करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि रेलवे ग्राहकों तथा यात्रियों पर ध्यान केन्द्रित करके तेजी से बदलाव ला सकता है, प्रौद्योगिकी को अपनाकर समस्याओं का समाधान कर सकता है तथा देश के लिए एक बड़ी ताकत बन सकता है। रेलवन ऐप एक व्यापक, ऑल-इन-वन एप्लीकेशन है, जिसमें उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस है। यह ऐप एंड्रॉयड प्ले स्टोर तथा आईओएस ऐप स्टोर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। यह सभी यात्री सेवाओं को एकीकृत करता है क्रिस ने 31-01-2025 को बीटा परीक्षण के लिए ऐप को सार्वजनिक रूप से जारी किया।

मखाना को मिला वैश्विक एचएस कोड

निज संवाददाता | पटना

बिहार के सुपरफूड मखाना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खास हर्मोनाइज्ड सिस्टम (एचएस) कोड मिल जाने से अब इसे वैश्विक स्तर पर विशेष पहचान मिलेगी। बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में खेती होने वाले मखाना को अंतरराष्ट्रीय स्तर का खास एचएस कोड प्रदान किया गया है। इससे इस खास किस्म के जल फल को नई पहचान मिली है। इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है।

वर्षों के सतत प्रयासों के बाद मखाना उत्पादकों, प्रोसेसर्स और उद्यमियों को अब उनका हक मिला है। मिथिलांचल खासकर दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार समेत अन्य जिलों की खास पहचान यह मखाना है। इस कोड के मिलने से यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपने अलग नाम और हक से जाना जाएगा।

राष्ट्रीय खेल नीति सहित योजनाओं की मंजूरी

पहली नौकरी मिलते ही खाते में पैसे डालेगी सरकार

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को युवाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कई बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है जिसका लाभ दो चरण में मिलेगा। पहले चरण में पहली बार रोजगार पाने वाले कर्मचारियों को अधिकतम 15 हजार रुपये दो किस्तों में दिए जाएंगे। किस्त नौकरी लगने के छठे और 12वीं महीने में मिलेगी। वहीं दूसरे चरण में 3000 रुपये प्रति महीने प्रदान किए जाएंगे। पूरी योजना विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार को प्रोत्साहन देने पर केंद्रित होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार इस योजना में कुल 1.07 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी।

इसका मकसद सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इसमें विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस योजना का उद्देश्य दो साल में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहन देना है। इसके अलावा यह योजना पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन देगी।

पहली बार नौकरी करने वाले अतिरिक्त कर्मचारियों पर दो साल तक 3,000 रुपये प्रति माह तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। नियोक्ताओं को एक लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारियों के संबंध में प्रोत्साहन दिया जाएगा। विनिर्माण क्षेत्र के लिए नियोक्ताओं को प्रोत्साहन का विस्तार तीसरे और चौथे साल भी दिया जा सकता है।

खेलो भारत नीति को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुल चार बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने समग्र 'खेलो भारत नीति' को मंजूरी दी है। 1984 में पहली बार राष्ट्रीय खेल नीति लागू की गई थी। इसके बाद 2001 में नई स्पोर्ट्स पॉलिसी जारी की गई। अब केंद्र सरकार खेल भारत नीति 2025 को लागू करेगी जिसके तहत युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमारा लक्ष्य देश को खेल के मामले में दुनिया के टॉप 5 देशों में शामिल करना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अनुसंधान, विकास और नवाचार योजना को मंजूरी दी है। इस योनजा में सरकार 1 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके तहत युवाओं को शोध और इनोवेशन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु में 1,853 करोड़ रुपये की लागत से 4-लेन के परमकुडी-रामनाथपुरम खंड (46.7 किलोमीटर) के निर्माण को मंजूरी दी है।

संक्षिप्त समाचार

बेटी के गले में लिपटा सांप, पिता ने हाथ से पकड़कर मार डाला

फतेहपुर। फतेहपुर थाना क्षेत्र के जम्हेता गांव में सोमवार को एक अजीबो गरीब घटना घटित हुई है। गांव के राजू केशरी के घर में सभी परिवार जमीन पर सोए हुए थे। इसी समय सोई हुई साल की एक बच्ची सोनल के गले में सांप लिपट गया। जब पिता ने इसे देखा तो उसने आव देखा न ताव और अपनी जान की परवाह किए बिना अपनी पुत्री की जान बचाने के लिए बच्ची गले में ही सांप को हाथ से पकड़कर मार डाला। इसके बाद पिता और पुत्री अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सक ने दोनों को सुरक्षित बताया। बच्ची के पिता राजू केशरी ने बताया कि रविवार की रात पूरे परिवार जमीन पर सोए हुए थे। सोमवार की सुबह जब पत्नी सोकर उठी तो दस साल की बेटी सलोनी के गले में लिपटा हुआ सांप पर पड़ा। इसे देख वह घबड़ा गई और जोर से चिल्लाई। पत्नी की आवाज सुन वह उठा तो उसे इसकी जानकारी दी। उसने बताया कि वह दौड़े हुए अपनी बेटी के पास गया और अपनी जान की परवाह किये बिना उसने बेटी के गले में लिपटे सांप को उसके गले में ही हाथ से पकड़ कर मोड़कर मार डाला। बेटी के गले दो सांप लिपट हुआ था। एक सांप छूटकर भागने लगा जिसे पत्नी ने लाठी से पीटकर मार डाला।

सीएचसी में 14 कर्मियों को दी भावभीनी विदाई

मानपुर| सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार में 14 सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इनमें एक चिकित्सा प्रभारी, 10 एएनएम, दो कार्यालय परिचारी और एक आदेशपाल शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन सीएचसी सभागार में हुआ। स्वास्थ्य प्रबंधक शशि भूषण ने बताया कि सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर उनके सुखद भविष्य की कामना की गई। विदाई समारोह में कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किए। सेवानिवृत्त साथियों के सम्मान में प्रीति भोज भी रखा गया। इसमें अस्पताल के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रंजय कुमार सिंह, डॉ ऋषिकेश, पंकज कुमार, कमला कुमारी सहित अन्य मौजूद रहे।

आर्म्स एक्ट के मामले में नामजद आरोपी धराया

मानपुर|भदेजा स्थित बकरी फार्म की जमीन पर कब्जे को लेकर 17 मई को दो पक्षों में मारपीट और फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुफस्सिल थाना पुलिस ने रविवार देर रात एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम साकेत कुमार है। वह एसएस कॉलोनी निवासी संजय शर्मा का बेटा है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार द्विवेदी की लिखित तहरीर पर दोनों पक्षों के 20 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। प्राथमिकी में श्रवण चौधरी, प्रकाश पासवान, चुलबुल पांडेय, मो. कामरान, अजय कुमार, आनंद मोहन उर्फ पिंटू शर्मा, भोला सिंह सहित 20 नामजद और 20 से 25 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

डीएम के निर्देश पर बीडीओ ने की नलजल की जांच

टनकुप्पा|डीएम के आदेश पर सोमवार को बीडीओ अलिषा कुमारी टनकुप्पा प्रखंड के चोवार गांव पहुंचीं। गांव में कई माह से बंद पड़ी नलजल योजना की स्थिति देखी। ग्रामीणों से मुलाकात कर पेयजल संकट की जानकारी ली। योजना बंद रहने के कारणों को विस्तार से जाना। मौके पर मौजूद पीएचईडी के जेई, बिजली विभाग के जेई और अन्य अधिकारियों को बीडीओ ने लापरवाही पर फटकार लगाई। पीएचईडी के जेई को सख्त निर्देश दिया कि योजना की सभी खामियां एक पखवारे में दूर कर योजना चालू करें। चोवार गांव में नलजल योजना बंद होने से लोग पानी की किल्लत से परेशान हैं। ग्रामीणों ने गया डीएम से शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि गांव में नलजल योजना महीनों से बंद है। बीडीओ ने कहा कि डीएम के निर्देश पर गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया। बिजली विभाग और पीएचईडी के जेई को निर्देश दिया गया है कि योजना दो हफ्ते में चालू हो और सभी ग्रामीणों को इसका लाभ मिले।

24 अपराधियों पर सीसीए, सभी को दूसरे थानों में लगानी होगी हाजिरी

बिहारशरीफ। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से डीएम कुंदन कुमार ने बड़ा कदम उठाते हुए 24 अपराधियों पर सीसीए लगा दिया है। साथ ही सभी को थाना बदर करते हुए प्रतिदिन नए थानों में हाजिरी लगाने का आदेश जारी किया गया है। इन अपराधियों में कई शराब माफिया, भू माफिया और गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग शामिल हैं। प्रशासन की मानें तो इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और चुनाव खत्म होने तक ऐसे अपराधियों पर प्रशासन की कड़ी नजर बनी रहेगी। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों की सूची तैयार कर विभाग को भेजें, ताकि चिह्नित कर उन पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

इन 24 लोगों पर लगा सीसीए: करायपरसुराय थाना क्षेत्र के मदन गोप को अब प्रतिदिन सरमेरा थाना में हाजिरी देनी होगी। पकड़िया बिगहा निवासी रौशन कुमार को कतरीसराय, डियावां गांव निवासी अनुज चौधरी को भी कतरीसराय, जबकि पकड़ी बिगहा निवासी टूसा गोप को हरनौत थाना में रोजाना जाना होगा। लालसे बिगहा निवासी नीतीश कुमार को थरथरी, चौकी हुड़ारी के अंशु कुमार को सरमेरा, कोरियारी निवासी रोहित कुमार को हरनौत तथा मानसिंगपुर के रौशन कुमार को भी हरनौत थाना में हाजिरी लगानी होगी। इचहोस निवासी कमिन्द्र सपेरा को राजगीर, अतासराय के रौशन उर्फ कुंदन कुमार को हरनौत तथा कोरवां के मनोरंजन प्रसाद उर्फ मनोरंजन गराई को परवलपुर थाना में हाजिरी देना होगा। हरगावां निवासी संजय यादव को हिलसा, नकटपुरा निवासी वीरमणि यादव उर्फ वीरमणि कुमार को हिलसा , बड़िया निवासी रवि कुमार उर्फ रवि रंजन कुमार को हरनौत तथा सतौआ के नीतीश कुमार को करायपरसुराय थाना में उपस्थिति देनी होगी। पीर बिगहा निवासी मनीष कुमार उर्फ मनीष पांडेय को सरमेरा और इसी गांव के रौशन कुमार को हरनौत, नूरसराय निवासी जगत यादव को राजगीर, परिऔना निवासी सुनीत मिश्रा उर्फ सुमित कुमार को सिलाव, चुरामन बिगहा निवासी प्रेम गोप उर्फ प्रेमजीत कुमार को कतरीसराय, ससौर निवासी विरवल यादव को हरनौत, सिरनामा निवासी सचिन कुमार को इसलामपुर और तीरा के संजीत कुमार उर्फ गोलू को कतरीसराय थाना में प्रतिदिन हाजिरी लगानी होगी।

माई बहिन मान योजना को लेकर चलाया गया अभियान

टिकारी| कांग्रेस पार्टी के द्वारा महगठबंधन द्वारा घोषित की गई माई बहिन मान योजना का तेजी से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। साथ ही साथ महिलाओं का रजिस्ट्रेशन भी किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को प्रखण्ड में खनेटू पंचायत के कई गांव में प्रदेश कांग्रेस नेत्री प्रतिभा रानी दांगी ने जागरुकता अभियान चलाया। श्रीमती दांगी ने महिलाओं को जागरुकता अभियान के दौरान कहा कि देश के अन्य राज्यों जैसे झारखंड,हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक जहां कांग्रेस या गठबंधन की सरकार है। इसी तरह की योजना चलाकर महिलाओं को

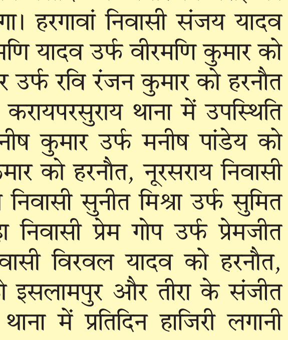

सबल बनाने के लिए सरकार महिलाओं को आर्थिक सहायता राशि दे रही है। आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं को घर गृहस्थी चलाने में इस महगांई के दौर में राहत मिलती है। इसी तरह बिहार में यदि महागठबंधन की सरकार बनती है तो सरकार बनते ही उसी माह से अभी से ही रजिस्टर्ड महिलाओं को सीधे उनके खाते में प्रतिमाह 2500 रुपए की राशि दी जाएगी। जागरुकता अभियान के दौरान श्रीमती दांगी के साथ कई महिला कार्यकर्ता शामिल थी।

बालू लदे ट्रैक्टर से कुचलकर मासूम समेत 2 की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में मंगलवार को दो अलग-अलग हादसों में 4 साल के मासूम समेत दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना सिलाव थाना क्षेत्र के नानद गांव, जबकि दूसरी घटना तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के हैदरपुर गांव की है। पहली घटना में एक युवक की मौत हुई है, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि दूसरी घटना में बच्चे की मौत हुई है। दोनों ही घटना में पुलिस की ओर से फिलहाल आवेदन नहीं दिया गया है, आवेदन के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। पहली घटना में सिलाव थाना क्षेत्र के नानद गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को कुचल दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक की पहचान नालंदा थाना क्षेत्र के मेहंदीनगर गांव निवासी हृदय रविदास के 30 साल के बेटे शंकर रविदास के रूप में की गई है। घटना में रामाशीष मांझी के बेटे मुन्ना मांझी और रामस्वरूप रविदास के बेटे कारू रविदास गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

शंकर रविदास गांव के 2 लोगों के साथ मजदूरी के लिए नानद गांव जा रहा था: घटना के संबंध में मृतक के परिजन ने बताया कि शंकर रविदास गांव के ही 2 अन्य लोगों के साथ काम करने के लिए नानद गांव जा रहा था। वो गांव के बाहर मोटरसाइकिल लगाकर खड़ा था। इसी बीच बालू लोड दो ट्रैक्टर एक दूसरे को ओवरटेक कर रहे थे। तभी एक ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े शंकर रविदास समेत तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने शंकर रविदास को मृत घोषित कर दिया। शंकर रविदास राजमिस्त्री का काम करते थे। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि गिरियक नानद मुख्य मार्ग पर अधिकतर अवैध रूप से चलने वाले बालू लदे ट्रैक्टर को चलाने वाले नाबालिग ही होते हैं, जिसकी वजह से हादसे की आशंका बनी रहती है।

घर के बाहर खेल रहे 4 साल के बच्चे को ट्रैक्टर ने कुचला: दूसरी घटना तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के हैदरपुर गांव में हुई है। जहां घर के बाहर खेल रहे 4 साल के बच्चे को ट्रैक्टर ने कुचल दिया। हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बच्चे की पहचान हैदरपुर गांव के रहने वाले मितराज पासवान के बेटे अमन कुमार के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सिलाव थाना अध्यक्ष इरफान खान ने बताया कि ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। वाहन नंबर के आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। वहीं तेल्हाड़ा थाना अध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि वाहन को जब्त करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

2 महीने पहले बनी आरसीसी पुल धंसी

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के इमामगंज प्रखंड के विजैनी गांव क्षेत्र में दो महीने पहले बनी आरसीसी पुलिया पानी के तेज बहाव में धंस गई। पुलिया के साथ सड़क का भी एक हिस्सा बह गया। इससे दर्जनों गांव का संपर्क इमामगंज प्रखंड मुख्यालय और डुमरिया स्टेट हाईवे-69 से टूट गया है। यह पुलिया विजैनी गांव के पास इमामगंज को डुमरिया प्रखंड और पटना स्टेट हाईवे-69 से जोड़ती थी। यहां से कादरगंज, फतेहपुर, मल्हारी, छोटकी कराशन, दुबहल, पाकडीह सहित दर्जनों गांव के लोग बाजार, अस्पताल और सरकारी काम के लिए इमामगंज व डुमरिया आते-जाते थे। पुलिया टूटने से अब इन गांवों के लोगों को लंबा चक्कर लगाकर आना पड़ रहा है। इससे न केवल समय बल्कि पैसा भी बर्बाद हो रहा है।

ठेकेदार पर मनमानी का आरोप: ग्रामीण अनिल यादव ने बताया कि विभागीय लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी के कारण यह पुलिया महज दो महीने में ध्वस्त हो गई। पानी का थोड़ा तेज बहाव आते ही पुलिया नीचे धंस गई और सड़क भी कट गई। लोगों का कहना है कि इस सड़क पर रोज ऑटो, टोटो और ट्रैक्टर समेत कई वाहन चलते थे। अब आवाजाही पूरी तरह से बंद है।

ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण काम के प्रति बरती गई लापरवाही के खिलाफ प्रशासन और विभाग को कई बार इसकी सूचना दी गई। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। पुलिया के टूटने से गांव की ऑप्शनल सड़क पर ट्रैफिक बढ़ गया है, जिससे वहां की सड़क भी जर्जर हो गई है। आने वाले बरसात में हालात और भी बिगड़ जाएंगे।

सरकार और प्रशासन से जांच की मांग: ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से जांच की मांग की है। उनका कहना है कि दोषी ठेकेदार और विभागीय इंजीनियर पर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न हो। पुलिया टूटने के बाद से स्थानीय लोग परेशानी में हैं। बच्चों की स्कूल, मरीजों को अस्पताल और लोगों को जरूरी काम के लिए काफी दिक्कत हो रही है। लोग प्रशासन से जल्द से जल्द ऑप्शनल व्यवस्था और नए पुल के निर्माण की मांग कर रहे हैं।

नालंदा में मंदिर का ताला तोड़ चोरी

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में थाना से महज कुछ कदम की दूरी पर 20 साल पुरानी दुर्गा मंदिर में बदमाशों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मामला दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिपाही मोहल्ले की है। चोरी की सूचना जैसे ही मोहल्ले के लोगों के बीच फैली, मंदिर परिसर के पास भीड़ लग गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। घटना के संबंध में दुर्गा मंदिर के पुजारी पप्पू पांडे ने बताया कि उन्हें मोहल्ले के लोगों से सूचना मिली की मंदिर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है। मां को चढ़ाया गया श्रृंगार गायब है। दान पेटी भी गायब कर दी गई है। श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाया गया मां दुर्गा के लिए चांदी का मुकुट, नथिया, कमरधनी, टीका गायब था। पहिया खोलने वाले रिंच से संभवतः मन्दिर का ताला तोड़ कर बदमाशों ने शीशे के अंदर विराजमान मां के

श्रृंगार की चोरी कर ली गई है।

मोहल्ले के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा: मोहल्ले के लोगों ने बताया कि पूर्व में भी एक बार मंदिर में चोरी की घटना हो चुकी है। तब मंदिर में ताला नहीं लगा करता था। मोहल्ले के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। युवा व किशोर ब्राउन शुगर और अन्य नशीले पदार्थ का सेवन करते रहते हैं। जिन्हें घरों से पैसा नहीं मिलता है। वो नशा करने के लिए इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देते है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस रात्रि गश्ती में डंडी मारी करती है, जिसके कारण चोरों के हौसले बुलंद है।

बच्ची के गले में रातभर लिपटा रहा जहरीला सांप

निज संवाददाता। गयाजी

गया जी में 10 साल की बच्ची के गले में रातभर जहरीला सांप लिपटा रहा। सलोनी अपने घर में सोई हुई थी। मंगलवार सुबह मासूम की मां की नींद खुली, तो उन्होंने बेटी की गर्दन में सांप को देखा। बच्ची की मां चीख पड़ी। आवाज सुनकर पिता राजू कुमार केसरी भी उठ गए। पिता राजू ने बताया कि कुछ पल के लिए समझ नहीं आया कि अब क्या करें। लेकिन, बेटी की जान खतरे में देख उन्होंने एक सांप के सिर को हाथों से पकड़ लिया और उसे इतना दबाया कि वो मर गया। गर्दन में सांप लिपटा हुआ था और मैंने गर्दन में ही इसे मारा है। दूसरा सांप खुद ही गर्दन से छूट कर जमीन पर गिर पड़ा। सांप के जमीन पर गिरते ही सलोनी की मां ने डंडे से मार दिया। मामला फतेहपुर थाना इलाके के जम्हेता

गांव का है। बच्ची ने भी कहा कि उसके गले में सांप लिपटा हुआ था। मैं तभी सो रही थी। गांव में इस घटना की चर्चा हो रही है। लोग कह रहे हैं कि करैत जैसे जहरीले सांपों को हाथ से पकड़कर मार देना आसान बात नहीं है। लेकिन पिता ने अपनी बेटी के लिए जान की फिक्र नहीं की।

बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन: सांप को मारने के बाद सलोनी को लेकर उसके पिता फतेहपुर के सरकारी अस्पताल पहुंचे। बच्ची पूरी तरह से ठीक है और पिता भी सामान्य हैं। एहतियातन डॉक्टरों ने उन्हें मगध मेडिकल कॉलेज ले जाने की सलाह दी है। बता दें कि

♦ गयाजी में पिता ने एक करैत को हाथ से दबा कर मारा, दूसरे पर मां ने लाठी से किया अटैक

करैत सांप को एशिया का सबसे जहरीला सांप माना जाता है। यह भारत के चार सबसे खतरनाक सांपों में से एक है। इसे साइलेंट किलर भी कहते हैं। क्योंकि, इसके काटने पर दर्द नहीं करता है। इसका जहर धीरे-धीरे शरीर में फैलाता है और फिर मौत हो जाती है। राजू कुमार केसरी ने कहा कि बेटी की जान बचाने के लिए कुछ भी कर सकता हूं। उस वक्त बस बच्ची का ही ख्याल था। गांव में लोग पिता की हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं।

किसान अंजीर की खेती से करेंगे करोड़ों की कमाई

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत नालंदा के किसानों के सामने अब सुनहरा अवसर है। अंजीर की खेती करके से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं, बल्कि साल भर में करोड़ों की कमाई भी कर सकते हैं। चतुर्थ रोड मैप के अंतर्गत फलों की खेती को बढ़ावा देने की इस योजना में प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपए का सरकारी अनुदान मिलेगा। राज्य सरकार की दो वर्षीय अंजीर विकास योजना में नालंदा समेत बिहार के कुल 32 जिलों को शामिल किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से किसान पोषक तत्वों से भरपूर अंजीर की खेती से जुड़कर अपनी किस्मत बदल सकते हैं। नालंदा में कुल दो हेक्टेयर क्षेत्र में अंजीर की खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अन्नदाताओं के लिए राहत की बात यह है कि इस योजना के तहत प्रति हेक्टेयर खेती करने पर सरकार 50 हजार रुपए का अनुदान देगी। योजना की सबसे अच्छी बात यह है कि उद्यान विभाग किसानों को अनुदानित दरों पर उन्नत प्रभेद के पौधे उपलब्ध कराएगा, जो स्थानीय मिट्टी और मौसम के अनुकूल होंगे।

चार मीटर की दूरी पर कतारों में लगेंगे पौधे: एक हेक्टेयर में अंजीर की खेती के लिए 625 पौधों की आवश्यकता होती है। ये पौधे चार गुणा चार मीटर की दूरी पर कतारों में लगाए जाएंगे। किसान न्यूनतम आठ कट्ठा से लेकर अधिकतम दो हेक्टेयर तक की भूमि पर खेती कर अनुदान का फायदा उठा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पहले से ही शुरू हो चुकी है। लाभार्थियों का चयन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। विशेष बात यह है कि निर्धारित लक्ष्य में से 30 प्रतिशत हिस्सा महिला किसानों के लिए आरक्षित रखा गया है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

किसानों को दो किस्तों में मिलेगी राशि: प्रति हेक्टेयर अंजीर की खेती में कुल एक लाख 25 हजार रुपए की लागत आती है। इस पर सरकार 40 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है। अनुदान की राशि किसानों को दो किस्तों में दी जाएगी। पहले साल कुल अनुदान का 60 प्रतिशत यानी 30 हजार रुपए मिलेंगे, जबकि दूसरे साल शेष 20 हजार रुपए का भुगतान होगा। इसकी शर्त यह है कि 80 प्रतिशत पौधे जीवित रहने चाहिए। अंजीर की खेती में लागत कम आती है, लेकिन कमाई बेहद आकर्षक है। एक पौधे से औसतन 18 से 20 किलोग्राम अंजीर मिलता है। बाजार में इसकी कीमत 500 से 800 रुपए प्रति किलोग्राम तक है। इस हिसाब से एक हेक्टेयर में खेती करने वाला किसान वार्षिक 20 से 25 लाख रुपए तक की कमाई कर सकता है। अंजीर के फल में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम

और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक खनिज तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। साथ ही विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में मिलते हैं। इस प्रकार अंजीर की खेती से न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण पोषण भी मिलेगा। योजना का फायदा उठाने के लिए इच्छुक किसानों को उद्यान विभाग के आधिकारिक पोर्टल horticulture.bihar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ एलपीसी या भूमि की वर्तमान रसीद,पहचान पत्र,आधार कार्ड,पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ और बैंक खाते की संपूर्ण जानकारी शामिल है। जिला उद्यान पदाधिकारी राकेश कुमार का कहना है की अंजीर की खेती से न केवल अच्छी कमाई की जा सकती है, बल्कि यह स्वास्थ्य का खजाना भी है। इसमें प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं0–डी.डी.यू /ईएल /जी/ई०–निविदा/25–26/10, दिनांक: 28.06.2025

मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत/जी/डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध हैं, निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (ई... निविदा) आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं : 01, कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम : सं०. डी.डी.यू / ईएल / जी / पी / 2025–26/05, विषय – डीडीयू मंडल के अन्तर्गत वरी सेक्शन ए०सी० के अधीन पूरे मंडल के रनिंग रूम के सं० 555, 556 एवं 17 (पुराने एवं नये), 1102 डीडीयू, भभुआ, सासाराम, डेहरी एवं गया में 284 अदद् एयरकंडीशनर की व्यवस्था करने एवं साथ साथ पाँच वर्ष हेतु अनुरक्षण करने के संबंध में।, **कार्य करने की कुल लागत** : रु० 623357.54, **निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 22.07.2025, 15:00 Hrs., **ई–निविदा वेबसाईट का विवरण : www.ireps.gov.in**

सहायक मंडल विद्युत अभियंता (सा०).
कृते वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा०). पू.म.रे., डी. डी. यू
पीआर/0507/डीडीयू/जीएस/टी/25–26/36

राजगीर-किऊल स्पेशल ट्रेन अब खगड़िया तक चलेगी

नालंदा । नालंदा के यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। पूर्वी भारतीय रेलवे ने राजगीर-किऊल के बीच संचालित हो रही स्पेशल ट्रेन सेवा को बढ़ाने की घोषणा की है। यह निर्णय क्षेत्रीय यात्रियों की बढ़ती मांग और परिवहन सुविधाओं की आवश्यकता को देखते हुए लिया गया है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र की ओर से जानकारी दी गई है।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई.ए.एस. संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-800014

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या–बी.सी.ई.सी.ई.बी.(बी.सी.ई.सी.ई.)–2025/06 दिनांक– 01.07.2025

BCECE-2025 के परीक्षाफल से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

1. बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (बी०सी०ई०सी०ई०)-2025 में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों/ सम्बन्धित संस्थानों तथा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 08.06.2025 एवं 09.06.2025 को आयोजित बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (BCECE)-2025 के पात्रता-प्राप्त अभ्यर्थियों का Rank Card बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।
2. अभ्यर्थी पर्षद के उक्त Website पर जाकर "Rank Card of BCECE -2025" Link पर Click करें। तत्पश्चात् एक नया Page प्रदर्शित होगा जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रम समूहों का Rank Card Download करने हेतु अलग-अलग निम्नलिखित link
   - View / Download **Rank Card of Agriculture** [CBA/MBA/MCA/PCA] Group
   - View / Download **Joint Rank Card of BCECE** [PCM/PCB] Group
   - View / Download **Rank Card of BCECE** [PCM/PCB] Group प्रदर्शित होगा।

   अभ्यर्थी अपने पाठ्यक्रम समूह के link पर click करने के बाद अपना Roll No. एवं जन्म तिथि डालकर अपना Rank Card Download कर प्राप्त कर लें।
3. **Online** कॉउन्सेलिंग कार्यक्रम की सूचना यथासमय प्रकाशित की जायेगी ।

परीक्षा नियंत्रक

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या–बी.सी.ई.सी.ई.बी.(बी.सी.ई.सी.ई.[LE])–2025/06 दिनांक– 01.07.2025

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [पार्श्विक प्रवेश] – 2025
BCECE (LE)-2025 [BLE (Engg.) / BLE (Para Medical) / BLE (Pharmacy) Degree Course]
के परीक्षाफल से सम्बन्धी आवश्यक सूचना

1. बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश) [बी.सी.ई.सी.ई.(एल.ई.)]-2025 के अंतर्गत तीन ग्रुप (i) बी.सी.ई.सी.ई.(एल.ई) [Engg.]-2025, (ii) बी.सी.ई.सी.ई.(एल.ई)[Para Medical]-2025 एवं (iii) बी.सी.ई.सी.ई.(एल.ई) [Pharmacy]-2025 में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों, सम्बन्धित संस्थानों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.06.2025 को आयोजित बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश) [बी.सी.ई.सी.ई.(एल.ई.)]-2025 के पात्रता-प्राप्त अभ्यर्थियों का Rank Card बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।
2. **BCECE[LE]-2025** के परीक्षाफल के आधार पर पात्रता-प्राप्त सभी अभ्यर्थी पर्षद के उक्त **Website** पर जाकर **"Rank Card of BCECE (LE)-2025" Link** पर **Click** करने के बाद अपना **Roll No.** एवं जन्म तिथि डालकर अपना **Rank Card Download** कर प्राप्त कर लें।
3. **Online** कॉउन्सेलिंग कार्यक्रम की सूचना यथासमय प्रकाशित की जायेगी।

परीक्षा नियंत्रक

पर्यटन मंत्रालय MINISTRY OF TOURISM

होटल मैनेजमेंट संस्थान, बोधगया

(पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार एवं पर्यटन विभाग, बिहार सरकार का संयुक्त उपक्रम)

NCHMCT BIHAR TOURISM

डिग्री जवाहर लाल नेहरू (जे. एन. यू.) यूनिवर्सिटी द्वारा प्रदत्त

आयु सीमा की कोई बाध्यता नहीं है

- बिहार सरकार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की सुविधा डिग्री कोर्स के लिए उपलब्ध है। (DRCC, Student credit card facility available for Degree Course)
- 100 % जॉब असिस्टेंस (देश एवं विदेश के विभिन्न पांच सितारा होटलों, एयर लाइन्स, क्रूज लाइन्स सहित सरकारी एवं अर्धसरकारी विभागों में नौकरी की सुविधा)

तीन वर्षीय होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स | डेढ़ वर्षीय फूड एंड बेवरेज डिप्लोमा सर्विस कोर्स | डेढ़ वर्षीय फूड प्रोडक्शन डिप्लोमा कोर्स

एडमिशन हेल्पलाइन नंबर : +91-8987276070, +91-9608271879, 6287081202, 0631-2952143 संपर्क व्यक्ति का नाम : श्री विवेक सुमन
पता - गया - डोभी रोड, बोधगया - 824234 इ-मेल : ihmbodhgaya@gmail.com, वेबसाइट : www.ihmbodhgaya.com

संक्षिप्त समाचार

सर्पदंश से किशोरी की मौत

काराकाट (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के मोथा गांव में सर्पदंश से एक किशोरी की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस वहां पहुंच कर मामले की जानकारी ली तथा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दी है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि प्रदीप राम की 13 वर्षीय बेटी प्रीति कुमारी घर में सो रही थी। इसी बीच सुबह 3 बजे किसी विषैले सर्प ने उसे डंस लिया। झाड़फूक और घरेलू उपचार के बाद जब स्थिति गंभीर हो गई तो परिजन उसे अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। किशोरी के मौत हो जाने पर परिजन शव को लेकर घर आए और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जानकारी ली तथा शव को पोस्मार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है।

निरोधात्मक कार्रवाई में लोगों से भरवाया गया बन्ध पत्र

नवादा (नि.सं.)। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 36 स्थित बेलदरिया रोड के निर्माण की मांग की पूर्ति नहीं हो पाने से नाराज ग्रामीणों - ने रोष जताया है। ग्रामीणों ने कहा कि इस रोड की मांग वर्षों से की जा रही है लेकिन इस दिशा में कोई भी सकारात्मक कार्रवाई नहीं हो पा रही है। इस समस्या की ओर नगर अध्यक्ष, विधायक और सांसद तक बात पहुंचाई गई है लेकिन अब तक कोई संतोषजनक कदम नहीं उठाया जा सका है। ग्रामीणों ने निराशा जताते हुए कहा है कि हम लोग अब इतने निराश हैं कि समझ ही नहीं आ रहा कि किस से जाकर बात करें तो हमारे रोड का कल्याण होगा। आजादी के समय से ही यह सड़क नहीं बन सकी है। सड़क ही नहीं, रोड, नाली और गली भी नहीं बन सकी है। ग्रामीण देवेंद्र कुमार नीरज कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पिंटूकुमार, मनीष कुमार, विपुल कुमार, महेंद्र झा, रवि शंकर राहुल, राजा रामकुमार आदि है।

मतदाता सूची जांच को लेकर अधिकारियों की बैठक

पकरीबरावां (नवादा) (नि. सं.)। वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता गौरव शंकर ने मंगलवार को पकरीबरावां प्रखंड कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक कर मतदाता सूची के गहन निरीक्षण की समीक्षा की। बैठक में घर-घर जाकर बीएलओ द्वारा लिए गए फॉर्मों की संख्या तथा उनके सत्यापन की प्रगति पर चर्चा की गई। पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि 01 जुलाई 1987 से पहले जन्मे जिन 2003 मतदाताओं के नाम सूची में हैं, वे मतदाता सूची की प्रति को आवश्यक दस्तावेज के रूप में प्रयोग कर सकते हैं। ऐसे मतदाताओं को अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 01 जुलाई 1987 के बाद जन्म लेने वाले नए मतदाताओं के मामले में उनके माता या पिता के दस्तावेजों का उपयोग भी किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त नए बनाए गए जाति, आवासीय, जन्म प्रमाण पत्र, जमीन की रसीद, जमाबंदी की प्रति या पारिवारिक सूची को भी सहायक दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जा सकती है। इस मौके पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मुकेश कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अशोक कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी कौशल किशोर सिंह, पंचायत सचिव चंदन कुमार चौधरी, नरेंद्र कुमार रजक, कौशर अली, अखिलेश कुमार सिंह, टुनटुन प्रसाद समेत कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर सत्यापन कार्य को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण करें, ताकि मतदाता सूची त्रुटि रहित हो सके।

मजदूरों की मौत से अमरथा गांव में मचा कोहराम

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के सीगची केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट में काराकाट थाना क्षेत्र के अमरथा गांव के मजदूरों की मौत की सूचना पर पूरे गांव में कोहराम मच गया है। चारों ओर केवल चीख पुकार हीं सुनाई दे रहा है। परिजनों के रूदन क्रंदन से लोगों का कलेजा दहल जा रहा है। सूचना के अनुसार तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह एक भीषण हादसा हुआ। पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज की दवा बनाने वाली फैक्ट्री में रिएक्टर यूनिट में धमाका हो गया। सुबह 8:15 से 9:30 बजे के बीच हुए इस विस्फोट में 12 मजदूरों की जान चली गई, जबकि 34 अन्य झुलस गए हैं। मृतकों में बिहार के छह मजदूर शामिल बताए जा रहे हैं। इस फैक्ट्री में काराकाट थाना क्षेत्र के अमरथा गांव के चार मजदूर भी काम कर रहे थे। इनमें डब्लू पासवान गंभीर रूप से झुलसे हैं और अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं,जबकि दीपक पासवान, दिलीप गोसाई और नागा पासवान अब तक लापता हैं। “पापा, आग लग गई है, अब

‘सेना डब्लू पासवान गंभीर रूप से झुलसे हैं और अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं,जबकि दीपक पासवान, दिलीप गोसाई और नागा पासवान अब तक लापता हैं। “पापा, आग लग गई है, अब बचना मुश्किल है”– दीपक का आखिरी फोन कॉल था लापता दीपक पासवान की मां गंगोत्री देवी की आंखों से आंसू थम नहीं रहे। उन्होंने बताया, “मेरा बेटा दो दिन पहले ही पहली ही बाहर काम करने गया था। हादसे के वक्त उसने अपने पिता को कॉल किया और कहा– ‘पापा, कंपनी में आग लग गई है अब मेरा बचना मुश्किल है।’

बचना मुश्किल है”– दीपक का आखिरी फोन कॉल था लापता दीपक पासवान की मां गंगोत्री देवी की आंखों से आंसू थम नहीं रहे। उन्होंने बताया, “मेरा बेटा दो दिन पहले ही पहली ही बाहर काम करने गया था। हादसे के वक्त उसने अपने पिता को कॉल किया और कहा– ‘पापा, कंपनी में आग लग गई है अब मेरा बचना मुश्किल है। इसके बाद कॉल कट गया और तब से उसका कुछ पता नहीं चला। गंगोत्री देवी फूट-फूटकर रोते हुए कहती हैं, दीपक हमारे घर का इकलौता कमाने वाला था। उसके पिता देख नहीं सकते। अब घर चलाना मुश्किल हो जाएगा। एक दिन पहले ही तो फोन पर बात हुई थी। अब घर सूना हो गया। सरकार से बस यही मांग है – मेरा बेटा चाहिए, चाहे जिंदा या मृत अवस्था में। लापता नागा पासवान की परिजन फूला देवी का दर्द भी कम नहीं है। उन्होंने बताया, “सोमवार सुबह 10 बजे ही उनकी नागा से आखिरी बार बात हुई थी। वह पैसे भेजने की बात कर रहा था। गांव के लोगों ने चंदा जुटा कर उसकी शादी कराई थी । कुछ ही दिन पहले वह रोजी-रोटी के लिए परदेश गया था और अब यह हादसा हो गया। उसकी पत्नी गर्भवती हैब। अब समझ में नहीं आ रहा कि क्या करें, कहां जाएं ? ”वही दिलीप गोसाईं कि पत्नी ने बटुआ कि जब दिलीप फैक्ट्री जा रहे थे, तब हमने बात की थी। अब हम सुन रहे हैं कि फैक्ट्री में आग लग गई है। दिलीप का क्या हुआ, यह नहीं पता। वो जिंदा हैं या नहीं, ये भी नहीं जानती। वह समझ नहीं पा रही है कि परिवार का पालन पोषण कैसे होगा। तीन लड़कियां हैं, जिनमें से एक की शादी हो चुकी है। अब मैं कैसे करूंगी ? क्या भीख मांग कर गुजारा करूंगी ? हमारा एक लड़का भी है, लेकिन वो अभी छोटा है। दिलीप का एक भाई भी है, जो दिव्यांग है। अब पूरा परिवार बिखर गया है। घायलों में शामिल डब्लू पासवान ने भी हादसे के तुरंत बाद अपने पापा को कॉल कर बताया कि वह आग में बुरी तरह झुलस गया है। उनकी मां ने कहा, “उसकी आवाज कांप रही थी, बोला–मां, मैं पूरी तरह जल गया हूं। बड़ी मुश्किल से जान बची है। उसके साथ काम करने वाले कई लोग आग से नहीं निकल पाए। वह अब किसी अस्पताल में भर्ती है, लेकिन हालत नाजुक है। घटना की सूचना मिलते ही श्रम विभाग के पदाधिकारी देवाशीष कुमार ने बताया कि राज्य और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मामले की निगरानी कर रहे हैं। लापता मजदूरों की तलाश, घायलों के इलाज और मृतकों के शवों की वापसी की प्रक्रिया तेजी से की जा रही है। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता देने की कार्रवाई शुरू कर दी है। तो वही सामाजिक कार्यकर्ता राजनीतिक पार्टी के नेता भी मातम पूर्ति के लिए अमरथा जा रहे है। भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रोफेसर डॉ बलिराम मिश्रा ने मृत परिवार को दश लाख रुपए देने की मांग किए है।

सरपंच ने ग्रामीणों की सुनी फरियाद

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड के नारदीगंज ग्राम कचहरी में मंगलवार को लोगों का फरियाद सुनी गई। अध्यक्षता सरपंच प्रवेश रविदास ने की। सरपंच ने कहा इस दौरान भूमि से सम्बंधित तीन मामले आये। जिसमे एक मामले को आन द स्पाट निष्पादित किया गया। वही दो मामले को निष्पादन के लिए अगली तिथि निर्धारित की गई है। सरपंच ने कहा ग्राम कचहरी में आनलाइन मामले को दायर करें। यहां धन औऱ पैसे की बचत होती है। ग्राम कचहरी में सस्ता व सुलभ न्याय मिलता है। आप लोग छोटे छोटे विवाद को समझौता करा लीजिए, अन्यथा यह मामला बाद में बड़ा हो जाता है। जो हत्या, आत्महत्या जैसे कारण भी बन जाता है। ऐसे में छोटे छोटे मामले को ग्राम कचहरी में आपसी सहमति से निष्पादित कर लें। उन्होंने कहा ग्राम कचहरी 40 नई धारा के अंतर्गत मामले को समझौता करती है। इसलिए ग्राम कचहरी में मिल बैठकर मामले को निष्पादन जरूर करने की अपील की। ताकि भविष्य में आने वाली परेशानियों से निजात मिल सके। मौके पर ग्राम कचहरी सचिव अंशु कुमार, न्याय सचिव संजय कुमार, पंच राजो रविदास, मो. साहब समेत अन्य रहे।

नए युग में हल-बैल की परंपरा विलुप्त : खेतों से गायब होती ग्रामीण आत्मा की पहचान

निज संवाददाता | काराकाट / रोहतास

कभी गांव की सुबह की पहचान थे बैलों की घंटियों की टनटनाहट और खेतों में चलता लकड़ी और लोहे से बना हल एवं बैलगाड़ी। बताते चले की ‘लाल पान की बेगम‘ ‘क्यों बिरजू की माँ, नाच देखने नहीं जाएगी क्या?’ फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा लिखी गई एक कहानी है, जिसमें ग्रामीण जीवन और महिलाओं के स्वाभिमान को दर्शाया गया है। कहानी की मुख्य पात्र बिरजू की माँ है, जिसे गांव वाले ‘लाल पान की बेगम‘ कहते हैं। यह नाम उसे उसकी सुंदरता और स्वाभिमान के कारण मिला है। कहानी में, बिरजू की माँ एक मजबूत महिला के रूप में उभरती है, जो अपने आत्मसम्मान और इच्छाओं के लिए खड़ी होती है। बिरजू के मां गुस्से में कहती है कि जब से बैल ख़रीद लाए। उसी दिन से गाँव में ढिंढोरा पीटने लगे, बिरजू की माँ इस बार बैलगाड़ी पर चढ़ कर जाएगी नाच देखने!...दूसरे की गाड़ी के भरोसे नाच दिखाएगा!...बाहर बैलों की घंटियाँ सुनाई पड़ीं। तीनों सतर्क हो गए। उत्कर्ण होकर सुनते रहे। ‘अपने ही बैलों की घंटी है, क्यों री चंपिया?’ चंपिया और बिरजू ने प्रायः एक ही साथ कहा, ‘हूँ-ऊँ-ऊँ!’ ‘चुप बिरजू की माँ ने फिसफिसा कर कहा, शायद गाड़ी भी है, घड़घड़ाती है न?’ ‘हूँ-ऊँ-ऊँ!’ दोनों ने फिर हुँकारी भरी। ‘चुप! गाड़ी नहीं है। तू चुपके से टट्टी में छेद करके देख तो आ चंपी! भागके आ, चुपके-चुपके।’ बाहर बैलगाड़ी खोलने की आवाज़ हुई। बिरजू के बाप ने बैलों को ज़ोर से डाँटा—‘हाँ-हाँ! आ गए घर! घर आने के लिए छाती फटी जाती थी!’ गाड़ी गाँव से बाहर हो कर धान के खेतों के बग़ल से जाने लगी। चाँदनी, कातिक की!...खेतों से धान के झरते फूलों की गंध आती है। बाँस की झाड़ी में कहीं दुद्धी की लता फूली है। जंगी की पुतोहू ने एक बीड़ी सुलगा कर बिरजू की माँ की ओर बढ़ाई। बिरजू की माँ को अचानक याद आई चंपिया, सुनरी, लरेना की बीवी और जंगी की पुतोहू, ये चारों ही गाँव में बैसकोप का गीत गाना जानती हैं।...ख़ूब! बिरजू की माँ बेगम है, लालपान की बेगम! यह तो कोई बुरी बात नहीं। हाँ, वह सचमुच लाल पान की बेगम है! बिरजू की माँ ने अपनी नाक पर दोनों आँखों को केंद्रित करने की चेष्टा करके अपने रुप की झांकी ली, लाल साड़ी की झिलमिल किनारी, मँगटिक्का पर चाँद।...बिरजू की माँ के मन में अब और कोई लालसा नहीं। उसे नींद आ रही है। लेकिन आज के तकनीकी युग में वह परंपरा कहीं गुम होती जा रही है। ट्रैक्टर और मशीनों की गूंज ने बैल की मूक सेवा और किसान की परंपरागत मेहनत को लगभग इतिहास बना दिया है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्यों में अब हल-बैल की छवि केवल पुराने चित्रों, किस्सों और मेले- ठेले में ही देखने को मिलती है । पहले जहां हर गांव में बैलों के एक या दो जोड़े जरूर होते थे, वहीं अब पूरे जिले में गिने-चुने घर ही हैं जहां यह दृश्य दिखता है। ट्रैक्टर, थ्रेसर, हार्वेस्टर और आधुनिक खेती उपकरणों ने खेत की जुताई से लेकर फसल की कटाई तक सब आसान बना दिया है। लेकिन इस सुविधा की कीमत किसान ने अपनी परंपरा और मिट्टी से जुड़ी आत्मीयता को खोकर चुकाई है। पहले किसान हल चलाते समय धरती से बात करता था, बैलों से रिश्ता बनाता था।

शोभा का वस्तु बना नल जल योजना का जल मीनार

निज संवाददाता | दावथ (रोहतास)

एक ओर जहां राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नल जल योजना के माध्यम से घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। दूसरी ओर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग और उसके संवेदक की कारगुजारियों के दावथ प्रखंड के सेमरी पंचायत के मलियाबाग कलोनी के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नीतीश सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल नल जल योजना का जल मीनार वार्ड संख्या 11 में शोभा का वस्तु बनकर रह गया है। पिछले ढाई वर्षो से यहां के वार्ड वासी महज एक बूंद पानी के लिए तरस गया है। स्वच्छ व शुद्ध जल की बात कौन करें इस योजना के एक बूंद

पानी भी किसी भी वार्ड वासी के हलक तक नहीं जा पाया है। बेशक यह योजना कागज पर सरपट दौड़ रहा है। सरकार के इस ड्रीम प्रोजेक्ट एवं मेगा योजना के रखरखाव के लिए जहां प्रशासन की सतर्कता की बात कही जा रही है वहीं इस इलाके के अभियंता व ठीकेदार को भी जिम्मेदारी से बांधा गया है। मगर हालात यह कि ठेकेदार एवं अभियंता के मिली भगत से यह योजना सर जमीन पर फलता फूलता दिखाई नहीं दे रहा है। इस संबंध में वार्ड वासी दिनेश कुमार, भुअर पासवान, अयोध्या पासवान, अंकित कुमार ने सहित दर्जनों वार्ड वासी ने बताया कि वार्ड संख्या 11 में नल जल योजना चूं चूं का मुरब्बा बना हुआ है। योजना से संबंधित जलमीनार सफेद हांथी बनकर शोभा की वस्तु बन गई है।

थानाध्यक्ष के विरुद्ध गौरक्षा प्रमुख ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

क्षेत्र गौरक्षा प्रमुख विहिप गौरक्षा विभाग, पटना क्षेत्र एवं केंद्रीय विधि प्रमुख विश्व हिन्दू परिषद शशांकधर शेखर, काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ पर पशु तस्करी की सूचना देने वाले गौरक्षा समिति के सदस्य रामजी पांडेय के साथ गाली गलौज करने और झूठे मुकदमे में फंसाने से संबंधित एक पत्र लिखा है। राष्ट्रपति, केंद्रीय गृहमंत्री, अध्यक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली व पटना, एन ए आई, सीबीआई, मुख्यमंत्री बिहार, पुलिस महानिदेशक बिहार को भेजे गए पत्र में कहा है कि 25 मई को एक संदिग्ध वाहन BR02CG3621 में अवैध रूप से गोवंश को भरकर बंगाल और विदेशों की ओर आपूर्ति हेतु ले जाया जा रहा था। यह सूचना मुझे गौरक्षक कार्यकर्ता रामजी पाण्डेय द्वारा दी गई। उन्होंने ही इस वाहन की वास्तविक जानकारी दी और पुलिस को सूचित किया। जब यह जानकारी मुझे प्राप्त हुई तो मैंने स्वयं अनेक बार तत्कालीन थाना प्रभारी काराकाट को फोन करने का प्रयास किया, किंतु जानबूझकर उनका मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया गया। यह अत्यधिक संदेहास्पद था कि ऐसी गंभीर सूचना के बावजूद थाना प्रभारी ने कॉल नहीं उठाया और बाद में यह सिद्ध भी हुआ कि वे इस अपराध को संरक्षण देने के उद्देश्य से जानबूझकर अनुपलब्ध बने रहे। पुलिस ने बाद में वाहन को जब्त किया, लेकिन वास्तविकता यह है कि अपराधियों से लेन-देन कर उन्हें छोड़ दिया गया। विडंबना यह है कि जिन्होंने सूचना दी (रामजी पाण्डेय), उन्हें ही थाना बुलाकर गाली-गलौज, मारपीट, धमकी दी गई और झूठा मुकदमा लिखवाकर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद उनके मोबाइल को थाना प्रभारी द्वारा अवैध रूप से जब्त कर लिया गया, न कोई जब्ती सूची बनाई गई, न ही न्यायालय को सूचना दी गई। जब मैंने हस्तक्षेप कर सत्यता जाननी चाही और मोबाइल वापसी की मांग की तो थाना प्रभारी ने पहले झूठ बोला कि मोबाइल है ही नहीं, फिर कहा कि 'पटना से आदेश आया है', और मुझे थाने बुलाकर धमकाने की कोशिश की गई। जब मैंने स्पष्ट विरोध किया और जांच अधिकारी से संपर्क किया, तब मोबाइल को अनुसंधानकर्ता को भेजा गया। इस घटना के बाद थाना प्रभारी द्वारा अपराधियों से सांठगांठ कर गाड़ी में लदे गोवंशों को लोड़ीबांध क्षेत्र में दफना कर साक्ष्य मिटा दिए गए।

नाली का गंदा पानी बना न्यू एरिया तिलौथू के लिए अभिशाप, बारिश में गिरा गरीब का घर

निज संवाददाता | तिलौथू (रोहतास)

तिलौथू प्रखंड अंतर्गत न्यू एरिया की गलियों में विकास कार्य अब विनाश का रूप ले चुका है। जिला परिषद मद से बनी सड़क और नाली की ऊंचाई-निचाई का कोई समन्वय नहीं होने के कारण, यह अब आम जनता के लिए सिरदर्द बन गई है। नाली का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है और सीधे गरीबों के घरों में घुस रहा है, जिससे दीवारें सड़ रही हैं और स्वास्थ्य संकट गहराता जा रहा है। पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण बदबू और मच्छरों का आतंक क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि स्थानीय पौधा विक्रेता राजकुमार के घर की दीवार भारी बारिश और नाली के पानी के दबाव

से ढह गई। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना प्रशासन की लापरवाही और भ्रष्ट कार्यशैली की पोल खोलने के लिए काफी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार पंचायत और प्रखंड प्रशासन से इस समस्या को लेकर गुहार लगाई, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। आज हालात यह हैं कि नालियों का गंदा पानी घरों में घुसकर बीमारियों को न्योता दे रहा है। बच्चों और बुजुर्गों को संक्रमण का खतरा सबसे अधिक है।

प्रशासन कब जागेगा :

क्या जिला परिषद और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का दायित्व सिर्फ निर्माण कार्य शुरू कराना है, उसकी गुणवत्ता, उपयोगिता और जनता को होने वाली परेशानी से उन्हें कोई सरोकार नहीं?

जनता की मांग:

अविलंब पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए दोषी ठेकेदारों व अभियंताओं पर कार्रवाई हो क्षतिग्रस्त मकानों का मुआवजा दिया जाए क्षेत्र में फॉगिंग और सफाई अभियान चलाया जाए न्यू एरिया तिलौथू की यह समस्या एक स्थानीय संकट नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की अनदेखी और असंवेदनशीलता का जीता-जागता उदाहरण है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

कब्रिस्तान भूमि विवाद में एकतरफा कार्रवाई पर बवाल

निज संवाददाता | रोहतास (सासाराम)

दिनारा अंचल में निजी कब्रिस्तान भूमि को लेकर दो पक्षों के विवाद में सब जज प्रथम बिक्रमगंज के स्वत वाद संख्या 483/ 23 विचाराधीन के बीच अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी रोहतास के पारित आदेश के अवहेलना कर दिनारा अंचलाधिकारी व थाना का एक पक्षीय बल प्रयोग चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि दिनारा थाना अध्यक्ष का कहना है कि जनता दरबार में अंचलाधिकारी के निर्देश के बाद उक्त विवादित भूमि पर जमाबंदी के अनुसार निर्माण कार्य जारी है। जिसको शांति बहाल करने के लिए पहुंची पुलिस का वीडियो बनाया गया है। मामला मौज दिनारा थाना नंबर 109 खाता 668 खेसरा 1158 निजी कब्रिस्तान भूमि को लेकर खूनी संघर्ष से जुड़ा हुआ है। खतियानी रैयतों के उत्तराधिकारीयो का कहना है कि खतियानी रैयत कादीर साह ने अपने बीवी मसीहन को तीन डिसमिल उक्त भूमि को रजिस्टर्ड केवाला किया है, लेकिन उक्त भूमि पर कुछ भू माफिया ने जमाबंदी करा लिया है। बड़ी बात है कि सिविल न्यायालय में उक्त भूमि को लेकर मामला बीचाराधीन है फिर भी विभिन्न राजस्व न्यायालय ने अलग-अलग आदेश दिया है। अपर सम्महर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी रोहतास सासाराम ने पत्रांक 1871 दिनांक 28 दिसंबर 2024 को उक्त भूमि पर यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश पारित किया है। इसके अवहेलना कर विवादित भूमि पर निर्माण कार्य के बीच खूनी संघर्ष जारी है। मूल रैयतों के उत्तराधिकारियों का आरोप है कि दिनारा थाना तथा अंचलाधिकारी ने विपक्षी के मेल में आकर यथा स्थिति बदलने का प्रयास किया है। जिससे न्यायालय के आदेश का अवहेलना जारी है। इस संबंध में दिनारा अंचल अधिकारी को कॉल कर मैसेज किया गया लेकिन इसका जवाब देना वह मुनासिब नहीं समझे। जिससे दिनारा अंचलधिकारी के कार्य शैली पर सवाल खड़ा होने लगा है।

एसटीएफ के नेतृत्व मे विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर मील संचालक पर प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता | दिनारा / रोहतास

विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर निरंतर चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ (विशेष कार्य बल) के नेतृत्व मे प्रखंड दिनारा के धरकन्धा निवासी लाचो कुँवर पति स्व० भांगी साह के आटा चक्की परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम मे पाया गया की इनके परिसर में एक विद्युत सम्बन्ध है परन्तु उक्त उपभोक्ता द्वारा मीटर से पहले मेन सर्विस तार में तीन अतिरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी जिसके फलस्वरूप मीटर का वास्तविक खपत अवरूद्ध हो रहा था। इनके इस कृत्य से साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड पटना को 293518 रुपये राजस्व की क्षति हुई है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सोन वर्षा वाणी में विज्ञापन देकर लाभ उठाएं
9934957121

आम सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है की खाता नं. 35 प्लॉट नं. 242, एराजी 2.72 डी0 मौजा औरंगाबाद की जमीन पर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पंजाब नेशनल बैंक के शाखा रतनुआ में आपत्ति दो दिन के अंदर दर्ज करें।

संक्षिप्त समाचार

सांप काटने से 35 वर्षीय महिला की मौत

नरहट (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के जमुआरा पंचायत अंतर्गत काजीपुरा गांव में एक 35 वर्षीय महिला की मौत सांप काटने से हो गई है। मृतिका की पहचान अनिल चौधरी के 35 वर्षीय पत्नी ललिता देवी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सोमवार को करीब दो ढाई बजे दिन में महिला अपने घर से मोटर पम्प के समीप खेत में मूंग तोड़ रही थी उसी समय सांप ने काट लिया। सांप काटने की जानकारी मिलने पर स्वजन उसको किसी ओझा के पास झार फूंक कराने ले गए। बताया जाता है कि करीब चार घण्टे ओझा गुनी के चक्कर में समय बर्बाद हुआ और स्थिति खराब होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरहट में भर्ती कराया। अस्पताल के डॉक्टर विनोद कुमार ने जांच के बाद महिला को बॉडे डेथ घोषित कर दिया। मृतिका को स्वजन रात भर अपने घर में रखा और मंगलवार सुबह उसका अंतिम संस्कार किया गया। घटना की जानकारी के बाद स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतिका अपने पीछे तीन पुत्र और एक पुत्री छोड़ गई है। मीडिया लोगों से अपील करता है कि जब भी किसी को सांप काट ले तो फौरन उस व्यक्ति को सरकारी अस्पताल लेकर जाए। अस्पताल में सांप काटने के बाद उसकी उपचार की सुविधा उपलब्ध है। झार फूंक के चक्कर में समय बर्बाद नही करें। सांप काटने के बाद अधिक समय झार फूंक में गवां देने पर उसके शरीर में जहर फैल जाता है और तब मरीज को बचाना मुश्किल हो जाता है। जब भी किसी को सांप काटे तो सब से पहले उस मरीज को फौरन अस्पताल लेकर जाय और डॉक्टर की सलाह को मानें। सांप काटने पर बिना देर किए उस व्यक्ति को अस्पताल लेकर जाते हैं तो मरीज को बचाया जा सकता है।

इनोवा से शराब बरामद

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने बीते सोमवार की रात्रि को शराब लदे एक इनोवा कार को जब्त किया। शराब तस्कर भागने में सफल रहे, वहीं शराब परिवहन में संलिप्त दो होमगार्ड के जवानों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त शराब की मात्रा 8 कार्टूनों में बंद कुल 108 बोतल में रहे 72 लीटर है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि शराबबंदी को सफल बनाने में जुटे उत्पाद बलों के द्वारा झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक छोटी से लेकर बड़ी वाहनों की सघन जांच की जाती है, जिसका नेतृत्व उत्पाद एसआई राजेश कुमार पटेल कर रहे हैं। जांच के क्रम में सोमवार की रात्रि लगभग 8:30 बजे झारखंड की ओर से एक इनोवा कार को उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार ने रोका। उक्त इनोवा कार संख्या बीआर27पी3218 नवादा जा रहा था, जिसपर दो लोग सवार थे। ड्यूटी खत्म होने के बाद उत्पाद विभाग में कार्यरत एक होमगार्ड राहुल कुमार उसी इनोवा पर सवार होकर जाने लगे। इस दौरान उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार ने होमगार्ड के जवान को नीचे उतारा और इनोवा कार को जांच करने के लिए गेट खोलने को कहा। इसी बीच इनोवा कार चालक ने जांच चौकी से इनोवा कार को तेज गति से रजौली की ओर लेकर भागने लगा, इस क्रम में उत्पाद विभाग की एक ट्रॉली को टक्कर मार दी। भाग रहे इनोवा कार का पीछा उत्पाद बलों द्वारा करते हुए इनोवा कार को कुंडला मोहल्ले में जब्त कर लिया गया। हालांकि इनोवा कार में सवार रहे लोग अंधेरे का फायदा उठाकर नदी के रास्ते भागने में सफल रहे। इनोवा कार की जांच किए जाने पर उसमें प्लास्टिक के तीन बोरियों में बंद शराब पाया गया। कुंडला मोहल्ला से शराब लदी इनोवा को जांच चौकी पर लाया गया एवं तलाशी लिए जाने पर बीच वाली सीट और पीछे डिक्की में रखे तीन बोरियों में बंद कुल 8 कार्टून विदेशी शराब किया गया। जब्त शराब में 750 एमएल वाले ब्लैक 7 के 36 बोतल, रॉयल स्टेज के 24 बोतल, 8 पीएम के 12 बोतल एवं ईपीरियल ब्लू के 12 बोतल के अलावे 375 एमएल वाले आइकॉनिक व्हाइट के 36 बोतल शामिल है। जब्त शराब की कुल मात्रा 72 लीटर है। उत्पाद एसआई द्वारा होमगार्ड राहुल कुमार से पूछताछ किए जाने पर बताया गया कि उत्पाद विभाग में रह चुके होमगार्ड के साथी रंजीत कुमार द्वारा फोन करके बताया गया कि इनोवा कार से दो दोस्त शराब पीकर जांच चौकी को पार करना वाला है। जांच चौकी पर इनोवा कार को पार करवाने का जिम्मा होमगार्ड राहुल कुमार ने उठा लिया। इसी क्रम में वह इनोवा कार पर सवार होकर नवादा जाने को तैयार हो गया और जांच में होमगार्ड जवान राहुल कुमार की पोल खुल गई। होमगार्ड राहुल कुमार की निशानदेही पर होमगार्ड रंजीत कुमार को मोबाइल लोकेशन पर सोमवार की देर रात्रि में ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों ने शराब परिवहन में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। उत्पाद बल जरूरी पूछताछ के बाद अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है। जांच चौकी पर तीन शिफ्टों में पदाधिकारियों के नेतृत्व में होमगार्ड के जवानों की सहायता से सघन जांच की जाती है। वहीं ट्रकों एवं कंटेनर की जांच हेतु हैंड स्कैनर मशीन का भी उपयोग किया जाता है। शराब तस्कर जांच चौकी को बाईपास करने के लिए जंगली रास्तों का उपयोग किया करते हैं। किंतु बारिश के कारण जंगली रास्तों से शराब परिवहन किया जाना बंद पड़ गया है। इससे शराब की खेप को जांच चौकी से ले जाना नामुमकिन है।उत्पाद बलों की सूझबूझ से प्रतिदिन शराब तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। जांच चौकी पर उत्पाद विभाग में होमगार्ड राहुल कुमार ड्यूटी कर रहे थे। वहीं बीते अप्रैल माह तक होमगार्ड रंजीत कुमार जांच चौकी पर परिवहन विभाग में ड्यूटी कर रहे थे। ड्यूटी के दौरान दोनों ने रास्तों की उगाही के लिए शराब तस्करों से मेलजोल बढ़ा लिया।पैसों के लालच के चक्कर में होमगार्ड के दोनों जवान उत्पाद बलों के भेंट चढ़ गए। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जब्त शराब लदे इनोवा वाहन को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में नवादा जिले के पकरीबरावां थाना क्षेत्र के डुमरावां गांव निवासी स्व. योगेन्द्र प्रसाद सिंह के पुत्र राहुल कुमार और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजम्भा मोतनाजे गांव निवासी गोविंद प्रसाद सिंह के पुत्र रंजीत कुमार के रूप में हुई है। वहीं इनोवा कार से फरार हुए दोनों तस्करों एवं वाहन मालिक पर भी बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं गिरफ्तार लोगों को मंगलवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

मतदाता पुनरीक्षण को लेकर बैठक

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड मुख्यालय स्थित उजला भवन में दो जुलाई यानी बुधवार को जनप्रतिनिधियों व अन्य के साथ बैठक आयोजित होगी। बीडीओ सोनिया ढनढनिया कहा मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत मतदान केंद्रों के मतदाताओं का गहन पुनरीक्षण कार्य होना है। इसकी जानकारी दी जायेगी।

17 महिलाओं का हुआ बंध्याकरण

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में मंगलवार को परिवार नियोजन कार्यक्रम हुआ। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा.नवीन कुमार ने केंद्र में आये 17 महिलाओं का बंध्याकरण किये। इस मौके पर लैब टेक्नीशियन जितेन्द्र कुमार व आशुतोष कुमार ने बंध्याकरण के लिए आये महिलाओं का खून, जांच, मूत्र जांच, रक्त जांच समेत अन्य जांच किया।

कथा ज्ञान यज्ञ का आज से होगा आयोजन

नवादा (नि.सं.)। प्रखंड के नारदीगंज पंचायत के दरियापुर गांव में दस दिवसीय श्री मद भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ श्रद्धा भाव व उत्साह के साथ शुरू होगी। यह कार्यक्रम दो जुलाई 2025 से शुरु होगी। जो 11 जुलाई 2025 को हवन पूजा के साथ सम्पन्न हो जाएगी। यज्ञ व कथा को लेकर मंगलवार को श्रद्धालुओं द्वारा तैयारी का अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। कार्यक्रम का आयोजन गांव में स्थित बाबा ठाकुर स्थान में किया जायेगा। यह कार्यक्रम पंडित सुबोध पांडे, सुदीप पांडे, सुमित पांडेय, शालिग्राम पांडेय यज्ञ करा रहे हैं। वही कथावाचक के रूप में पंडित सुबोध पांडेय रहेंगे। मुख्य यजमान में विकाश कुमार व कुमकुम देवी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीण जितेन्द्र सिंह, अनिल सिंह, सीताराम सिंह, टुनटुन (संजय सिंह), विपिन सिंह, रौशन कुमार, राजीव कुमार समेत अन्य भागीदारी सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं।कहा गया यह परमपरा कई दशकों से चली रही है। बाबा ठाकुर स्थान में पूजा अर्चना करने के बाद ही ग्रामीण कृषि कार्य में लग जायेंगे।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

आगामी मुहर्रम त्यौहार को लेकर रजौली अनुमंडल सभागार में बुधवार को एक महत्वपूर्ण अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) स्वतंत्र कुमार सुमन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) गुलशन कुमार सहित सभी संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधी एवं शांति समिति के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य मुहर्रम के दौरान विधि व्यवस्था का सुदृढ़ संधारण सुनिश्चित करना और क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखना था।

एसडीओ ने की शांतिपूर्ण पर्व की अपील:

बैठक के दौरान एसडीओ स्वतंत्र कुमार सुमन ने उपस्थित सभी शांति समिति सदस्यों और मुहर्रम आयोजकों से शांतिपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की भावुक अपील की। उन्होंने कहा की निर्धारित समय एवं तयशुदा रूट पर ही ताजिया जुलूस को निकलेंगे। साथ हीं कहा कि मुहर्रम त्याग, बलिदान और भाईचारे का पर्व है, और इसे उसी भावना के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी तरह की भ्रामक जानकारी से बचने का आग्रह किया। एसडीओ ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन पर्व के दौरान किसी भी तरह की अराजकता या अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं करेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा डीजे बजाने पर पूर्णत प्रतिबंध रहेगा अगर कोई भी ताजियादार इस प्रतिबंध ध्वनि साउंड को बजाते दिखेंगे तो उनके साथ-साथ डीजे संचालक के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी, मोहर्रम जुलूस के दौरान सिर्फ लाउडस्पीकर बजाने की अनुमति रहेगी।

एसडीपीओ ने प्रतिबंधित हथियारों पर चेतावनी:

एसडीपीओ गुलशन कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से पारंपरिक लाठी-डंडे के खेल को करने की अनुमति दी, जो मुहर्रम के जुलूसों का एक अभिन्न अंग है। हालांकि, उन्होंने प्रतिबंधित हथियारों के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की कड़ी चेतावनी दी। एसडीपीओ ने कहा कि तलवार, भाला या किसी भी अन्य धारदार हथियार का सार्वजनिक प्रदर्शन पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्थानीय पुलिस को निर्देश दिए कि वे संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात करेंगे और जुलूस के मार्गों पर कड़ी निगरानी रखेंगे। उन्होंने बताया कि पूर्व से चिन्हित उपद्रवियों के ऊपर बीएनएस 126 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

गणमान्य लोगों ने दिया सहयोग का आश्वासन:

बैठक में उपस्थित अनुमंडल क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने प्रशासन को पर्व के दौरान पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति और व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। शांति समिति के सदस्यों ने विभिन्न सुझाव भी दिए, जिन पर प्रशासन ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। कुल मिलाकर, बैठक का सफल आयोजन यह दर्शाता है कि रजौली प्रशासन मुहर्रम के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में रजौली अनुमंडल क्षेत्र के गोविंदपुर प्रखंड के पूर्व प्रखंड प्रमुख चंद्रिका प्रसाद, पूर्व जिला परिषद नवादा के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अवधेश कुमार यादव, रजौली पश्चिमी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह, खनवां गांव निवासी संजय कुमार पप्पू, अकबरपुर प्रखंड के बलिया बुजुर्ग पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य पंकज पांडे, गौरव कुमार, अमित कुमार, अकबरपुर शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष कौशल पांडे, गंगटा गांव निवासी चुनचुन कुमार, कन्हैया कुमार एवं कुंदन कुमार, सतीश कुमार वर्मा, पवन सिंह, महेश कुमार समेत अनुमंडल क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुहर्रम को लेकर थाना परिसर में आयोजित किया गया शांति समिति की बैठक

निज संवाददाता | नवादा

मुहर्रम त्योहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को ले जिले के अकबरपुर थाना परिसर में रजौली एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। सदस्यों को संबोधित करते हुए सुमन ने कहा कि अकबरपुर ने पिछले कुछ दिनों में इतिहास कायम किया है। पुराने दाग को धोकर प्रशासन का भरपूर सहयोग किया है यही कारण है कि आज डीएम - एसपी को आना नहीं पड़ता। परंपरा व सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे, प्रशासन को सहयोग मिलता रहे यही लोगों से गुजारिश है। उन्होंने उपस्थित लोगों से सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश का पालन करने का अनुरोध करते हुए कहा कि डीजे के साथ अस्त्र-शस्त्र पर पूर्णतया रोक रहेगा तथा संध्या छह बजे तक हर हाल जुलूस का समापन कराने में प्रशासन का सहयोग करने का हरसंभव प्रयास किया जाय। थानाध्यक्ष संजीत राम ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता शांति सद्भाव कायम रखना होता है।

पैसों को लेकर विवाद में देवर-देवरानी ने जेठ-जेठानी को पीटा, घायल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के महियारा गांव में मंगलवार की सुबह पैसों की विवाद को लेकर देवर-देवरानी ने जेठ-जेठानी के साथ जमकर मारपीट की। इस मारपीट में घायल जेठ-जेठानी को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. सूरज कुमार ने बताया कि घायलों में महियारा गांव निवासी कृष्णदेव यादव के पुत्र सत्येंद्र कुमार यादव एवं सत्येंद्र कुमार यादव की पत्नी रिंकू देवी के रूप में हुई है। चिकित्सक ने बताया कि दोनों घायलों का इलाज कर जरूरी सुई व दवाइयां दी गई है। वहीं अस्पताल परिसर में घायल रिंकू देवी ने बताई कि बीते तीन माह पूर्व घर का बंटवारा हुआ था। बंटवारे में देवर मिथलेश यादव व देवरानी रीना देवी को परती जमीन मिला था और हमें बना हुआ घर मिला था। बंटवारे के समय हुई पंचायती में मुझे 2 लाख 75 हजार रुपए देना था। हमारे द्वारा देवर-देवरानी को 1 लाख 20 हजार रुपया दिया जा चुका है। मंगलवार की सुबह पैसों की विवाद को लेकर देवर-देवरानी एवं उसके बेटे सुजीत कुमार ने हमें अकेला पाकर झगड़ा करने लगे। इसी बीच बात बढ़ गई और वे लोग लात घूंसे और डंडे से पीटकर मुझे घायल कर दिया। वहीं मुझे बचाने आए मेरे पति और बेटी के साथ भी मारपीट किया है। पीड़ित जेठानी ने मारपीट को लेकर थाना में लिखित आवेदन देने की बात कही है। इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि मारपीट को लेकर आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर उचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अनुमंडलीय अस्पताल में मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने को लेकर मिला 20 नया बेड समेत ओटी टेबल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल को ट्रामा सेंटर का दर्जा देकर संचालित किया जा रहा है। अस्पताल में व्याप्त कमियों को दूर करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रयासरत है, ताकि अस्पताल आनेवाले लोगों को आवश्यक सुविधाएं मिल सके।मंगलवार को अनुमंडलीय अस्पताल को 20 नए मेडिकल बेड, ओटी टेबल, मैट्रेस व कई अन्य सामग्रियां विभाग के द्वारा भेजा गया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा वार्डों में पड़े खराब बेड को बदलकर उसके स्थान पर नए बेड को लगाने का कार्य किया जा रहा है। इन नए बेडों में मरीज के आवश्यकता हेतु एडजस्टमेंट की सुविधा दी गई है, जबकि पुराने वाले बेड में यह सुविधा नहीं थी। जिससे गंभीर रूप से घायल मरीजों को उठाने-बैठाने में काफी सहायता मिल सकेगी। समाजसेवी रंजीत सिंह ने बताया कि अनुमंडलीय अस्पताल को ट्रामा सेंटर बनाकर संचालित किया जा रहा है। किंतु अस्पताल में कई आधारभूत कमियां है, जिनमें अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था अहम है। गर्भवती महिलाएं अपना स्वास्थ्य जांच करवाने अस्पताल आती हैं और जब उन्हें अल्ट्रासाउंड की जरूरत पड़ती है, तो उन्हें बाजार में किसी निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर पर जाकर अपना जांच करवाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि रजौली क्षेत्र पिछड़ा हुआ है, यहां के दिहाड़ी मजदूर वर्ग समेत अन्य गरीब लोगों की सुविधा हेतु अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अनुमंडलीय अस्पताल से नवादा की दूरी लगभग 30 किलोमीटर है और रजौली से सटे तिलैया घाटी क्षेत्र भी है, जहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं घटते रहती है। ऐसे में सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को खून की सख्त जरूरत होती है। इसलिए अस्पताल में एक बल्ड बैंक भी होना चाहिए, ताकि सड़क दुर्घटना में जरूरतमंद मरीजों को ससमय खून मिल सके और उसकी जान बच सके।वहीं कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य हेतु नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाकर एनआरसी में भर्ती कराया जाना चाहिए। अस्पताल में पीकू की व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। साथ ही अस्पताल में चिकित्सक के खाली पदों को भी जल्द ही भरा जाना चाहिए। वहीं अस्पताल में पर्याप्त संख्या में कमरे खाली पड़े रहते हैं,उसके बावजूद अस्पताल के डीएस कार्यालय में ही सभी चिकित्सकों द्वारा ओपीडी में मरीजों को देखा जाता है। इससे ओपीडी में काफी भीड़ इक्कठा हो जाती है और मरीजों के साथ उनके परिजनों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इस बाबत अस्पताल के प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार ने बताया अस्पताल में मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने को लेकर मंगलवार को 20 नए आधुनिक बेड, मैट्रेस, ओटी टेबल समेत कई सामग्री अस्पताल को मिला है। इससे मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही बताया कि अस्पताल में चिकित्सकों के रिक्त पदों को लेकर वरीय पदाधिकारियों को पत्राचार भी किया गया है। वहीं अन्य व्यवस्थाओं पर भी अस्पताल प्रबंधन जल्द ही कार्रवाई करेगी ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

3 से 5 अगस्त तक पटना में होगा बिहार बिजनेस महाकुंभ 2025 का आयोजन

निज संवाददाता | पटना

बिहार एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है, लेकिन इस बार ज्ञान, संस्कृति और राजनीति नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार के मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए। 'बिहार बिजनेस महाकुंभ 2025' का आयोजन 3 से 5 अगस्त तक पटना के ज्ञान भवन में होने जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य है राज्य के स्थानीय उत्पादों और स्टार्टअप्स को वैश्विक पहचान दिलाना और बिहार को भारत के कारोबारी मानचित्र पर चमकता सितारा बनाना। उक्त जानकारी 'बिहार बिजनेस महाकुंभ 2025' के संयोजकों ने विद्यापति भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। यह आयोजन केवल एक ट्रेड फेयर नहीं, बल्कि एक सामाजिक-आर्थिक पुनर्जागरण है। इस मंच पर भागलपुरी सिल्क, मधुबनी पेंटिंग, जैविक कृषि उत्पाद, बांस-मिट्टी के शिल्प और ग्रामीण महिलाओं के बनाए उत्पाद 'Made in Bihar' टैग के साथ 'Marketed Globally' की दिशा में बढ़ेंगे। यह महाकुंभ बिहार के आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ेगा। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आईपीएस अधिकारी श्री विकास वैभव ने कहा कि बिहार अब सिर्फ श्रमदानी नहीं, बल्कि उद्यमिता और नवाचार का गढ़ बनने को तैयार है। राज्य की MSMEs, युवाओं के स्टार्टअप और महिला स्व-सहायता समूहों को वैश्विक निवेशकों के सामने लाने का यह सुनहरा अवसर है। यह आयोजन बिहार को एक 'रोजगार मांगने वाले राज्य' से 'रोजगार देने वाले राज्य' में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। इस तीन दिवसीय आयोजन में 250 से अधिक ब्रांड्स और स्टार्टअप्स हिस्सा लेंगे, जबकि 30,000 से अधिक आगंतुकों के आने की संभावना है। 'ग्लोबल एक्सपोर्ट पवेलियन', 'डिस्ट्रिक्ट इनोवेशन शोकेस', 'यूथ स्टार्टअप हॉल', 'वूमन एंटरप्राइज ज़ोन', और 'स्किल टू स्टार्टअप' जैसे ज़ोन इसे एक अद्वितीय व इनक्लूसिव कार्यक्रम बनाते हैं। नीति-निर्माताओं, राजदूतों और उद्योगपतियों की भागीदारी इसे राष्ट्रीय-से-अंतरराष्ट्रीय मंच का रूप देती है।

डॉ. विधान चंद्र राय की जयंती पर राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया गया

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

प्रखंड के पेंशनर भवन में मंगलवार को राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री, महान शिक्षाविद, प्रख्यात चिकित्सक, भारत रत्न से सम्मानित डा. विधान चंद्र राय के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित की गई। अध्यक्षता पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। सचिव श्रीकांत सिंह ने कहा के डा. विधान चंद्र राय की सेवा मानव की सच्ची सेवा के रूप में प्रसिद्ध है। इसलिए उनके जन्मदिन पर राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाया जाता है। चिकित्सक को धरती का भगवान कहा जाता है। क्योंकि वे लोग जीवन को बचाते हैं। मगर मरीजों की जिंदगी तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उन्हें समय पर चिकित्सक के पास पहुंचाया जाए। विपरीत स्थिति में चिकित्सक को गुस्सा का शिकार होना पड़ जाता है। आज का चिकित्सा क्षेत्र में लापरवाही व अधिक पैसे की कमाई की बात बन गई है। भले पेशेवर के रूप में इलाज हो रहा है।

शराब विक्रेता एवं पांच वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के घने आबादी वाले क्षेत्र पुरानी बस स्टैंड के खादी भंडार वाली गली में सोमवार की संध्या पुलिस बलों ने शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शराब विक्रेता के घर से 30 लीटर देशी महुआ शराब को बरामद किया गया। साथ ही शराब विक्रेता को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि बीते सोमवार की शाम लगभग 4:30 बजे शराब को लेकर विशेष छापेमारी हेतु थाना में पदस्थापित एएसआई संजय कुमार, एएसआई सुरेन्द्र राम व एएसआई सत्यदेव प्रसाद को सशस्त्र बलों के साथ भेजा गया। इस छापेमारी के दौरान पुरानी बस स्टैंड निवासी स्व. कैलाश चौधरी के पुत्र अजय कुमार के घर से 2.5 लीटर के प्लास्टिक के पाउच में बंद कुल 12 पाउच देशी महुआ शराब बरामद किया गया, जिसकी कुल मात्रा 30 लीटर है। साथ ही शराब विक्रेता अजय कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मामलों में फरार चल रहे पांच वारंटियों को छतनी एवं जोगनी गांव से पुलिस बलों के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटियों में छतनी गांव निवासी किशुन रविदास के पुत्र रामचंद्र रविदास और जोगनी गांव निवासी बालो रविदास के पुत्र जयराम रविदास व सरजू रविदास, चांदो रविदास के पुत्र सकल रविदास एवं कारू रविदास के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब के साथ गिरफ्तार व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं सभी गिरफ्तार लोगों को मंगलवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

कर्तव्यहीनता को नहीं करेंगे बर्दाश्त, जनता की सेवा सर्वोपरि : डॉ अनुज

निज संवाददाता | नवादा

विधानसभा में परिवर्तन को लेकर लगातार पिछले छह महीनों से पहली बार मगध क्षेत्र के ख्याति प्राप्त शिक्षाविद, समाजसेवी, जन जागृति फाउंडेशन के संयोजक अनुज सिंह के द्वारा घर - घर जाकर मतदाताओं को अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। बीते सोमवार को सदर प्रखंड अंतर्गत समाय पंचायत के सिरपतिया मुसहरी ढिबरी एवं लोहरपुरा पंचायत के बेरमी गांव में जनसंवाद किया। नवादा के विकास को लेकर चलाया जा रहे जागरूकता अभियान के द्वारा व्यवस्था परिवर्तन को लेकर वे लगातार मतदाताओं से मिलकर उन्हें जागरुक कर रहे हैं। सोमवार को लोहरपुरा पंचायत के ग्राम बेरमी में दुर्गा मंदिर में आशीर्वाद लेकर जनसंपर्क यात्रा की शुरुआत की। पहली बार चुनाव के पूर्व अपने बीच लोकप्रिय उम्मीदवार को पाकर जनता जनार्दन ने फूलों के हार से उनका भव्य स्वागत किया। जहां उन्होंने जन संवाद करते हुए कहा कि मेरा चुनावी मैदान में आने का एक ही मकसद है वह नवादा विधानसभा के समस्याओं को दूर कर यहां की जनता को मूलभूत अधिकारों को दिलाना। मैंने पिछले 30 से 40 वर्षों में यहां के राजनीति को देख रहा हूं,केवल अपने कुर्सी के लोग में जनप्रतिनिधि जनता को ठगने का काम कर रहे हैं। इसी वजह से हमारे क्षेत्र में तमाम समस्याएं देखने को मिल रही है। जनता की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य का काम नहीं। जनता को मूलभूत सुविधा किस तरह से उपलब्ध हो इसके लिए मैं हमेशा संघर्षरतरहूंगा। ग्रामीणों में से नागो सिंह, सुनील सिंह, गुड्डू कुमार सहित सैंकड़ों ग्राम वासियों ने एक मत होकर डॉ अनुज की आवाज को बुलंद करने का बीड़ा उठाया। अपने प्रति जनता के समर्थन को देखकर डॉ अनुज ने आभार व्यक्त किया। वहीं दूसरा यात्रा समाय पंचायत के सिरपतिया ढिबरी मुसहरी पहुंचा। जहां कारू मांझी,नागो मांझी, राची कुमारी के द्वारा फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। वहां ग्रामीणों में से कारु मांझी ने सभी महादलित समाज के लोगों से अनुरोध करते हुए कहा कि हम सभी को इस बार किसी के बहकावे में ना तो आना है और न ही किसी के प्रलोभन में पड़कर अपना वोट बेकार जाने देना है। डॉ अनुज के हाथों को मजबूत बनाकर अपने समाज के लोगों को अपना अधिकार दिलाना है। जनसेवक डॉ अनुज के जनसंपर्क यात्रा को सभी वर्गों के द्वारा समर्थन देखने को मिल रहा है। जनता को यह पूरा भरोसा है कि डॉ अनुज निश्चित रूप से नवादा विधानसभा क्षेत्र को विकास के रास्ते पर ले जाने का कार्य करेंगे।

ग्रामीणों ने की बेलदरिया रोड के निर्माण की मांग

निज संवाददाता | नवादा

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 36 स्थित बेलदरिया रोड की बदहाली को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीणों में गहरा रोष है। वर्षों से सड़क निर्माण की मांग करने के बावजूद जब अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी, तो स्थानीय लोग खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी यह इलाका सड़क, नाली और गली जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित जनप्रतिनिधियों जैसे नगर परिषद अध्यक्ष, क्षेत्रीय विधायक और सांसद तक अपनी बात पहुंचाई, लेकिन बार-बार आश्वासन के सिवाय उन्हें कुछ नहीं मिला। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अब यह समझ में नहीं आ रहा है कि वे आखिर किससे उम्मीद करें। प्रशासनिक उदासीनता और राजनैतिक अनदेखी ने इलाके को विकास से कोसों दूर कर दिया है। ग्रामीण देवेंद्र कुमार, नीरज कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पिंटू कुमार, मनीष कुमार, विपुल कुमार, महेंद्र झा, रविशंकर, राहुल, राजाराम कुमार आदि ने सामूहिक रूप से मांग की है कि बेलदरिया रोड का जल्द से जल्द निर्माण कराया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को वर्षा के दिनों में कीचड़ और बदहाल रास्तों से जूझना न पड़े।

संक्षिप्त समाचार

एक ट्रक के कारण तीन वर्षों से लग रहा है जाम

कोईलवर। गीधा औद्योगिक क्षेत्र में अंडरपास के नीचे पिछले तीन साल से खड़ा एक जब्त ट्रक प्रशासनिक लापरवाही की हद हो गई । यह ट्रक बालू से लदा हुआ है। इसकी वजह से अंडरपास की संकरी सड़क पर हर दिन जाम लगता है। यह सड़क गीधा इंडस्ट्रियल एरिया को बीरमपुर, महकमपुर, डुमरिया, खेसरहीया और केशवपुर जैसे दर्जनों गांवों से जोड़ती है। कोईलवर और बड़हरा प्रखंड को जोड़ने वाली यह सड़क ग्रामीण इलाकों की लाइफ-लाइन मानी जाती है। इसी रास्ते से इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियों के भारी गैस टैंकर भी गुजरते हैं। लेकिन अंडरपास के नीचे खड़े ट्रक के कारण दिनभर ट्रैफिक फंसा रहता है। ट्रक की हालत अब जर्जर हो चुकी है। टायर पंक्चर हैं। बॉडी पर जंग लग चुका है। धीरे-धीरे यह ट्रक कबाड़ बनता जा रहा है। गीधा थाना की थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने कहा, कि ट्रक जल्द हटाया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी मंटू कुमार ने कहा, कि हाइड्रोलिक मशीन अंदर नहीं जा सकती। रिकवरी मशीन की जरूरत है। जैसे ही मशीन मिलेगी, ट्रक हटेगा। लेकिन पिछले तीन साल से यही बातें दोहराई जा रही हैं। दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। बरसात में अंडरपास में भरता पानी, सड़क पर फिसलन बजरंग दल के जिला सह-संयोजक ऋतिक ओझा ने कहा, यह ट्रक अब अफसरों की बेरुखी और जनता की परेशानी का प्रतीक बन गया है। पूर्व उप प्रमुख शशिकांत त्रिपाठी ने बताया, बरसात में अंडरपास में पानी भर जाता है। सड़क पर फिसलन बढ़ जाती है। कई बार बाइक सवार गिर चुके हैं। यह ट्रक अब सिर्फ अड़चन नहीं, खतरा बन चुका है। फिलहाल, ग्रामीणों और यात्रियों का यही सवाल है कि आखिर यह ट्रक कब हटेगा? क्या प्रशासन की कोई ठोस मंशा है? या फिर यह ट्रक गीधा औद्योगिक क्षेत्र में अंडरपास की नियति बन चुका है?

सरैंया पीएसएस से आज 4 घंटे बिजली बंद रहेगी

आरा| सरैंया पावर सब स्टेशन से जुड़े इलाकों में आज मंगलवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। मंगलवार को दोपहर 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक लाइन मेंटेनेंस का काम होगा। इस दौरान चार घंटे तक बिजली नहीं रहेगी। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मेंटेनेंस के कारण जगवलिया, पिरौटा, जयपाल पिपरा, यादोपुर, सभी डुमरा गांव, बड़की सनदिया, छोटकी सनदिया, रतनपुर, चकिया, रामदेव छपरा, बभनौली, निर्मलपुर, सैदपुर और सारंगपुर में बिजली बंद रहेगी। इसके अलावा महुली, बलुआ, अम्मा, बखरिया, धोबहा, बसंतपुर, भदैया, कड़ारी, कड़रा, डेवढ़ी, शुकुलपुरा, धुरौंधा, हेमतपुर, बाघीपाकड़, सरैया, गुंडी, सिन्हा, बाभनगवा, सोहरा, जगतपुर, हेटमपुर और मुबाकपुर समेत अन्य गांव भी प्रभावित रहेंगे। अधिकारियों ने कहा कि मेंटेनेंस कार्य के बाद आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

टाउन स्कूल में प्रधानाध्यापिका के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित

आरा। टाउन उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को प्रधानाध्यापिका उमा कुमारी के सम्मान में विदाई समारोह हुआ। विद्यालय परिवार ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में गया शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य जीवन कुमार मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शिक्षा पदाधिकारी अहसन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) रमेश कुमार पाल और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (सर्व शिक्षा अभियान) चंदन प्रभाकर मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र और बुके देकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक आनंद किशोर सिंह ने की। मंच संचालन डॉ. प्रबोध कुमार मिश्रा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सैयद रफत इमाम ने दिया। वीणा कुमारी ने सम्मान-पत्र का वाचन किया। समारोह में सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने उमा कुमारी को सम्मानपूर्वक विदाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक राजीव पासवान, इसरार अहमद, ब्रजेश चंद्र त्रिपाठी, आशीष उपाध्याय, डॉ. रिचा भारद्वाज, डॉ. सुभाष कुमार और रियाज अहमद की अहम भूमिका रही। एमएलसी जीवन कुमार ने कहा कि उमा कुमारी ने कठिन हालात में शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान दिया। वे कुशल प्रशासक रहीं। विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके जाने से विद्यालय को एक अनुभवी मार्गदर्शक की कमी खलेगी। विदाई समारोह में उमा कुमारी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि यह पल उनके लिए खुशी और गम दोनों लेकर आया है। विद्यालय परिवार का आभार जताया। कहा कि वे हमेशा छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती रहीं। भविष्य में भी शिक्षा से जुड़ी रहेंगी। वरिष्ठ शिक्षक आनंद किशोर सिंह ने कहा कि उनके कार्यकाल में विद्यालय में कई विकास कार्य हुए। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों को हमेशा प्रोत्साहित किया। उनके प्रयासों से विद्यालय का माहौल बदला।

27 भूमिहीनों को मिला जमीन का पर्चा, एमएलसी ने बांटा

गड़हनी। प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को बसेरा-2 योजना के तहत 27 भूमिहीनों को जमीन का बासगीत पर्चा दिया गया। कार्यक्रम डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत हुआ। पर्चा एमएलसी श्रीभगवान कुशवाहा, बीडीओ अर्चना कुमारी और सीओ दीपा कुमारी ने सौंपा। पर्चा मिलने के बाद लाभुकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद दिया। एमएलसी ने कहा, मुख्यमंत्री का लक्ष्य है कि हर भूमिहीन गरीब को जमीन देकर आवास दिया जाए। बीडीओ को निर्देश दिया गया कि जमीन मिलने के बाद लाभुकों को आवास, शौचालय और नल-जल की सुविधा जल्द दी जाए।

आज से तत्काल टिकट के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य

आरा| रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। यह नई व्यवस्था 1 जुलाई से लागू होगी। अब आईआरसीटीसी एप या वेबसाइट से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आधार प्रमाणीकरण जरूरी होगा। इसके बाद 15 जुलाई से ओटीपी आधारित आधार प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा। 15 जुलाई से रेलवे के सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण काउंटर, पीआरएस काउंटर और अधिकृत एजेंटों के जरिए तत्काल टिकट बुकिंग के लिए भी ओटीपी प्रमाणीकरण जरूरी होगा। यह ओटीपी उस मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा, जो टिकट बुकिंग के समय उपयोगकर्ता द्वारा दर्ज किया जाएगा। रेलवे ने अधिकृत टिकट एजेंटों के लिए भी समय सीमा तय कर दी है। अब वे वातानुकूलित श्रेणियों के तत्काल टिकट सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे तक और गैर-वातानुकूलित श्रेणियों के टिकट सुबह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक बुक नहीं कर सकेंगे। यह नियम भी 15 जुलाई से लागू होगा।

माई-बहिन मान योजना के लिए होगा संवाद

बक्सर। युवा कांग्रेस के तत्वावधान में सोमवार को अर्जुनपुर पंचायत के अर्जुनपुर गांव में "शक्ति संवाद" नामक ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात कुमार ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बिहार युवा कांग्रेस के प्रभारी मोहम्मद शाहिद और प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने 'माई बहिन मान योजना' पर विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण पहल है। वक्ताओं ने 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' का नारा बुलंद करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार लोकतंत्र से डर रही है, इसलिए मतदाता सूची में जानबूझकर छेड़छाड़ की जा रही है।

सेवानिवृत्त नर्स अधीक्षिका को दी गई विदाई

बक्सर| सदर अस्पताल में कार्यरत नर्स अधीक्षिका आभा श्रीवास्तव की सेवानिवृत्ति पर उन्हें समारोह पूर्वक विदाई दी गई। वह ग्रेड वन नर्स थीं। सोमवार को अपनी सेवाकाल पूरी की। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आरके गुप्ता ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा कर्म है। मानव की सेवा के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र सबसे मुफीद है। नर्स अपनी पूरी सेवाकाल मरीजों की सेवा में लगा देते हैं। नर्स का कार्य चुनौतियां से भरा होता है। सेवानिवृत्त नर्स अधीक्षिका ने अनुभवों को साझा किया। मौके पर डॉ. संजय सिंह, अस्पताल प्रबंधक दुष्यंत सिंह, पिंकी कुमारी, चांदनी कुमारी, स्मिता सिन्हा, प्रीति कुमारी, कुसुम कुमारी आदि थे।

बक्सर में विदेश में नौकरी का झांसा देकर 70 हजार की ठगी

निज संवाददाता | बक्सर

♦ बक्सर में कारपेंटर से वसूले पैसे, टिकट कैंसिल कर फरार हुआ एजेंट

बक्सर में एक बार फिर विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित श्रीकांत सिंह ने मुफस्सिल थाना में आवेदन देकर आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामला जिले के सोंधीला गांव निवासी श्रीकांत सिंह से जुड़ा है, जो पेशे से एक कारपेंटर है। पीड़ित श्रीकांत सिंह के अनुसार, मोतिहारी निवासी पप्पू पांडेय नामक व्यक्ति ने बिहिया में एक ऑफिस खोल रखा था, जहां से वह बेरोजगार युवाओं को विदेश खासकर तुर्क में नौकरी दिलाने का झांसा देता था। श्रीकांत ने बताया कि पप्पू पांडेय ने तुर्क में काम पर भेजने के नाम पर 70 हजार रुपए की मांग की थी। यह राशि श्रीकांत ने पत्नी राजमुनी देवी के खाते से 3 किश्तों में ऑनलाइन ट्रांसफर की। उन्होंने 14 अप्रैल को 10,000 रुपए, 1 मई को 40,000 रुपए, और 3 जून को 20,000 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए।

7 जून को रद्द कर दिया टिकटः इन भुगतान के बाद आरोपी ने टिकट और वीजा भी उपलब्ध कराया। तय तारीख 14 जून को फ्लाइट थी, लेकिन इससे पहले 7 जून को अचानक उसका टिकट रद्द कर दिया गया। जब श्रीकांत अन्य युवकों के साथ बिहिया स्थित ऑफिस पहुंचे, तो पाया कि ऑफिस बंद था और वहां सभी व्यक्ति गायब थे। इसके बाद पप्पू पांडेय का मोबाइल भी बंद मिला।

आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांगः श्रीकांत ने आज पहले साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन वहां से उसे स्थानीय मुफस्सिल थाना भेजा गया। मंगलवार को उसने वहां आवेदन देकर FIR दर्ज कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

FIR दर्ज, मामले की जांच जारीः इस पूरे मामले को लेकर जब मुफस्सिल थानाध्यक्ष शुभ भगत से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा, "पीड़ित का आवेदन प्राप्त हुआ है। जल्द ही FIR दर्ज कर मामले की गहराई से जांच की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।" विदेश में नौकरी की आस में बेरोजगार युवाओं को ठगने वाले ऐसे गिरोहों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बक्सर के सिमरी प्लस टू स्कूल में एमएलसी की बैठक

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर के सिमरी प्लस टू मॉडल उच्च विद्यालय में मंगलवार को शिक्षक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान पार्षद जीवन कुमार का आगमन हुआ। विद्यालय के शिक्षकों ने संघ वस्त्र और फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। एमएलसी जीवन कुमार ने शिक्षकों से संवाद किया। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को सुना। शिक्षकों की मांगों को सरकार के सामने रखने का आश्वासन दिया। एमएलसी ने कहा कि वर्तमान में शिक्षकों का सम्मान कम हो रहा है। उन्होंने समाज की समस्याओं के समाधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। शिक्षकों के स्थानांतरण अब प्राथमिकता के आधार पर हो रहे हैं। जर्जर विद्यालय भवनों की समस्या को भी सरकार के सामने रखा गया है। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार ने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में एमएलसी के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अरुण कुमार तिवारी, राजेंद्र सिंह, सत्यम चौबे, नरेंद्र कुमार, सीमा ओझा, अवधेश कुमार, डॉ मनीष कुमार, राजेश कुमार, बालाजी पांडे, दिनेश तिवारी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

चौसा में मतदाता सूची अपडेट का काम शुरू

निज संवाददाता | बक्सर

♦ बीएलओ घर-घर जाकर बांट रहे गणना प्रपत्र, 26 जुलाई तक चलेगा अभियान

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बक्सर जिले के चौसा प्रखंड में मतदाता सूची को अपडेट करने का कार्य शुरू हो गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 कार्यक्रम के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। बीएलओ प्रत्येक घर में गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। वे मतदाताओं से आवश्यक सूचनाएं एकत्रित कर रहे हैं। प्रपत्र में 11 प्रकार के दस्तावेजों में से किसी एक को प्रमाण के तौर पर संलग्न करना अनिवार्य है। मतदाताओं को प्रपत्र भरने के लिए तीन दिन का समय दिया जा रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार के अनुसार यह विशेष अभियान 25 जून से 26 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। साथ ही मृत, अयोग्य या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। चौसा के सभी नौ पंचायत और नगर पंचायत में बीएलओ घर-घर पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने मतदाताओं से इस अभियान में सहयोग की अपील की है। मतदाताओं से आग्रह किया गया है कि वे गणना प्रपत्र को सावधानी से भरें और सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न करें।

750 वोट से बेबी बनीं उपमुख्य पार्षद

निज संवाददाता | बक्सर

नगरपालिका उपचुनाव में बेबी देवी ने अपने निकटतम उम्मीदवार सोनी देवी को 750 वोटों से शिकस्त देकर उपमुख्य पार्षद के पद पर जीत हासिल की। बता दें कि उन्हें ईवीएम और ई-वोटिंग के माध्यम से कुल 9877 मत मिले। सोनी देवी 9127 मत पाकर दूसरे स्थान पर रही। तीसरे स्थान पर रही संजू देवी को 4770 वोट मिले। अंजलि देवी को 4613 मत प्राप्त कर चौथे और मनीषा चौधरी 1800 मत प्राप्त कर पांचवें स्थान पर रहीं। निर्वाची पदाधिकारी सह सदर एसडीओ अविनाश कुमार ने बताया कि नगरपालिका उपचुनाव में कुल 34193 वोट पड़े। इसमें ईवीएम से 26996 और ई-वोटिंग के माध्यम से 7197 वोट डाले गये। बाजार समिति परिसर में नगरपालिका उपचुनाव की मतगणना काफी धीमी गति से चली। इस बारे में निर्वाची पदाधिकारी सह सदर एसडीओ ने बताया कि सर्वर स्लो होने के चलते शुरुआती दौर में मतगणना कार्य में परेशानी हुई। दिन के करीब 12 बजे के बाद सर्वर सही हो गया, उसके बाद मतगणना कार्य गति पकड़ ली। सुबह आठ बजे से बाजार समिति परिसर में नगरपालिका उपचुनाव में पड़े वोटों की गणना शुरू हुई। दिन चढ़ने के साथ ही मतगणना स्थल पर समर्थकों की भीड़ बढ़ने लगी। लगभग शाम पांच बजे जैसे ही उप मुख्य पार्षद पद का नतीजा बेबी देवी के पक्ष में आया तो समर्थक हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए अबीर-गुलाल उड़ाने लगे। मौके पर बेबी देवी के प्रतिनिधि सुनील मिश्रा ने कहा कि अब जाकर नगर परिषद में जनता की सरकार बनी है। भ्रष्टाचार का का बोलबाला बंद होगा और जनता के हित में काम होगा।

बक्सर| नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 20 में रिक्त हुए पार्षद पद के लिए हुए चुनाव में हिना परवीन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपना देवी को 69 मतों से मात दी। बता दें कि हिना परवीन को कुल 638 मत मिले, वहीं 559 मत पाकर सपना देवी दूसरे स्थान पर रहीं। जबकि, किरण देवी को महज 110 मत प्राप्त हुए। मौके पर हिना के प्रतिनिधि सिड्डू ने कहा कि हमें हराने के लिए धन और बल का खूब इस्तेमाल किया गया, लेकिन जनता वैसे लोगों के छलावे में नहीं आई।

सपना को 69 मतों से हरा हिना बनीं पार्षदः अधूरे कार्यों को पूरा करूंगी मेरी नहीं, यह जनता की जीत है। जनता ने एक बार फिर मेरी दिवंगत मां पूर्व पार्षद मेहरून खातून के काम पर भरोसा करते हुए हमें जिम्मेवारी सौंपी है। उनके कार्यकाल में जो भी विकास कार्य अधूरा रह गया है, उसे पूरा करूंगी।

शादी का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

♦ बक्सर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, नकदी और दस्तावेज बरामद

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नकद राशि, दस्तावेज, मोबाइल फोन और शादी से संबंधित सामान बरामद हुआ है।मामला राजस्थान के ब्यावर जिले के निवासी अशोक कुमार की शिकायत से सामने आया। अशोक ने नगर थानाध्यक्ष को बताया कि गुड़िया मिश्रा ने शादी के नाम पर उनसे दो लाख रुपए ठग लिए। एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर सदर एसडीपीओ धीरज कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने गुड़िया मिश्रा उर्फ संगीता देवी, प्रमोद दूबे उर्फ दारा और पार्वती कुमारी उर्फ प्रिया पांडेय उर्फ खुशबू को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी दूसरे राज्यों के लोगों को कई लड़कियों की तस्वीरें दिखाते थे। शादी की बात पक्की होने पर गहने और तैयारी के नाम पर पैसे लेकर फरार हो जाते थे। प्रमोद दुबे ने पुलिस को बताया कि राजस्थान के लोग बिहार की लड़कियों से शादी करने को तैयार रहते हैं। इसी का फायदा उठाकर वह और उसकी पत्नी गुड़िया मिश्रा लोगों को ठगते थे। पार्वती कुमारी गिरोह की सदस्य थी, जिसकी तस्वीरें दिखाई जाती थीं। गिरोह ने ऐसी कई वारदातें की हैं।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने बरामद की सामानः 1,42,000 रुपए नगद, 21 लोगों के आधार कार्ड, 1 पैन कार्ड, 4 स्मार्टफोन, 4 साड़ियां, अग्रिम कार्रवाई जारी, गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाशनगर थाना में विधिवत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान कर रही है और जल्द ही उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने जनता से अपील की है कि वे ऐसे झांसे में न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

भोजपुर में 4 घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर के सरैया पावर सब स्टेशन से चार घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। आज एक जुलाई दिन मंगलवार की सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। कनीय अभियंता ने बताया कि सरैंया PSS में मेंटेनेंस के साथ अन्य आवश्यक काम को लेकर विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी । साथ ही इस क्षेत्र के सभी पोल व जर्जर तार की भी मरम्मती की जाएगी। ताकि बिजली उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न नहीं हो। इसके लिए सभी बिजली उपभोक्ताओं से सूचना देकर अपील की गई है कि बिजली से जुड़े काम को समय से पहले निपटा लें। क्योंकि शहर के इन इलाकों में बिजली नहीं रहेगी ।

जल्द आपूर्ति बहाल करने की होगी कोशिशः भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए होने वाली परेशानी को लेकर खेद प्रकट किया गया है। जेई ने कहा कि काम खत्म होने के साथ जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जाएगी । जगवलिया, पिरौटा, जयपाल पिपरा, यादोपुर, सभी डुमरा गांव, बड़की सनदिया, छोटकी सनदिया, रतनपुर, चकिया, रामदेव छपरा, बभनौली, निर्मलपुर, सैदपुर, और सारंगपुर,महुली, बलुआ, अम्मा, बखरिया, धोबहा, बसंतपुर, भदैया, कड़ारी, कड़रा, डेवढ़ी, शुकुलपुरा धुरौंधा, हेमतपुर, बाघीपाकड़. सरैया, गुंडी, सिन्हा, बाभनगवा, सोहरा, जगतपुर, हेटमपुर, मुबाकपुर, व अन्य क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी ।

भोजपुर में लूटपाट करने वाले 3 लुटेरे गिरफ्तार

♦ कपड़ा बेचने वाले से की थी मारपीट, मोबाइल-नकदी लेकर हो गए थे फरार

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर के सहार थाना पुलिस ने कपड़ा विक्रेता से लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को धर दबोचा है। तीनों बदमाशों की गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के पेरहाप बढ़ईया टोला के पास से हो सकी। गिरफ्तार बदमाशों में सहार थाना क्षेत्र के अनुआ गांव निवासी अंकित कुमार, पतरिया गांव निवासी छोटू कुमार व नारायणपुर थाना क्षेत्र के वरुणा गांव निवासी सौरभ उर्फ नवीन कुमार शामिल है। पुलिस ने पकड़े गए सदस्यों के पास से छीना गया एक मोबाइल और बारह सौ रुपए नकद बरामद किया गया है। एसपी राज ने जानकारी दी है। पटना जिला के पाली प्रखंड के नीरखपुर गांव निवासी आजाद कुमार कपड़ा फेरी का काम करते हैं। वे रविवार को फेरी करने के लिए सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोपती बाजार के लिए निकले थे। घूम-घूम कर फेरी करने क्रम में जब वे आटो से सहार थाना क्षेत्र के पेरहाप बढ़ईया टोला से कुछ आगे पहुंचे, तभी एक बाइक पर तीन बदमाश मारपीट करने लगे। उनके पास से मोबाइल,नकदी और गले में रहे सोने के लॉकेट छीन लिया था।

पुलिस ने तीनों बदमाशों को धर दबोचाः बाद में ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने तीनों बदमाशों को धर दबोचा। इसे लेकर पीड़ित आजाद कुमार ने सहार थाना में तीन के खिलाफ प्राथमिकी कराई गई है। इधर, इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि पतरिया निवासी छोटू कुमार पर पहले से भी बाइक चोरी का मामला है। थानाध्यक्ष के अनुसार घटना के महज दो घंटे के अंदर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही छीना गया मोबाइल और बारह सौ रुपए नकद को भी बरामद कर लिया गया।

चुनावकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

निज संवाददाता | बक्सर

सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–डीएम डॉ. विद्या नन्द सिंह ने बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ राजपुर विधानसभा अंतर्गत प्रखंड कार्यालय इटाढी के सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान बीएलओ को निर्देश दिया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान डोर-टू-डोर भ्रमण कर निर्वाचकों को गणना फॉर्म वितरित करेंगे एवं प्रक्रिया से अवगत कराएंगे। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा दिनांक-01 जुलाई 2025 की अर्हता तिथि को दृष्टिगत रखते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। जिसमें 25 जून 2025 से 26 जुलाई 2025 तक ईआरओ को सभी मौजूदा मतदाताओं के लिए पूर्व-भरे हुए प्रपत्र (डुप्लीकेट में) मुद्रित करना होगा तथा उसे संबंधित बीएलओ को देना होगा। ईआरओ द्वारा बीएलओ को पुनरीक्षण कार्य के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। बीएलओ को घर-घर जाकर सभी मौजूदा मतदाताओं को डुप्लीकेट प्रपत्र वितरित कराना। बीएलओ द्वारा आम जनों को प्रपत्र भरने के संबंध में मार्गदर्शन देना बीएलओ जनता से आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रपत्र एकत्र करेंगे अथवा जनता भीप्रपत्र और दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। 25 जून से 26 जुलाई तक मतदान केन्द्रों का रेशनलाइजेशन/पुनर्व्य वस्थापन तथा खंड/भाग की सीमाओं के प्रस्तावित पुनर्गठन को अंतिम रूप देना, मतदान केन्द्रों का स्थान तथा मतदान केन्द्रों की सूची का अनुमोदन प्राप्त करना है। 27 जुलाई से 31 जुलाई तक कंट्रोल टेबल को अद्यतन करना एवं जिन मौजूदा मतदाताओं ने प्रपत्र जमा किया हो, उनका प्रारूप तैयार करना।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने जेवर चोरी कांड का किया उद्भेदन,6गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। पुलिस ने बीते 15 जून को मलाही थानाक्षेत्र के मलाही बाजार में हुए जेवर चोरी कांड का सफल उद्भेदन करते छह अभियुक्तो को गिरफ्तार किया है। मलाही बाजार निवासी रत्नेश कुमार ने बीते दिनो अपने घर से गहना चोरी होने के संबंध में लिखित आवेदन पुलिस को दिया था।उक्त आवेदन के आलोक में एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान करते हुए इस कांड में चोरी की गई जेवरो का गला हुए रूप तथा कुछ नव निर्मित रूप में बरामद करते हुए 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तो की पहचान संदीप कुमार पिता राधा मोहन साह थाना मलाही,किशन कुमार उर्फ भोला,पिता अरविन्द राम थाना मलाही,नितेश कुमार नीधि, पिता हरिन्द्र सहनी थाना-मलाही,दुर्गेश कुमार पिता राजकिशोर ठाकुर,थाना मलाही, सुदामा शुक्ल, पिता श्रीनारायण शुक्ल थाना मुफस्सिल व विनय कुमार (जोहरी), पिता तारकेश्वर साह,रानी पकड़ी, थाना मुफस्सिल सभी जिला-पूर्वी चम्पारण के रूप में हुई है।पुलिस ने इनके पास से चाँदी 01 सेट पायल 02 पीस बिछिया,3.5 मिलीग्राम एक सोने का गोल टुकड़ा,ढोलना-02 पीस वजन 2.76 ग्रा०,जेन्टस अंगुठी 4.47 ग्राम,लेडिज अंगुठी 1.99 ग्राम, हार 02 पीस 17.01 ग्राम, मंगलसूत्र 02 पीस (3.58 ग्राम),नथिया 02 पीस (7.14 ग्रा०),टीका 02 पीस (5.45 ग्राम),झाली 02 जोड़ा (4.07 ग्रा०), कुल सोना 49.680 ग्राम बरामद किया है।पकड़े गये सभी अभियुक्तो के विरूद्ध अग्रतर कारवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में डीएसपी रंजन कुमार के अलावे अरेराज सर्किल इंस्पेक्टर पी.के सामर्थ,अवर निरीक्षक रत्नेश्वर कुमार सिंह,एएसआई अरविन्द कुमार यादव व मलाही थाना के सशस्त्र बल व चौकीदार शामिल थे।

90 की रफ्तार से चला रहा था बाइक पेड़ में मार दी टक्कर, छात्र की मौत

मुंगेर। पूरबसराय में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। आरडी एंड डीजे कॉलेज से बीए का सर्टिफिकेट लेकर शंकरपुर गांव लौट रहे तीन छात्रों की बाइक बांक रोड के पास पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहे 20 वर्षीय पवन कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूरज कुमार गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। तीसरा छात्र गोलू कुमार भी घायल हुआ है। पवन कुमार शंकरपुर गांव का रहने वाला था। वह तीन भाई और तीन बहनों में दूसरे नंबर पर था। हादसे की खबर मिलते ही परिजन सहित ग्रामीणों की भीड़ पोस्टमार्टम हाउस के बाहर जुट गई। कोतवाली थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक की रफ्तार करीब 90 किलोमीटर प्रति घंटा थी। बाइक पर तीन लोग सवार थे। किसी ने हेलमेट नहीं पहना था। बाइक असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। स्थानीय लोगों और परिजनों ने घायलों को मुंगेर सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद पवन और सूरज को हायर सेंटर रेफर किया। इलाज के दौरान पवन कुमार की मौत हो गई।

स्कूलों में डेंगू आधारित क्विज और लेखन प्रतियोगिता होगी

मुंगेर। स्वास्थ्य विभाग जुलाई को एंटी डेंगू माह के रूप में मनाएगा। पूरे महीने डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलेगा। जिला वैक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी सह जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. राम प्रवेश प्रसाद ने जिले के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को पत्र भेजा है। अभियान के दौरान मच्छर प्रजनन वाले स्थलों की पहचान कर रोकथाम के उपाय बताए जाएंगे। लोगों को दिन में मच्छर से बचाव के तरीके समझाए जाएंगे। पानी की टंकी और घरों में जमा साफ पानी के बर्तनों को ढक कर रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कूलर, घर के आसपास गड्ढों और जमा पानी को हटाने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। विद्यालयों में डेंगू पर आधारित क्विज और लेखन जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी। जगह-जगह बैनर लगाए जाएंगे। पंपलेट बांटकर लोगों को जानकारी दी जाएगी। आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और जीविका दीदियों के माध्यम से लोगों को डेंगू से बचाव की जानकारी दी जाएगी। पंकज कुमार प्रणय ने बताया कि कम मात्रा में एंटी लार्वा साइट व 13 फागिंग मशीन फिलहाल उपलब्ध है।

स्नातक के लिए अब तक 39941 ने किया आवेदन

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के 33 अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों में स्नातक सेमेस्टर-1 सत्र 2025-29 में नामांकन के लिए आवेदन की प्रक्रिया दोबारा 26 जून से दोबारा शुरू हुई थी। विद्यार्थियों को 30 जून तक आवेदन का अंतिम मौका दिया गया था। यह प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो गई। नामांकन समिति पदाधिकारी सह डीएसडब्ल्यू प्रो. देवराज सुमन ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अंतिम तिथि तक कुल 39,941 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इनमें कला संकाय में 34,000, विज्ञान संकाय में 5,566 और वाणिज्य संकाय में 375 विद्यार्थियों ने नामांकन के लिए आवेदन किया है। प्रो. सुमन ने बताया कि अब आवेदनों की स्क्रूटनी शुरू होगी। इसके बाद पहली मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। मेरिट लिस्ट के आधार पर विद्यार्थी चयनित कॉलेज में नामांकन लेंगे। इसके लिए सूचना स्क्रूटनी के बाद जारी की जाएगी।

मुंगेर विश्वविद्यालय ने एलएलबी के तीनों सेमेस्टर का रिजल्ट किया जारी

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय ने विश्वनाथ सिंह लॉ कॉलेज के एलएलबी सत्र 2024-27 सेमेस्टर-1, सत्र 2023-26 सेमेस्टर-3 और सत्र 2022-25 सेमेस्टर-5 का रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमर कुमार ने बताया कि सेमेस्टर-1 में 178 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इनमें 159 पास हुए। 19 फेल हो गए। सेमेस्टर-3 में 173 में से 168 पास हुए। 5 फेल हुए। सेमेस्टर-5 में 156 में से 154 पास हुए। 2 फेल हुए। रिजल्ट को टीआर कॉलेज को भेजा गया है। रिजल्ट की वेब कॉपी पोर्टल पर अपलोड की जा रही है। छात्र वहीं से रिजल्ट देख सकते हैं।

रंगदारी नहीं देने पर किसान को बंदूक के बट से पीटा

मुंगेर। शामपुर थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में पुश्तैनी जमीन की जोत करने पहुंचे किसान से दबंगों ने 8 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। विरोध करने पर किसान को लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से पीटा गया। जाते समय बंदूक की बट से सिर पर वार कर घायल कर दिया। घायल किसान को परिजन हवेली खड़गपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से गंभीर हालत में मुंगेर सदर अस्पताल रेफर किया गया। घायल किसान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मय दरियापुर गांव निवासी योगेन्द्र चौधरी का 40 वर्षीय पुत्र गुड्डू चौधरी है। पीड़ित परिवार ने शामपुर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस जांच में जुटी है। गुड्डू ने बताया कि वह अपने परिजनों के साथ पुश्तैनी जमीन की जोत करने मानपुर गांव गया था। शामपुर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। जांच की जा रही है।

नेशनल असेसमेंट को लेकर किया आवेदन

मुंगेर। जिले के 10 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर ने इन्क्वास सर्टिफिकेशन के लिए नेशनल असेसमेंट को लेकर आवेदन किया है। सभी सेंटर पहले ही स्टेट असेसमेंट क्वालिफाई कर चुके हैं। सिविल सर्जन डॉ. रामप्रवेश ने सभी को तैयारी के निर्देश दिए हैं। डीपीएम मो. फैजान आलम अशरफी ने बताया कि चड़ौन, बिहमा, खैरा, कुमरसार, इंदरुख पूर्वी-पश्चिमी, कल्याणपुर नीरपुर, मंझगांव, महगामा और खरिया पूर्व के एचडब्ल्यूसी स्टेट लेवल पर पास हो चुके हैं। अब साक्षी एप से सभी इंडिकेटर पर काम हो रहा है। चेकलिस्ट ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड की जा रही है। अनुमंडल अस्पताल तारापुर लक्ष्य में स्टेट क्वालिफाई कर चुका है। सदर अस्पताल का स्टेट असेसमेंट हो चुका है, रिजल्ट बाकी है। वहीं हसनपुर, कल्याणपुर करहरिया, कहुआ संग्रामपुर और लाल दरवाजा शहरी पीएचसी ने नेशनल सर्टिफिकेट हासिल कर लिया है।

डीजल चोरी करन के दौरान ट्रक से कुचला युवक

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में ट्रक से कुचलने के कारण एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना लोदीपुर थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास का है। घायल की पहचान मुंगेर जिला के तारापुर के रहने वाले 19 साल के दिलखुश कुमार के रूप में हुई है। आरोप है कि दिलखुश पहले से खड़े ट्रक में से डीजल चोरी की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान वो ट्रक से कुचला गया। जानकारी के अनुसार, दिलखुश ट्रक के नीचे घुसकर डीजल चोरी कर रहा था। इसी दौरान ट्रक का ड्राइवर चाय पीकर वापस आया और ट्रक स्टार्ट कर जाने लगा। इसी दौरान नीचे मौजूद दिलखुश पर ट्रक का एक पहिया चढ़ गया। जब दिलखुश ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों ने देखा और मशक्कत के बाद दिलखुश को ट्रक के पहिए के नीचे से निकाला गया। बताया जा रहा है कि दिलखुश के कमर पर ट्रक का पहिया चढ़ा था, उसका प्राइवेट पार्ट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

मायागंज में दिलखुश का इलाज चल रहा है: घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची लोदीपुर पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल में घायल ने अपने बड़े भाई का नंबर दिया, जिसके बाद उसके भाई को फोन कर घटना की जानकारी दी गई। फिलहाल, घायल के परिवार से कोई भी मायागंज अस्पताल नहीं पहुंचा है। बड़े भाई के मोबाइल नंबर पर भी संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। घायल युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायल युवक बोलने के स्थिति में नहीं थे, उन्होंने अपना नाम दिलखुश बताया है। मामले को लेकर लोदीपुर थाना अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने बताया कि ट्रक से दबाने के कारण एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उन्हें इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भेजे हैं। ट्रक को जब्त कर लिया गया है, ट्रक के अंदर क्यों घुसा था, इसकी जानकारी नहीं है।

लोगों ने देखा तो मशक्कत के बाद निकलवाया, प्राइवेट पार्ट बुरी तरह जख्मी, हालत गंभीर

राष्ट्रीय डाक एवं चिकित्सक दिवस पर ग्रामीण चिकित्सक को सम्मान

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में मंगलवार को राष्ट्रीय डाक एवं चिकित्सक दिवस संयुक्त रूप से मनाया गया।स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में डाक दिवस पर जहां डाकिया संतोष कुमार मंडल को सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने डाकिया और ग्रामीण चिकित्सक को पुष्प गुच्छ और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।वहीं चिकित्सक दिवस पर ग्रामीण चिकित्सक सुरेश दास को सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने बताया कि जहां हमलोग आराम फरमाते हैं। वहीं जाड़े, धूप, वर्षा में समाज के प्रति सच्ची सेवा में चिकित्सक और डाकिया लगे रहते हैं। विद्यालय के नव पदस्थापित शिक्षक रंजीत कुमार मंडल व संजीत कुमार निगम के द्वारा भी बच्चों को डाकिया और चिकित्सक के सेवाओं को लेकर जानकारी दी गई।बच्चों को पढ़ लिखकर समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने को प्रेरित किया गया।

मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर 20.60 एकड़ जमीन स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित

निज संवाददाता। अररिया

अररिया के रामपुर कोदरकट्टी में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का निर्माण होना है। अररिया अंचल के रामपुर कोदरकट्टी के थाना संख्या 205,खाता संख्या 1121 के विभिन्न खेसरा की कुल प्रस्तावित रकवा 20.60 एकड़ गैर मजरूआ खास बिहार सरकार की भूमि को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के द्वारा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग को निःशुल्क अंतर्विभागीय स्थायी हस्तांतरण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। मामले को लेकर भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने पत्र समेत प्रेस नोट जारी कर दिया है।भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग से जमीन के स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरण के बाद रामपुर कोदरकट्टी में मेडिकल कॉलेज अस्पताल निर्माण का रास्ता तैयार हो गया है।जल्द ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल निर्माण कार्य का टेंडर निकलने के बाद इनका कार्य शुरू हो जाएगा। भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग से स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल कॉलेज अस्पताल

निर्माण के लिए जमीन हस्तांतरण पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं रामपुर कोदरकट्टी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार,उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी,विजय सिन्हा,स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय सहित स्थानीय सांसद प्रदीप कुमार सिंह के प्रति आभार जताया है।उन्होंने कहा कि रामपुर कोदरकट्टी में राजकीय मेडिकल महाविद्यालय एवं अस्पताल निर्माण का रास्ता प्रशस्त हो गया है और यह सांसद प्रदीप कुमार सिंह के मेहनत का नतीजा है।

अनशन के कारण रीतलाल यादव की तबीयत बिगड़ी, बीपी-शुगर लो

निज संवाददाता। भागलपुर

RJD विधायक रीतलाल यादव की जेल में अचानक तबीयत बिगड़ी गई है। सोमवार की देर शाम उन्हें भागलपुर के कैंप जेल से JLMNMCH में भर्ती कराया गया है। उनका ब्लड प्रेशर लो हो गया था। साथ ही शुगर लेवल भी लो था। डॉक्टर के अनुसार वो अनशन पर थे, जिसके कारण बीपी और शुगर लेवल गिर गया था। हालांकि वो किस बात को लेकर अनशन पर थे, ये स्पष्ट नहीं हो पया है। अस्पताल में रीतलाल यादव का अल्ट्रासाउंड और एक्सरे हुआ है। कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें कैदी वार्ड से रेडियोलॉजी विभाग लाया गया। रिपोर्ट कल आएगी। मंगलवार सुबह उनकी तबीयत पहले से बेहतर है।

अनशन पर थे RJD MLA: कैंप जेल में बंद राजद विधायक रीतलाल यादव अनशन पर थे। सोमवार शाम JLNMCH में इलाज और जांच के बाद डॉक्टर के मोटिवेट करने पर रीतलाल यादव ने हल्का खाना खाया। अनशन पर रहने के कारण बीपी और शुगर लेवल लो हो गया था। हालांकि, वो बीपी और शुगर के पेशेंट नहीं है।मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष राजकमल चौधरी की देखरेख में डॉक्टर रवि आनंद इलाज कर रहे हैं।

डॉक्टर रवि आनंद ने बताया- मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट से भी ओपिनियन लेने का हमने सोचा। सभी प्रक्रिया एक-दो दिनों में खत्म हो जाएगी। मैंने विधायक से कहा कि अनशन करने से आवाज उठती नहीं है, दब जाती है। पहले से उन्हें बुलेट इंजरी भी थी। इसलिए एक्स-रे किया गया है। उनका बीपी अभी नॉर्मल है। शुगर 130-140 है। विधायक के 2 दिन में डिस्चार्ज होने की संभावना है।

पत्नी बोलीं- जेल में जान से मारने की साजिश है: उधर, उनकी पत्नी रिंकू देवी ने एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि उनके पति को जेल में मारने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा- विधायक को जेल के अंदर मारने की साजिश हुई है। वो अभी अस्पताल में भर्ती हैं। उनको सेल में रखा गया था। विधायक को इस तरह से टॉर्चर करना अलाउड नहीं है। पूरे परिवार को टॉर्चर किया जा रहा है।

लाल कुआँ – कोलकाता – लाल कुआँ ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, 05060/05059 **लाल कुआँ – कोलकाता – लाल कुआँ ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन** निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, आवागमन की तिथियों, ठहराव और गठन के अनुसार चलेगी:-

लाल कुआँ – कोलकाता स्पेशल			(05060) (05059)	कोलकाता – लाल कुआँ स्पेशल		
दिन	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	दिन
बृहस्पतिवार	--	**13.35**	↓ **लाल कुआँ**	**15.45**	--	रविवार
शुक्रवार	02.05	02.15	गोरखपुर जं.	2.35	2.45	रविवार
शुक्रवार	17.50	17.52	जसीडीह जं.	11.23	11.25	शनिवार
शुक्रवार	19.42	19.47	आसनसोल जं.	09.08	09.13	शनिवार
शुक्रवार	22.23	22.25	बैण्डेल	06.15	06.17	शनिवार
शुक्रवार	**23.55**	--	**कोलकाता** ↑	--	**05.00**	शनिवार

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में किच्छा, भोजीपुरा जं., पीलीभीत जं., पूरनपुर, मैलानी जं., गोला गोकरननाथ, लखीमपुर, सीतापुर जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, कप्तानगंज जं., पडरौना, तमकुही रोड, थावे जं., सीवान जं., छपरा जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., बरौनी जं., किऊल जं., झाझा, मधुपुर जं., चित्तरंजन, दुर्गापुर, बर्द्धमान जं. और नैहाटी जं. स्टेशनों पर भी रुकेंगी। ● **आवागमन के दिन/तिथियाँ: लाल कुआँ से:** 05060 दिनांक 10.07, 17.07, 24.07, 31.07, 07.08, 14.08, 21.08 और 28.08.2025 (बृहस्पतिवार) को = 8 ट्रिप। **कोलकाता से:** 05059 दिनांक 12.07, 19.07, 26.07, 02.08, 09.08, 16.08, 23.08 और 30.08.2025 (शनिवार) को = 8 ट्रिप। ● **गठन:** एसी प्रथम श्रेणी सह एसी 2-टियर-01, एसी 2-टियर-01, एसी 3-टियर इकोनॉमी-04, शयनयान श्रेणी-06, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलडब्ल्यूएस)-04, एलएसएलआरडी-01, पावर कार-01 = 18 कोच।
● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

विद्युत केंद्र में जबरन घुसकर स्विच बोर्ड ऑपरेटर की पिटाई, कर्मचारियों ने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज के औराही विद्युत शक्ति केंद्र में कार्यरत स्विच बोर्ड ऑपरेटर शिव शंकर गुप्ता उर्फ राजा गुप्ता के साथ औराही पश्चिम वार्ड संख्या-3, कुशहा टोला के लोगों ने बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण नाराजगी जताते हुए कार्यालय में घुसकर मारपीट की। मामले को लेकर विद्युत शक्ति केंद्र के कनीय विद्युत अभियंता पुनीता कुमारी ने आवेदन देकर मामला दर्ज कराया।कनीय विद्युत अभियंता द्वारा थाना में दिए गए आवेदन में बताया है कि पश्चिमी वार्ड संख्या तीन कुशवाहा टोला निवासी मनोज कुमार गुप्ता उर्फ मुन्ना गुप्ता अपने साथियों के साथ जबरन विद्युत केंद्र के अंदर घुसा और ड्यूटी पर तैनात

स्विच बोर्ड ऑपरेटर संजीव कुमार से बहस करने लगा। इसी दौरान शिव शंकर गुप्ता उर्फ राजा मौके पर पहुँचे और गाली-गलौज का विरोध करते हुए घटना का वीडियो बनाने लगे। वीडियो रिकॉर्डिंग देख मनोज गुप्ता आगबबूला हो गया और शिव शंकर से मोबाइल छीन लिया। इसके बाद उन्होंने ऑपरेटर की जमकर पिटाई की। जान बचाने के लिए शिव शंकर गुप्ता मौके से भागे, लेकिन मनोज गुप्ता ने उन्हें जबरन एक गाड़ी में बैठा लिया और थाने ले जाने की बात कही। कुछ दूर जाने के बाद गाड़ी पर ही उन्हें जान से मारने की धमकी और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। किसी तरह गाड़ी से कूदकर शिव शंकर वापस विद्युत केंद्र पहुँचे, लेकिन हमलावर फिर वहां पहुँच गए और उन पर दोबारा जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वे मूर्छित होकर ज़मीन पर गिर पड़े। बाद में विद्युत कर्मियों पंकज कुमार के द्वारा उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित राजा ने कहना है कि मनोज गुप्ता ने केंद्र से जुड़े सरकारी दस्तावेजों की फोटो खींचकर उसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है, जो कानूनन अपराध है। कर्मचारियों के अनुसार, विद्युत केंद्र के प्रवेश द्वार पर प्रवेश निषेध का बोर्ड भी लगा हुआ है, इसके बावजूद जबरन घुसपैठ की। घायल ऑपरेटर राजा सहित बिजली विभाग के कर्मचारियों ने अपनी सुरक्षा की मांग करते हुए पुलिस प्रशासन और बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों से मामले में त्वरित कार्रवाई और न्याय के साथ आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है।

डीएम-एसपी ने समारोह में 434 नवनियुक्त सिपाहियों को दिया नियुक्ति प्रमाण पत्र

निज संवाददाता। अररिया

अररिया हरियाबाड़ा स्थित नवनिर्मित पुलिस केंद्र में मंगलवार को समारोह आयोजित कर डीएम अनिल कुमार और एसपी अंजनी कुमार ने नयनियुक्त 434 सिपाहियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। नवनियुक्त 434 सिपाहियों में 208 पुरुष पुलिसकर्मी और 226 महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। नियुक्ति पत्र पाकर पुलिसकर्मी काफी खुश नजर आए। मौके पर डीएम अनिल कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 434 नवनियुक्त पुलिस कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि हमें बहुत खुशी है कि जिले में प्रशिक्षु पुलिसकर्मी दिया गया है।वहीं एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि जिले में 434 पुलिसकर्मियों में ज्यादा महिलाएं हैं,जो महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। एसपी ने बताया कि यह लोग अभी ट्रेनिंग के लिये जाएंगे। नौ महीने बाद ट्रेनिंग करके अपने

जिला लौटेंगे, तब यह और भी बेहतर होंगे। इस दौरान डीएम एसपी ने सभी नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को पुलिस के कर्तव्य एवं अनुशासन तथा मद्य निषेध को लेकर शपथ दिलाई।नवनियुक्त पुलिस कर्मियों ने अपने नियुक्ति पत्र लेने के साथ नये पुलिस केंद्र परिसर में पौधारोपण भी किया।केंद्र में कुल 434 पौधा लगाए गए। मौके पर एएसपी रामपुकार सिंह, फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साह,मुख्यालय डीएसपी फकरे आलम, साइबर थाना डीएसपी रजिया सुल्ताना,पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) सुधीर कुमार,परिचारी प्रवर इंस्पेक्टर सुनील कुमार सुमन समेत अन्य पुलिस कर्मी इस मौके पर उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. एलआरसी-3_बोगी-क्लीनिंग-पीटी-I दिनांक: 30.06.2025. उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (एलएचबी), पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा, पिन-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वित्तीय एवं तकनीकी रूप से सक्षम निविदाकारों से ऑनलाइन ई-निविदा (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** "एलएचबी बोगियों के बोगी घटकों के साथ एसएस-I नामित बोगियों पर सफाई, स्क्रैपिंग, पेंटिंग एवं अंतिम जांच कार्य"; **निविदा दस्तावेज लागत:** रु. 0.00; **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 3,68,98,086.96; **बयाना राशि:** रु. 3,34,500.00; **निविदा समापन तिथि एवं समय:** 21.07.2025 को 14:00 बजे। वेबसाइट जहां निविदा का पूरा विवरण उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in**

(MISC-109/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एनआईटी/02/25/42, दिनांक: 30.06.2025. प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, 17, नेताजी सुभाष रोड, द्वितीय तल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण एवं ईएमडी** निम्नानुसार हैं: **(1); 22251255**; इंजेक्शन ह्यूमन एल्बुमिन 20%, 100 मिली; रु. 0.00 **निविदा खुलने की तिथि :** 14.07.2025, **समय :** 13.30 बजे। **(2) 10252393;** पी7 लोको के लिए यॉ डैम्पर; रु. 1,29,290.00; **(3); 12255428;** प्लासर भाग सं. के अनुसार पेंडुलम। ईएल टी2111.00बी, मेक:-प्लासर; रु. 1,32,030.00; **निविदा खुलने की तिथि:** 16.07.2025, **समय:** 13:30 बजे, क्रम सं. 2 और 3 के लिए। **(4); 09255014;** फॉग सेफ्टी डिवाइस आदि की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग की खरीद; रु. 3,70,090.00; **(5); 12255427;** प्लासर भाग सं. 64.08.1000.207, मेक-प्लासर के अनुसार बीसीएम के लिए चेन ट्रफ या चेन गाइड कार्नर अवरोही पक्ष; रु. 1,10,670.00; **निविदा खुलने की तिथि:** 17.07.2025, **समय:** 13:30 बजे, क्रम सं. 4 और 5 के लिए। **(6); 16255004;** जोड़ रहित नालीदार तांबा संपर्क; 20,00,000.00 रुपये; **निविदा खुलने की तिथि:** 18.07.2025, **समय:** 13:30 बजे। **(7); 08255030;** 132 केवी सिंगल कोर 630 वर्ग मिमी की आपूर्ति; रु.20,00,000.00; **(8); 12255535;** बीसीएम (सेट में) आदि के लिए कार्बाइड बिट युक्त कटिंग चेन; रु.1,96,980.00; **(9); 15255031ए;** ईओटी क्रेन की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग, क्षमता: 30/05 टन आदि। रु.1,52,200.00; **(10); 20255017;** 25 केवी एसी ईएमयू और एमईएमयू के लिए ऊर्जा-सह-गति निगरानी इकाई (ईएसएमओएन); रु. 1,53,280.00; **(11); 21251042;** हैंड ब्रेक केबल असेंबली आदि; रु. 6,08,960.00; **(12); 22251082;** टैब/कैप सेमाग्लूटाइड 14 मिलीग्राम; रु. 0.00; **निविदा खुलने की तिथि:** 21.07.2025, **समय:** 13:30 बजे. क्रम सं. 7 से 12 के लिए. **(13); 20255008ए;** नॉर ब्रेम्स पार्ट नंबर 1.1.5001 या समकक्ष केबी पार्ट नंबर को एयर सप्लाई यूनिट, साथ में फिल्टर एलिमेंट मेसर्स केबीआईएल पार्ट नंबर 8.000.8.923.728.5 या फाइवले पार्ट नंबर एफटी0052441-101, मॉडल नंबर बुरान 10 मोटर कंप्रेसर के अनुसार एयर जेनरेशन और ट्रीटमेंट यूनिट, 6 पोल और एयर ड्रायर (जीडब्ल्यू 975)-3 फेज ईएमयू रेक के साथ, नवीनतम संशोधन/परिवर्तन के साथ, यदि कोई हो; रु. 5,96,570.00; **निविदा खुलने की तिथि:** 04.08.2025, **समय:** 13:30 बजे। **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएं ई-निविदाएं हैं और सभी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां आईआरईपीएस वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट देखें। (STORES-19/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

भागलपुर, एजेंसी। स्थानीय थाना परिसर में सोमवार शाम को मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। जिसमें पर्व को शांति तरीके से मनाने और सभी अखाड़ों के खलीफा को जुलूस निकालने के लिए निर्धारित समय एवं रूट बताया गया। बैठक में सीओ हर्षा कोमल, पुलिस पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

प्रेमिका से मिलने गए युवक को ग्रामीणों ने पीटा : नशे की हालत में पुलिस ने किया गिरफ्तार

बांका, एजेंसी। बांका के रजौन थाना क्षेत्र में एक प्रेम प्रसंग ने तूल पकड़ लिया। चिलकावर गांव में सोमवार देर रात एक युवक को ग्रामीणों ने रस्सी से बांधकर पीटा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पीड़ित युवक की पहचान गांव के ही रहने वाले संतोष सिंह के रूप में हुई है। वह रात के अंधेरे में किसी से मिलने आया था। ग्रामीणों ने उसे नशे की हालत में पकड़ा। जब ग्रामीणों ने उसे रोका, तो वह उन्हें गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने उसे रस्सी से बांधकर पीटा। सूचना मिलते ही रजौन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने संतोष को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पूछताछ में पता चला कि वह शराब के नशे में था। हालांकि ग्रामीणों ने कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार युवक ने बताया कि खिलाफ शराब पीकर हंगामा करने का मामला दर्ज किया गया है। गांव में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। ग्रामीण इस मामले में कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 13 तक आवेदन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए केंद्रीय स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 13 जुलाई तक विभाग के पोर्टल पर आवेदन लिए जायेंगे। जिलों से प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी के लिए जिला स्तरीय कमेटी बनेगी। इस कमेटी के अध्यक्ष जिला शिक्षा अधिकारी होंगे। इसके अलावा राज्य सरकार के एक प्रतिनिधि और डीएम की ओर से नामांकित एक शिक्षाविद् भी शामिल होंगे। आवेदन में दिए गये तथ्यों के आधार पर भौतिक सत्यापन के लिए टीम का गठन किया जाएगा। यह समिति प्रमाणपत्र देगी कि सत्यापन में सभी बिंदुओं पर खड़े उतरने के बाद इन शिक्षकों का आवेदन अग्रसारित किया जा रहा है। तीन शिक्षकों का नाम जिला स्तरीय कमेटी राज्य कमेटी के पास भेजेगी। राष्ट्रीय शिखक पुरस्कार के लिए आवेदन करने वालों में से 50 प्रतिशत महिला शिक्षकों का चयन किया जाना है।

रोटरी क्लब ऑफ आम्रपाली का नरेश अध्यक्ष नवीन बने सचिव

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। रोटेरियन नरेश कुमार को अध्यक्ष एवं रोटेरिय नवीन कुमार त्रिवेदी को रोटरी क्लब ऑफ आम्रपाली का सचिव मनोनित किया गया है। ये दोनों एक जुलाई से 30 जनवरी 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। प्रो. बीएल सिंघानीया, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. मोनालिसा, योग शिक्षक मनीष कुमार, डॉ. रामजी प्रसाद, समाजसेवी एचएल गुप्ता, बीके फनीशचंद्र एवं साहित्यकार संजय पंकज ने दोनों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

सरोज देवी निर्विरोध बनीं वार्ड पार्षद

गया, एजेंसी। नगर परिषद, टिकारी के वार्ड संख्या बीस के लिए हुए उप चुनाव में सरोज देवी निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गईं। सरोज देवी को निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीएम प्रवीण कुमार ने निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा। सरोज देवी बेल्हड़िया टोला दुल्ला बिगहा की रहने वाली है। इससे पहले वार्ड संख्या बीस के पार्षद के रूप में इनके पुत्र शशिकांत कुमार चुने गए थे। कुछ महीने पहले सड़क दुर्घटना में शशिकांत की मौत हो गई थी।

आरजेडी विधायक रीतलाल यादव की बिगड़ी तबीयत, बीपी-शुगर लेवल लो

भागलपुर के अस्पताल में भर्ती, पत्नी बोलीं- जेल के अंदर मारने की साजिश

भागलपुर, एजेंसी। आरजेडी विधायक रीतलाल यादव की जेल में अचानक तबीयत बिगड़ी गई है। सोमवार की देर शाम उन्हें भागलपुर जेल से मायागंज हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। उनका ब्लड प्रेशर लो हो गया था। साथ ही शुगर लेवल भी लो था। मंगलवार सुबह उनकी तबीयत पहले से बेहतर है। उधर, उनकी पत्नी रिंकू देवी ने एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि उनके पति को जेल में मारने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा- विधायक को जेल के अंदर मारने की साजिश हुई है। वो अभी अस्पताल में भर्ती हैं। उनको सेल में रखा गया था। विधायक को इस तरह से टॉर्चर करना अलाउड नहीं है। पूरे परिवार को टॉर्चर किया जा रहा है। परिवार को मारने की साजिश हो रही है। जानकारी के मुताबिक, जेल प्रशासन ने उन्हें रात करीब 9:30 बजे मायागंज अस्पताल में भर्ती करवाया। करीब दो महीने पहले सुरक्षा दृष्टिकोण से राजद विधायक को पटना के बेऊर जेल से भागलपुर के विशेष केंद्रीय कारा में शिफ्ट किया गया था। रीतलाल यादव को हाई सिक्योरिटी वाले तृतीय खंड के टी-सेल में रखा गया है।

50 लाख रुपए रंगदारी मांगने का है आरोप : रीतलाल यादव ने 17 अप्रैल 2025 को दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेजा गया था। विधायक पर बिल्डर कुमार गौरव से 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने और धमकी देने का आरोप है। इस संबंध में खगौल थाना क्षेत्र में एफआईआर दर्ज की गई थी।

विधायक ने भाई के साथ किया था सरेंडर : पटना पुलिस ने इस मामले में 11 अप्रैल 2025 को रीतलाल यादव के 11 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें 10.5 लाख रुपए नगद, 77 लाख रुपए के ब्लैंक चेक, 4 पेन ड्राइव और जमीन से संबंधित कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए थे। उसके बाद रीतलाल यादव ने अपने भाई के साथ सरेंडर किया था।

बेऊर से भागलपुर जेल में किया गया था शिफ्ट : रीतलाल यादव भागलपुर जेल में हाई सिक्योरिटी वाले तृतीय खंड के ञ्ञ-सेल में रखा गया है। जेल में उन्हें जिस ञ्ञ-सेल में रखा गया है, उसमें कभी सीएम नीतीश कुमार (जेपी आंदोलन के दौरान), विधायक राजबल्लभ यादव, कुख्यात अशोक महतो, इंदिरा गांधी के हत्यारे जसवंत सिंह और बाहुबली अनंत सिंह को भी रखा गया था।

राहगीरों से छिनतई करते थे रीतलाल यादव : बात 90 के दशक की है। 16 जनवरी 1972 को दानापुर के कोथावां गांव में रीतलाल यादव या रीतलाल रे का जन्म हुआ। ये गांव आज भी दानापुर स्टेशन के पास है। साल 1995-96 में लालू सरकार में यादवों का वर्चस्व कायम हो रहा था। उस दौरान रीतलाल कोथावां गांव से दानापुर स्टेशन जाने वाले रास्ते पर साइकिल, मोटर साइकिल की चोरी और राहगीरों से छिनतई करते थे। समय के साथ दबदबा बढ़ने लगा। जैसे कोई जमीन बिकती और जमीन मालिक बाउंड्री के लिए ईंट गिराता, रीतलाल के आदमी उससे पैसे की डिमांड करने लगते थे। पैसा नहीं देने पर उनके काम में अड़चन डाला करते थे। एक तरह से रीतलाल उस दौरान छोटी मोटी रंगदारी लेने लगे थे।

लालू यादव के कारण बढ़ा कद : 2005 लालू यादव की सरकार चली गई। फिर बिहार में नीतीश कुमार की सरकार बनी। पुलिस ने रीतलाल पर कार्रवाई की। कई संपत्तियों को जब्त किया गया। रीतलाल धीरे-धीरे अपना वर्चस्व और पैसा बढ़ाते रहे। चारा घोटाले में सजा होने पर लालू यादव की लोकसभा की सदस्यता चली गई। इसके बाद लालू यादव ने 2014 में बेटी मीसा भारती को पाटलिपुत्र लोकसभा चुनाव में उतारा। इसके लिए उन्होंने रीतलाल यादव के पिता से मदद मांगी। उस दौरान रीतलाल यादव जेल में थे, लेकिन आसपास के इलाके में रीतलाल का कद बढ़ गया।

लोगों को लगने लगा कि रीतलाल के सिर पर लालू यादव का हाथ है। 2015 में बिहार में सरकार में आरजेडी शामिल हुई। रीतलाल बाहर आ गया। 2016 में रीतलाल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में एमएलसी का चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। कुछ दिन बाद ही हत्या के एक मामले में रीतलाल को जेल जाना पड़ा। एमएलसी बनने के बाद रीतलाल की रंगदारी थोड़ी कम हुई, लेकिन जमीन खरीदी में कमीशन का खेल चलता रहा। हर बड़ी-छोटी जमीन के लिए इसके लोगों को पैसा देना पड़ता था।

2020 में दानापुर से बने थे विधायक : साल 2020 में इसी ताकत पर फिर से रीतलाल को टिकट मिला। 2020 में उन्होंने आरजेडी की टिकट पर दानापुर से भाजपा की आशा देवी को हराया और विधायक बने। इस जीत के बाद रीतलाल अपने आपको सफेदपोश बनाने लगा। धीरे-धीरे इनकी लोकल वसूली कम हुई। इसका कारण था नीतीश कुमार सरकार की कड़ाई, लेकिन ठेका पट्टा का इसका काम चलता रहा। आज की स्थिति ऐसी है कि दानापुर में अगर किसी को ठेका लेना है, तो बिना रीतलाल के सहमति के संभव नहीं है। आज भी बेली रोड नहर से शिवाला तक, बेली रोड से जानीपुर इलाके तक जमीन के हर छोड़े बड़े विवाद में इसका गिरोह एक्टिव होकर पैसा कमाते हैं।

पसमांदा मुसलमानों को बीजेपी देगी हिस्सेदारी, मिलन समारोह में बोले दिलीप जायसवाल: राजनीति ने जीना मुहाल किया

पटना, एजेंसी। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी पसमांदा मुसलमानों को रिझाने की कोशिश में लगी है। भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में 'पसमांदा मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इस समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा है कि भाजपा की विशेषता रही है कि यह सभी धर्म, समुदाय और वर्ग को साथ लेकर चलने की बात करती है। यह 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के नारे पर काम करती है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों के नाम पर राजनीति हुई, पर कभी इन लोगों ने पसमांदा मुसलमानों को आगे बढ़ाने की कोशिश नहीं की। इस मौके पर बड़ी संख्या में पसमांदा समाज के लोगों ने शिरकत की। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. जायसवाल और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने पसमांदा मुसलमानों का जीना मुश्किल कर रखा है। उन्होंने पसमांदा समाज के लोगों को भरोसा दिया कि भाजपा इनकी राजनीति में भी हिस्सेदारी सुनिश्चित करेगी।

वहीं, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष सिर्फ पसमांदा मुसलमानों की बात वोट के लिए करता है। पसमांदा को आरक्षण एनडीए सरकार ने ही दिया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पसमांदा समाज के लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद कमरूजमा अंसारी और प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने भी अपनी बात रखी।

औरंगाबाद में मारपीट के बाद अस्पताल में भर्ती थी महिला, दहेज के लिए टॉर्चर करने का आरोप

बहन से मिलने गए युवक को बहनोई ने पीटा

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के सिमरा बाजार के एक निजी अस्पताल में भर्ती बहन से मिलने पहुंचे युवक पर ससुरालवालों ने हमला कर दिया। घायल युवक की पहचान रफीगंज प्रखंड के कासमा थाना क्षेत्र के भदूकी कला गांव निवासी तुलसी नोनिया के रूप में हुई है। घायल फिलहाल पश्चिम बंगाल के आसनसोल में अपने परिवार के साथ रहता है। घटना के बाद परिजनों ने उसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां उसका इलाज जारी है। मारपीट में जख्मी तुलसी नोनिया ने बताया कि उसकी बहन गौरी देवी की शादी साल 2012 में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पोखराही गांव निवासी मंगल चौहान के बेटे संतोष कुमार से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज में पैसे की मांग कर रहे हैं।

बहन को ससुराल वालों ने पीटा

बहन को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। कुछ दिनों से बहन से संपर्क नहीं हो पा रहा था। जानकारी मिली कि ससुराल वालों ने उसकी पिटाई की है। वो सिमरा बाजार के एक निजी अस्पताल में भर्ती है। सोमवार की शाम उससे मिलने अस्पताल पहुंचा। जैसे ही अस्पताल पहुंचा वहां मौजूद ससुरालवालों ने उसे देखते ही मारपीट शुरू कर दी। वह बहन के घर पोखराही गांव गया। वहां बहनोई संतोष कुमार ने उस पर हथियार से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सोमवार की रात में परिजनों ने उसे सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर इलाज में जुटे हैं। घटना की सूचना सिमरा थाना पुलिस को दी गई है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि तुलसी ने मोबाइल से मारपीट की जानकारी दी है। आवेदन या फर्द बयान मिलते ही मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

बिहार के एक और शहर को मिलेगी वंदे भारत की सुविधा

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के एक और शहर को जल्द ही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सुविधा मिलने वाली है। भागलपुर से हावड़ा के लिए चलने वाली वंदे भारत का जमालपुर तक विस्तार किया जाएगा। इसके लिए भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन के टाइम टेबल में बदलाव होगा। नए शेड्युल के अनुसार, यह ट्रेन भागलपुर नहीं बल्कि जमालपुर से खुलेगी। फिर भागलपुर होकर हावड़ा जाएगी। नई समय सारणी का प्रस्ताव भेजा गया है, मंजूरी मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। नई समय सारणी के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन हावड़ा से सुबह 7:45 बजे चलकर दोपहर 01:15 बजे भागलपुर आएगी। यहां दो मिनट के ठहराव के बाद दोपहर 01: 17 बजे जमालपुर के लिए रवाना हो जाएगी। वापसी में यह ट्रेन जमालपुर से शाम 3.30 बजे खुलेगी और 04:22 बजे भागलपुर पहुंचेगी। दो मिनट के ठहराव के बाद भागलपुर से यह ट्रेन 04:24 मिनट में खुल जाएगी। फिर बाराहाट 05:02, मंदारहिल 05:16, हंसडीहा 05:38, नोनीहाट 05:53, दुमका 06:25, रामपुरहाट 07:18, बोलपुर 07:56 होते हुए रात 10:05 बजे हावड़ा स्टेशन पहुंचेगी। अगर यह टाइम टेबल लागू होता है तो रूट की कुछ अन्य ट्रेनों के समय में भी आंशिक बदलाव संभव है। भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का जमालपुर तक विस्तार होने की लंबे समय से मांग की जा रही है। बीते दिनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी इस संबंध में बात की थी। इसके चलने से जमालपुर और मुंगेर शहर समेत आसपास के क्षेत्र के लाखों लोगों को सेमी हाई स्पीड ट्रेन की सुविधा मिल जाएगी।

जेल में बंद गरीब कैदियों की जमानत राशि देगी बिहार सरकार, एसपी-डीएम को फरमान जारी

पटना, एजेंसी। जुर्माना राशि भर पाने में सक्षम नहीं होने की वजह से राज्य की विभिन्न जेलों में बंद गरीब कैदियों की राज्य सरकार मदद करेगी। सरकार इन कैदियों की जमानत राशि का प्रबंध कराते हुए उनको जेल से बाहर निकालने का काम करेगी। गरीब कैदियों के समर्थन में लागू इस योजना की नई गाइडलाइन लागू की गई है। इसको लेकर गृह विभाग ने सभी डीएम-एसपी को निर्देश दिया है।

ऐसे कैदियों की जानकारी देंगे जेल अधीक्षक

निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के मुताबिक न्यायालय से किसी कैदी की जमानत मंजूर होने के सात दिन बाद भी उसकी रिहाई नहीं होने पर जेल प्रशासन इसकी सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव को देगी। प्राधिकरण के सचिव यह जांच करेंगे कि उस कैदी को वित्तीय मदद की आवश्यकता है या नहीं इसके लिए प्रोबेशन अधिकारी या सिविल सोसाइटी के सदस्यों की मदद ली जा सकेगी। जांच प्रक्रिया 10 दिन के अंदर पूरी करनी होगी। प्राधिकार के सचिव दो से तीन हफ्ते के अंदर ऐसे सभी मामले जिला स्तरीय समिति के समक्ष रखेंगे। विचाराधीन कैदी के मामले में यह समिति प्रति कैदी अधिकतम 40 हजार तक की राशि निकासी और संबंधित कोर्ट में उसके भुगतान की मंजूरी देगी। दोषी करार कैदियों के मामले में यह राशि 25 हजार होगी। जमानत राशि इससे अधिक होने पर उसकी मंजूरी के लिए राज्यस्तरीय निगरानी कमेटी को भेजा जाएगा। भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग, एनडीपीएस और असामाजिक कार्यों में संलग्न रहे कैदियों को मदद नहीं मिलेगी।

राज्यस्तर पर गृह सचिव और जिले में डीएम की अध्यक्षता में समिति बनेगी : प्रावधान के मुताबिक योजना को लेकर राज्य स्तर पर निगरानी समिति, जबकि जिला स्तर पर अधिकार प्राप्त समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। पांच सदस्यीय जिला स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति में संबंधित जिले के डीएम और एसपी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, संबंधित जेल अधीक्षक या उपाधीक्षक और जिला जज द्वारा नामित एक न्यायाधीश शामिल होंगे। अधिकार प्राप्त समिति ऐसे कैदी के मामले में केस दर केस वित्तीय मदद का निर्णय लेगी। कैदियों को चिह्नित करने के लिए सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि, समाजसेवी, जिला प्रोबेशन अधिकारी की मदद ली जाएगी। विभाग के अपर मुख्य सचिव के नेतृत्व में पांच सदस्यीय राज्यस्तरीय समिति गठित होगी। समिति में विधि विभाग के सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, जेल आईजी, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को सदस्य बनाया गया है।

विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन की मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक

सरकारी नौकरी को लेकर नेताओं ने बनाई रणनीति, युवा-महिलाओं पर फोकस, सहमति के बाद जारी होगा फाइनल एजेंडा

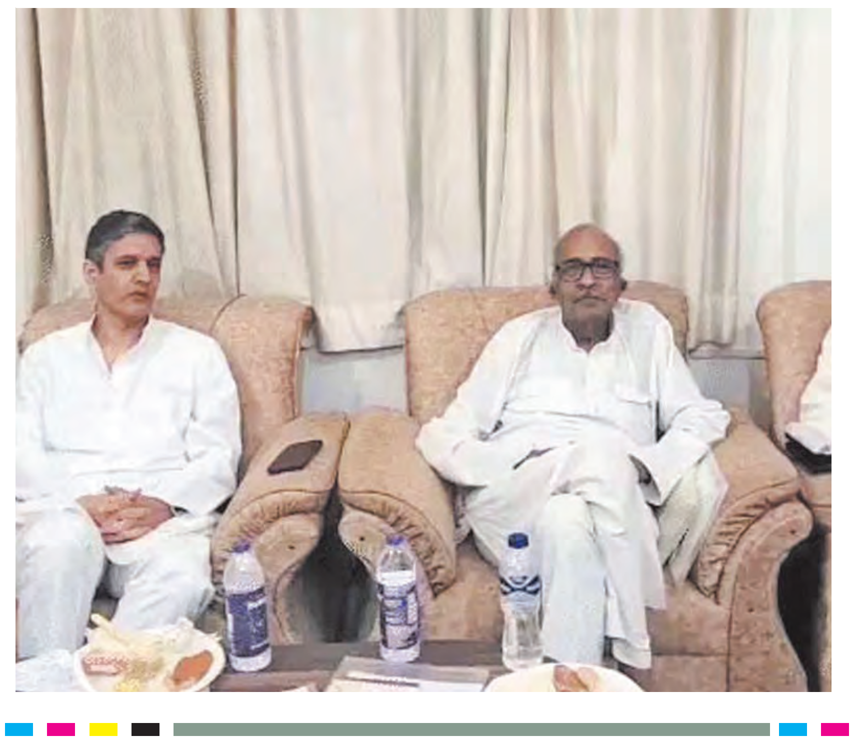

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर महागठबंधन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। सीटों के बंटवारे को लेकर सहयोगी दलों के बीच बैठकें लगातार चल रही हैं, वहीं साझा घोषणापत्र को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी जोरों पर है। सोमवार को पटना स्थित कांग्रेस पार्टी मुख्यालय, सदाकत आश्रम में महागठबंधन की मेनिफेस्टो कमेटी की एक अहम बैठक आयोजित की गई।

इस बंद कमरे में हुई बैठक में राजद की ओर से पार्टी सांसद सुधाकर सिंह सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। बैठक में आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए महागठबंधन की ओर से जनता के सामने पेश किए जाने वाले मुख्य वादों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष तौर पर युवाओं और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

सरकारी नौकरी को लेकर नेताओं ने बनाई रणनीति

बैठक में युवाओं के लिए अधिकतम रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने और सरकारी नौकरियों की संख्या बढ़ाने को लेकर नेताओं ने रणनीति बनाई। वहीं, महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता से जुड़ी योजनाओं पर विशेष फोकस रहा। बैठक में जिन प्रमुख मुद्दों पर सहमति बनी, उनमें ÷माई-बहन मान योजना÷ के तहत महिलाओं को हर महीने 2500 देने का प्रस्ताव शामिल है। इसके अलावा जातीय जनगणना के निष्कर्षों को लागू करने और उससे जुड़ा राजनीतिक लाभ उठाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। महागठबंधन की ओर से 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने, बच्चों को स्कूलों में मुफ्त दूध और अंडा उपलब्ध कराने, और राज्य में विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने की घोषणाएं संभावित मेनिफेस्टो में शामिल की जा सकती हैं।

युवा आयोग के गठन वाले प्रस्ताव पर चर्चा

बैठक में युवाओं के लिए ÷युवा आयोग÷ के गठन और परीक्षा के दौरान यात्रा व्यय की भरपाई करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। हालांकि, डोमिसाइल नीति को लेकर गठबंधन में एक राय नहीं बन पाई है। राजद नेता तेजस्वी यादव इस नीति को पूरी तरह लागू करने के पक्ष में हैं, जबकि कांग्रेस इस पर अभी स्पष्ट निर्णय नहीं ले पाई है। सूत्रों के अनुसार, घोषणापत्र को अंतिम रूप देने से पहले महागठबंधन की एक और बैठक जल्द ही बुलाई जाएगी, जिसमें सभी दलों की सहमति के बाद फाइनल एजेंडा जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बढ़ गया ट्रेन का किराया, रांची से चलने वाली ट्रेनों का टिकट हुआ महंगा

रांची, एजेंसी। रेल यात्रियों के लिए एक बहुत बड़ी खबर है। 1 जुलाई से रेल यात्रा महंगी हो गयी है। अब रेल यात्रियों को ट्रेन से सफर करने के लिए अधिक पैसे खर्च करने होंगे। रांची रेल मंडल से चलने वाली कई प्रमुख एक्सप्रेस, मेल और शताब्दी-प्रीमियम ट्रेनों के किराए में भी वृद्धि की गयी है। हालांकि यात्रियों के लिए एक राहत की खबर भी है। 500 किमी तक की यात्रा पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन, उससे अधिक दूरी की यात्रा पर ट्रेन का टिकट महंगा होगा। इसके तहत रांची से कोलकाता और पटना जाने वाली ट्रेनों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ट्रेनों का बढ़ा हुआ किराया जनरल, स्लीपर, फर्स्ट क्लास और एसी श्रेणी की सभी ट्रेनों में लागू होगा। खासतौर पर टिकट की नई कीमत शताब्दी, राजधानी, तेजस, दुरंतो, वंदे भारत, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी जैसे एक्सप्रेस ट्रेनों के यात्री को प्रभावित करेगी। 500 किमी के बाद इन ट्रेनों में दो पैसे प्रति किमी की दर से किराया बढ़ाया गया है।

प्रदेश में 5 जुलाई तक सभी रिटेल काउंटर पर नहीं मिलेगी शराब

रांची, एजेंसी। झारखंड में 5 जुलाई तक सभी रिटेल काउंटर से शराब की बिक्री नहीं होगी। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई है। क्योंकि झारखंड स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड को 5 जुलाई तक सेल और डिपॉजिट के भौतिक सत्यापन का काम पूरा करना है। तब तक जिस रिटेल काउंटर पर यह प्रक्रिया चलेगी, वहां शराब की बिक्री संभव नहीं हो पाएगी। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की ओर से कहा गया कि खुदरा उत्पाद दुकानों के हैंडओवर/टेकओवर के शुरू होने के बाद हैंडओवर/टेकओवर पूर्ण होने तक उन दुकानों से शराब की बिक्री बंद रहेगी। दिनांक 01 l07 l2025 से प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से संचालित खुदरा उत्पाद दुकानों का जेएसबीसीएल को हैंडओवर/टेकओवर प्राप्त करने के क्रम में भौतिक सत्यापन और सेल और डिपॉजिट की राशि का सत्यापन किया जाना है। जिलों में अवस्थित सभी खुदरा उत्पाद दुकानों की समुचित हैंडओवर/टेकओवर के लिए जिला स्तर से एक शेड्यूल निर्धारित किया जाना है। खुदरा उत्पाद दुकानों के हैंडओवर/टेकओवर शुरू होने के बाद और हैंडओवर/टेकओवर पूर्ण होने तक उन दुकानों से शराब की बिक्री बंद रहेगी। स्टॉक वेरिफिकेशन और हैंडओवर/टेकओवर पूर्ण होने के बाद खुदरा उत्पाद दुकानों से शराब की बिक्री के संबंध में अलग से दिशा-निर्देश निर्गत किया जाएगा। जब तक किसी खुदरा उत्पाद दुकानों के हैंडओवर/टेकओवर की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हो जाती है, तब तक पूर्व की तरह खुदरा उत्पाद दुकानों से समुचित अनुवीक्षण के साथ नियमानुसार शराब की बिक्री की जा सकेगी। बता दें कि राज्य में खुदरा शराब बिक्री की कुल 1453 दुकानें हैं। अब तक प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिए शराब की बिक्री की जा रही थी। अब पूर्व नीति की तरह दुकानों की नीलामी प्रक्रिया के तहत शराब की बिक्री जेएसबीसीएल के जरिए होगी। इस व्यवस्था से ओपन मार्केट में कंपटीशन रहेगा।

खूंटी में ग्राम प्रधान की हत्या का कारण बना अफीम, पुलिस ने हथियार के साथ 10 अपराधियों को किया गिरफ्तार

खूंटी, एजेंसी। जिले के भाजपा नेता सह काड़ेतुबिद गांव के ग्राम प्रधान हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने 10 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने दो पिस्टल, तीन देसी कट्टा, 14 पीस जिंदा कारतूस, दो चाकू, 10 मोबाइल, मृतक ग्राम प्रधान का मोबाइल और पांच बाइक बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में बीरबल मुंडा, सीनू मुंडा, बुधराम हस्सा, केदार मुंडा, पुष्पेंद्र यादव, पतरस पाहन, पलटन मुंडा, पाऊ पाहन, अभिषेक हस्सा और कालीप पूर्ति शामिल हैं ।ग्राम प्रधान बलराम मुंडी हत्याकांड का खुलासा खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने सोमवार को किया। एसपी ने बताया कि आठ हत्यारों को गिरफ्तार किया जबकि दो अन्य अभियुक्तों को भी पुलिस ने देसी कट्टा और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि 28-29 जून की रात में मारंगहादा थाना के काड़ेतुबिद गांव में अज्ञात अपराध कर्मियों द्वारा घर में घुसकर लूटपाट के क्रम में धारदार हथियार एवं गोली मारकर बलराम मुंडा की हत्या कर दी गई थी।

रांची ननि ने टैक्स कलेक्शन का तोड़ा रिकॉर्ड

39 करोड़ 33 लाख 73 हजार की वसूली कर बना राज्य का नंबर वन निकाय

रांची, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में रांची नगर निगम ने हाउसिंग टैक्स संग्रहण के क्षेत्र में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। निगम ने 81,320 करदाताओं से कुल 39 करोड़ 33 लाख 73 हजार 879 रुपये की राशि वसूल कर झारखंड में सबसे अधिक टैक्स कलेक्शन करने वाला निकाय बनने की उपलब्धि हासिल की है। यह आंकड़ा न केवल बीते वर्षों की तुलना में कहीं अधिक है बल्कि राज्य के अन्य निकायों के लिए प्रेरणा भी है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पीछे प्रशासक के रणनीतिक दिशा-निर्देश, टैक्स अधिकारियों की मेहनत और नागरिकों की सहभागिता को बड़ी वजह माना जा रहा है। नगर निगम ने इस वर्ष करदाताओं को समय पर भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए छूट योजना भी शुरू की, जिसने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रांची नगर निगम के जनसंपर्क पदाधिकारी गौतम प्रसाद साहू ने बताया कि निरंतर इसे लेकर नगर निगम मॉनिटरिंग भी कर रही थी और लोगों को छूट दिए जाने के बाद टैक्स जमा होने में तेजी आई है।

छूट योजना से नागरिकों को मिली राहत

रांची नगर निगम ने अप्रैल से जून 2025 की अवधि में एकमुश्त भुगतान करने वालों को 10प्रतिशत तक की छूट देने की घोषणा की थी। यह योजना करदाताओं के बीच बेहद लोकप्रिय रही, और बड़ी संख्या में लोगों ने समय से पहले टैक्स चुकाया। डिजिटल भुगतान के माध्यम से 22,945 करदाताओं ने लगभग 12.52 करोड़ रुपए, निगम कार्यालय और डोरंडा अंचल में 4,809 करदाताओं ने 1.94 रुपए करोड़, जबकि डोर-टू-डोर वसूली अभियान के जरिए 53,533 करदाताओं से 20.27 रुपए करोड़ की राशि एकत्र की गई।

हर वर्ष बेहतर हो रहा प्रदर्शन

पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो निगम का टैक्स कलेक्शन निरंतर बेहतर हो रहा है। 2024-25 की पहली तिमाही में 32.93 रुपए करोड़ का कलेक्शन 76,527 करदाताओं के माध्यम से हुआ। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 72,435 करदाताओं से 27.04 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई। 2022-23 में 21.90 रुपए करोड़ का टैक्स कलेक्शन 55,181 करदाताओं से प्राप्त हुआ। इस साल न केवल करदाताओं की संख्या बढ़ी है, बल्कि टैक्स भुगतान की राशि में छह करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि भी दर्ज की गई है। इससे स्पष्ट है कि नागरिकों का भरोसा निगम की व्यवस्था पर बढ़ा है।

नागरिकों का योगदान सराहनीय

रांची नगर निगम ने करदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह उपलब्धि नागरिकों की जागरूकता और भागीदारी के बिना संभव नहीं था। वसूली की गई राशि का उपयोग शहर की साफ-सफाई, सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे आगे भी समय पर टैक्स जमा करें ताकि शहर में चल रहे विकास कार्यों को गति मिल सके। साथ ही यह भी कहा गया कि टैक्स भुगतान को और अधिक आसान और पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

माओवादी संगठन को मजबूत करने की साजिश रचने वाले के खिलाफ कार्रवाई

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने झारखंड में प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन को फिर से खड़ा करने की साजिश में शामिल होने के आरोप में प्रतिबंधित नक्सली संगठन के प्रमुख कार्यकर्ता के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। सोमवार को रांची में एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष आरसी-03/2023/एनआईए/आरएनसी मामले में बच्चा सिंह उर्फ बच्चा बाबू सिंह उर्फ मुकेश के खिलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया गया। यह मामला मूल रूप से जुलाई 2022 में प्रतिबंधित संगठन भाकपा माओवादी के तीन नक्सली कूरियर/कैडरों के खिलाफ दर्ज किया गया था। जिन्हें आपत्तिजनक पत्रों की जब्ती के बाद चाईबासा में गिरफ्तार किया गया था। यह जानकारी एनआईए की ओर से प्रेस रिलीज के माध्यम से साझा की गई है। दरअसल, अगस्त 2023 में जांच का जिम्मा संभालने वाली एनआईए ने बच्चा सिंह समेत कुल नौ आरोपियों के खिलाफ फिर से मामला दर्ज किया था। आरोपियों में से एक लाजिम अंसारी की जून 2023 में पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी। एनआईए की जांच में पता चला कि जनवरी 2025 में गिरफ्तार किया गया बच्चा सिंह तब मजदूर संगठन समिति (एमएसएस) का महासचिव था। झारखंड सरकार द्वारा घोषित आपराधिक कानून (संशोधन अधिनियम), 1908 की धारा 16 के तहत एमएसएस एक प्रतिबंधित गैरकानूनी संगठन है।

विभाग से लापरवाही कर रहे थे 10 स्कूलों के प्रिंसिपल, अब डीएसई ने ले लिया बड़ा एक्शन

करौं (देवघर), एजेंसी। स्कूलों को प्रत्येक कार्य दिवस पर मध्याह्न भोजन योजना का एसएमएस भेजना अनिवार्य है। यदि स्कूल ऐसा करने में विफल रहते हैं तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

प्रखंड में आयोजित गुरूगोष्ठी में बीईईओ द्वारा सभी प्रधानाध्यापकों से एमडीएम का एसएमएस भेजने का निर्देश दिया जाता है। बावजूद इसके प्रखंड के कुछ स्कूल ऐसे हैं जिनके प्रधानाध्यापक द्वारा एसएमएस नहीं किया जाता है। जिला शिक्षा अधीक्षक इसे गंभीरता से लेते हुए प्रखंड के दस विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को शोकॉज करते हुए वेतन व मानदेय अगले आदेश तक स्थगित रखने का निर्देश जारी किया।

डीएसई ने प्रखंड के उत्क्रमित मवि सालतर, कठमिरखी, लक्ष्णाडीह, उत्क्रमित उवि जोड़ामो, उत्क्रमित प्रावि आलमपुर, बलरवा, छींट मांझतर, कझियाटांड़, ताराडंगाल व बदिया संताल टोला के प्रभारी प्रधानाध्यापकों पर कार्रवाई की है।डीएसई ने जारी पत्र में कहा कि जिला स्तरीय कोषांग द्वारा 23 से 26 जून तक संबंधित विद्यालय द्वारा एसएमएस नहीं भेजा गया है। राज्य स्तरीय कोषांग द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस पर समीक्षा की जाती है एवं एसएमएस शत-प्रतिशत नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की जाती है।

लगातार निर्देश दिए जाने के बाद भी कुछ स्कूल के प्रधानाध्यापकों द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता है। जो काफी खेदजनक है। संबंधित स्कूल के प्रधानाध्यापाकों से स्पष्टीकरण लेते हुए जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। ताकि आगे की कार्रवाई किया जा सके।

वहीं, तत्काल प्रभाव से संबंधित स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक का वेतन व मानदेय अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि जिला कुल 65 स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण पूछते हुए वेतन व मानदेय स्थगित करने का निर्देश जारी किया गया है।

पूर्वी सिंहभूम में कारोबारी से डेढ़ करोड़ की लूट, एक आरोपी बंगाल से गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। जिला के घाटशिला अनुमंडल अंतर्गत चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र के मिस्त्रीपाड़ा में सोमवार की देर रात एक बड़ी लूट की घटना घटी। तीन अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर प्राप्ति ज्वेलर्स के मालिक अरुण नंदी से डेढ़ करोड़ रुपये के आभूषण लूट लिए।

ज्वेलर्स मालिक रात में अपनी दुकान बंद कर स्कूटी पर सवार होकर घर के लिए निकला। इस दौरान उनके हाथ में दो बैग थे, जिसमें जेवरात और कैश मौजूद था। इस दौरान एक व्यक्ति दुकान पर रेकी कर रहा था, दूसरा व्यक्ति उनके घर के दरवाजे के पीछे छिपा हुआ था और एक व्यक्ति बाइक लेकर भागने की तैयारी में उन्हीं के घर के पास खड़ा था।

इस बीच जैसे ही ज्वेलर्स मालिक स्कूटी लेकर अपने घर पहुंचा, दरवाजे के पीछे छिपा व्यक्ति ने उसे चाकू दिखाकर बैग छिनने लगा। इसी बीच दूसरा व्यक्ति भी वहां आ गया और ज्वेलर्स मालिक को नीचे गिराकर दोनों बैग लेकर फरार हो गया। पीड़ित कारोबारी ने बताया कि उनके बैग में करीब एक से डेढ़ किलो का सोना था, जिसकी बाजार में कीमत लगभग एक से डेढ़ करोड़ रुपए की है। साथ ही 50,000 रुपये नकद भी थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीन अपराधी अचानक मौके पर पहुंचे और व्यवसायी अरुण नंदी पर हमला कर दिया। लुटेरों ने पहले उन्हें डराया फिर उनके हाथ से आभूषणों से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पूरी घटना कुछ ही मिनटों में हुई। इस वारदात के बाद इलाके के व्यापारियों और सर्राफा कारोबारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। व्यापारी संगठन ने प्रशासन से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही चाकुलिया थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरों की तलाश शुरू कर दी है। चाकुलिया पुलिस आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। साथ ही पश्चिम बंगाल सीमा से जुड़े इलाकों में गश्त तेज कर दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस मामले को लेकर घाटशिला एसडीपीओ अजीत कुजूर ने फोन पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस लूट की घटना को बड़े प्रोफेशनल तरीके से अंजाम दिया गया है। हालांकि चाकुलिया थाना पुलिस के तुरंत कार्रवाई से उन्होंने बंगाल से एक संदिग्ध युवक को पूछताछ के लिए थाना लेकर आई है। फिलहाल उस युवक से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह अंतरराज्यीय अपराधियों का गिरोह प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही घटना में शामिल सभी आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

झारखंड राज्य पत्थर उद्योग संघ की आपात बैठक संपन्न, कंपोजिशन यूजर शुल्क के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य पत्थर उद्योग संघ की एक आपात बैठक रांची स्थित छ्स्ष्ट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा ने की। जिसमें राज्य के सभी जिलों से पहुंचे पत्थर व्यवसायियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य मुद्दा झारखंड सरकार द्वारा हाल ही में अनिवार्य किए गए 1200 रुपए प्रति परिवहन चलन कंपोजिशन यूजर शुल्क रहा।व्यवसायियों ने इस शुल्क को अन्यायपूर्ण बताया, क्योंकि यह मामला वर्तमान में झारखंड उच्च न्यायालय में झारखंड सरकार बनाम राज्य के खनन व्यवसायी शीर्षक से विचाराधीन है। व्यवसायियों ने बताया कि पूर्व में भी न्यायालय द्वारा विभिन्न वादों में इस विषय पर स्थगन आदेश पारित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद सरकार द्वारा जबरन शुल्क वसूली का प्रयास न्याय की भावना के विरुद्ध है। इससे राज्य में खनन उद्योग प्रभावित हो रहा है।

इस बैठक में सभी प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे पर आगे की रणनीति पर चर्चा की। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अगर 4 जुलाई 2025 तक सरकार इस मामले में कोई ठोस पहल नहीं करती है, तो राज्यभर के खनन व्यवसायी एक बार फिर रांची में बैठक करेंगे और हड़ताल पर जाने का निर्णय लेंगे। संघ ने विक्रम कुमार (रांची) को झारखंड राज्य पत्थर उद्योग संघ का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है, जो मीडिया से संवाद और जनजागरूकता अभियानों का दायित्व संभालेंगे।

सभी जिलों के प्रतिनिधि हुए शामिल : इस बैठक में अनिल कुमार सिंह (उपाध्यक्ष), पंकज कुमार सिंह (सचिव), अमित पांडेय (जामताड़ा), रमाशिष सिंह, सतीश तिवारी, प्रकाश सिंह, प्रिंस सिंह (पलामू), नितेश सरडा, मोइन खान, सत्येंद्र कुमार सिंह, सज्जाद खान (रांची), उज्ज्वल सिंह, बलविंदर सिंह (जमशेदपुर), जगदीप अग्रवाल, अंकुर ग्रोवर (धनबाद), मोहन जैन (बोकारो), नटवर साहू, कमलकांत ओहदार (गुमला), गोपी साडवानी, राकेश साडवानी (साहेबगंज/पाकुड़), प्रशांत पांडेय, आलोक रंजन (साहेबगंज), हिमांशु केडिया (कोडरमा), अफताब आलम, शत्रुघ्न मंडल, संजय गुटगुटिया (देवघर) और हरप्रीत सिंह जग्गी (झारखंड) शामिल रहे।

पाकुड़ में युवक ने की आत्महत्या: कोलकाता से मेकअप आर्टिस्ट की कर रहा था पढ़ाई

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के छोटी अलीगंज में सोमवार देर शाम एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक की पहचान 22 वर्षीय शुभम सिंह के रूप में हुई है। वह कोलकाता में मेकअप आर्टिस्ट का कोर्स कर रहा था। बताया जा रहा है कि शुभम कुछ दिनों से करियर को लेकर तनाव में था। बेहतर नौकरी की तलाश कर रहा था। वह डिप्रेशन में भी था। शुभम अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी तीन बड़ी बहनें हैं। शुभम के पिता सिंगारसी में कार्यरत हैं।

परिवार वालों के अनुसार, सोमवार की शाम जब शुभम का दरवाजा काफी देर तक नहीं खुला और मोबाइल पर भी संपर्क नहीं हो पाया, तो घर के पास ही रहने वाले मामा और पड़ोसी चिंतित हो गए। उन्होंने घर की बाउंड्री वॉल पार कर अंदर झांका, तो शुभम कमरे में पंखे से गमछे के सहारे लटका हुआ मिला। मौके पर पहुंची नगर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सोनाजोड़ी सदर अस्पताल भेज दिया। सहायक अवर निरीक्षक महादेव मंडल ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। हालांकि, मौत के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है।

परिवार वालों ने बताया कि शुभम घटना के एक दिन पहले ही अपने पिता से मिलने सिंगारसी गया था। लौटने के बाद वह सामान्य था, लेकिन करियर को लेकर अक्सर चिंतित रहता था। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और घर में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने कहा है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और मोबाइल की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि शुभम की मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है।

झारखंड में कैसे होगा हेमंत सरकार का पतन? बाबूलाल मरांडी ने बताया सबकुछ

मधुपुर, एजेंसी। हूल दिवस के अवसर पर प्रखंड के बुढ़ई शिव मंदिर प्रांगण में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पार्टी चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए। चौपाल की शुरुआत सिदो-कान्हू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई।

मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बर्बर कार्रवाई में कई ग्रामीणों के घायल होने की सूचना है। मैंने साहिबगंज एसपी से बात कर पूरी घटना की जानकारी ली है। आज की बर्बरता ने अंग्रेजी हुकूमत के जमाने की यादें ताजा कर दी हैं। हूल क्रांति की धरती पर छह पीढ़ियों के बाद एक बार फिर सिदो-कान्हू के वंशजों को अत्याचार और अन्याय के खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि दरअसल घुसपैठियों की गोद में बैठी राज्य सरकार नहीं चाहती कि झारखंड का आदिवासी समाज अपने पूर्वजों की वीरगाथाओं और बलिदान से प्रेरित होकर अपनी अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित हो। लेकिन सरकार की यह साजिश कभी सफल नहीं होगी। जिस तरह वीर सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने हूल क्रांति के जरिए अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी, उसी तरह आज भोगनाडीह में लाठीचार्ज की दमनात्मक घटना हेमंत सरकार के पतन का कारण साबित होगी।

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों में देश में चौतरफा विकास हुआ है। उन्होंने हर घर में शौचालय, गरीबों को आवास, मुफ्त खाद्यान्न, किसानों, मजदूरों और महिलाओं की खुशहाली के लिए चलाई जा रही योजनाओं से उन्हें अवगत कराया।

पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का खात्मा करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही संभव हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने की। चौपाल में संजय यादव, गुड्डु दुबे, दिनेश सोनी, मनोहर चौधरी, सुबल चौधरी, जयप्रकाश सिंह, सुभाष शर्मा, अशोक राजहंस, अरविंद सिंह, अजय भैया, पंकज सिंह भदोरिया, नकुल रवानी, विजय वर्णवाल, राजीव सिंह, त्रिवेणी राय, लालदेव हांसदा, अविनाश महतो समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों में देश में चौतरफा विकास हुआ है। उन्होंने हर घर में शौचालय, गरीबों को आवास, मुफ्त खाद्यान्न, किसानों, मजदूरों और महिलाओं की खुशहाली के लिए चलाई जा रही योजनाओं से उन्हें अवगत कराया।

पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का खात्मा करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही संभव हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने की। चौपाल में संजय यादव, गुड्डु दुबे, दिनेश सोनी, मनोहर चौधरी, सुबल चौधरी, जयप्रकाश सिंह, सुभाष शर्मा, अशोक राजहंस, अरविंद सिंह, अजय भैया, पंकज सिंह भदोरिया, नकुल रवानी, विजय वर्णवाल, राजीव सिंह, त्रिवेणी राय, लालदेव हांसदा, अविनाश महतो समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

जयराम महतो की पार्टी की महिला नेत्री को थाना प्रभारी ने जड़ा थप्पड़, जमकर हुआ हंगामा

धनबाद, एजेंसी। जिले के कतरास एनएच 32 आकाशकिनारी समीप स्थित बाघमारा महिला थाना में रविवार की रात जमकर हंगामा हुआ। युवक-युवती मामले को लेकर जेएलकेएम जिला अध्यक्ष भारती महतो महिला थाना पहुंची थी। युवक-युवती के मामले को लेकर जेएलकेएम नेता और महिला थाना प्रभारी वर्षा कुमारी के बीच बहस हो गई और देखते ही देखते महिला थाना प्रभारी द्वारा उनको अचानक थप्पड़ जड़ दिया गया। इस पर जेएलकेएम नेता ने भी महिला थाना प्रभारी को थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद बवाल बढ़ गया। सूचना मिलने पर कतरास थाना प्रभारी असित कुमार महिला थाना पहुंचे और जेएलकेएम समर्थकों से बातचीत कर मामला शांत कराया। जेएलकेएम महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती महतो ने बताया कि लड़की की मां और भाभी को थाना बुलाकर सुबह से बैठाकर रखा गया था। जबकि लड़के और उसके परिवार को महिला थाना प्रभारी द्वारा सुबह ही छोड़ दिया गया था। इसके बारे में पूछे जाने पर महिला थाना प्रभारी आग बबूला हो गई। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाकर थाने से बाहर कर दिया गया। इसी बीच नोंकझोंक होने लगी।

संक्षिप्त समाचार

सिगरेट पीने से मना किया तो घर में घुसकर चेन लूट ली, गाजियाबाद में तो गजब कांड हुआ

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के गुलधर में घर के सामने बाइक खड़ी कर सिगरेट पीने से मना करने पर आरोपी ने युवक से पहले गाली गलौज की, फिर दोस्तों को बुलाकर उनके घर में घुसकर मारपीट की। इस दौरान उनकी सोने की चेन और नकदी भी लूटकर ले गए। पीड़ित ने मधुबन बापूधाम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार,गुलधर के रहने वाले मनीष त्यागी ने शिकायत में बताया कि एक मई की रात उनके घर के बाहर संजयनगर निवासी दिलीप बाइक लगाकर शराब के नशे में सिगरेट पी रहा था। उन्होंने उससे वहां से बाइक हटाने के लिए कहा,तो उसने गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपी ने फोन कर अपने दोस्तों को बुला लिया। आरोप है कि दस मिनट में उसके सात से आठ दोस्त स्कूटी और बाइक से आ गए और उनके साथ गाली गलौज करने लगे।पीड़ित अपने घर चला गया तो सभी आरोपी उनके घर पहुंच गए और हमला कर दिया। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित की सोने की चेन और 1500 रुपये भी लूट लिए। इसकी शिकायत थाने देने पर आरोपी फिर उनक घर के सामने पहुंचकर जान से मारने की धमकी दी। एसीपी का कहना है कि शिकायत के बाद मामले की जांच की जा रही है।

न वैक्सीन लगवाई, न इलाज; मां-बाप के अंधविश्वास में एक साल के मासूम की पीलिया से मौत

मलप्पुरम, एजेंसी। केरल के मलप्पुरम जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक साल के मासूम बच्चे की पीलिया से मौत हो गई और अब पुलिस इस पूरे मामले की जांच मां-बाप के अंधविश्वास के तौर पर कर रही है। संदेह जताया जा रहा है कि बच्चे को समय पर दवाई नहीं दी गई, क्योंकि उसके माता-पिता एलोपैथिक इलाज के खिलाफ थे। मृतक बच्चे का नाम एसन एरहान था, जो कोट्टक्कल के रहने वाले हिरा हरीरा और नवाज का बेटा था। बच्चे की 27 जून को मृत्यु हो गई थी और प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि उसका न तो टीकाकरण हुआ था और न ही पीलिया के इलाज के लिए कोई इलाज हुआ। हैरानी की बात यह है कि बच्चे की मां एक्यूपंक्चर की चिकित्सक हैं और उन्होंने पहले भी सोशल मीडिया पर मॉडर्न मेडिसिन के खिलाफ पोस्ट की थीं, जो अब वायरल हो रही हैं और चर्चा का विषय बन गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम जब घर पहुंची, तो परिवार ने बताया कि बच्चा स्तनपान के तुरंत बाद बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई। हालांकि, टीकाकरण न कराना और अस्पताल न ले जाना अधिकारियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। बच्चे का पोस्टमार्टम के लिए शव बाहर निकाला गया है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत सरकार लिखी गाड़ी, जमकर रौब, मुंबई से फर्जी आईएएस अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी के फर्जी दस्तावेज लेकर घूमने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी खुद को आईएएस अधिकारी बताकर कस्टम गेस्ट हाउस में रुका था। इतना ही नहीं वह भारत सरकार की नेम प्लेट वाली गाड़ी का भी इस्तेमाल करता था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को जब इस घटनाक्रम का पता चला तो शनिवार को उसे मलाड इलाके में एक होटल के बाहर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान बिहार निवासी 32 वर्षीय चंद्रमोहन सिंह के रूप में हुई है। गिरफ्तार करने के दौरान उसने अपने आप को गृह मंत्रालय से संबंधित बताते हुए उसने एक फर्जी पहचान पत्र भी दिखाया। बाद में जब सख्ती से पूछताछ की गई तो वह टूट गया और उसने दस्तावेजों के जाली होने की बात को कबूल कर लिया।

पुलिस को उसके पास से रक्षा मंत्रालय से जुड़े फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं पुलिस ने बताया पकड़े जाने से पहले यह आरोपी दादर में नाके से भागने में भी सफल रहा था। यहां पर उसने पुलिस कांस्टेबल ने जब उसे ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने के लिए रोका तो उसने अपने आप को आईएएस अधिकारी बताया और वहां से निकल गया। अधिकारी के अनुसार, पुलिस फिलहाल उसे गिरफ्तार करके उसके खिलाफ संबंधित मामलों में केस दर्ज कर रही है।

नियुक्ति राजस्थान सरकार के लिए बनीं अग्निपरीक्षा 10 हजार से ज्यादा पद न्यायिक प्रक्रिया में फंसे

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। सरकार जल्द ही प्रदेश भर में मेगा रोजगार मेलों का आयोजन करने जा रही है। दावा है कि इन मेलों के जरिए 20 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी का तोहफा दिया जाएगा। अगर कोर्ट में अटकी भर्तियों के मामले सुलझ जाते हैं, तो यह संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद भी हाल ही में एक कार्यक्रम में इस योजना का संकेत दे चुके हैं।

फिलहाल 8 अहम भर्तियां ऐसी हैं जो या तो कोर्ट में अटकी हुई हैं या फिर विभागीय लापरवाही की शिकार हैं। इनमें से 4 भर्तियों पर कानूनी पेच फंसा हुआ है, जबकि 4 भर्तियों की प्रक्रिया अधिकारी स्तर की अनदेखी के कारण धीमी पड़ी हुई है। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष हनुमान किसान का कहना है कि सरकार को कोर्ट में ठोस पैरवी करनी चाहिए, ताकि चयनित अभ्यर्थियों को जुलाई में नियुक्ति पत्र सौंपे जा सकें। पशु परिचर भर्ती 2023 (6433 पद) इस भर्ती में नॉर्मलाइजेशन को लेकर विवाद है, जो कोर्ट में लंबित है। इसी कारण चयन प्रक्रिया रुकी हुई है।

इस भर्ती में कुछ सवालों को लेकर विवाद है, जिस पर कोर्ट का फैसला आना बाकी है। ऐसे में नियुक्ति प्रक्रिया लंबित है।

इस भर्ती में पहले से कार्यरत डिप्टीशनी कार्मिकों ने कोर्ट में चुनौती दे रखी है, जिससे चयनित अभ्यर्थियों की राह अटक गई है। विवादित प्रश्नों के चलते कोर्ट में मामला चल रहा है। करीब 713 पदों पर अभी भी नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं। लेवल-2 में दो गुणा परिणाम जारी हो चुका है, लेकिन उर्दू को छोड़कर अन्य विषयों का एक गुणा परिणाम अब तक लंबित है। इससे करीब 1260 नए अभ्यर्थियों को मौका मिल सकता है।600 पदों में से 120 पदों का परिणाम अब तक जारी नहीं किया गया है। चयनित अभ्यर्थी लगातार परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं। 13 मई को चयन बोर्ड ने परिणाम तो जारी किया, लेकिन शिक्षा विभाग ने अब तक दस्तावेज सत्यापन का कार्यक्रम घोषित नहीं किया।

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद बदला नियम, मेघालय सरकार ने कड़े किए नियम

शिलांग, एजेंसी।
मेघालय के अधिकारियों ने पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर पूर्वी खासी पवर्तीय जिले में बाहरी इलाकों के लिए गाइड रखना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह आदेश इंदौर के व्यापारी राजा रघुवंशी की हत्या के एक महीने बाद आया है, जिसकी योजना उनकी पत्नी ने राज्य के सोहरा क्षेत्र में अपने हनीमून के दौरान बनाई थी। पूर्वी खासी पवर्तीय जिले की उपायुक्त रोसेटा एम कुरबाह ने आदेश में कहा, 'सुरक्षा कारणों को देखते हुए, अब सभी पर्यटकों के लिए क्षेत्र में पर्वतारोहण के दौरान रजिस्टर्ड गाइड की सेवाएं लेना जरूरी है।' इससे अलग-थलग क्षेत्रों में खो जाने, चोट लगने या आपराधिक गतिविधियों का शिकार होने जैसी घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी। कुरबाह जिला पर्यटन संवर्धन सोसाइटी की अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। उक्त घटना की पूरे देश में चर्चा हो रही है और मामले में मध्यप्रदेश के इंदौर से आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पर्यटन अधिकारियों ने कहा कि आदेश का सख्ती से पालन किया जाएगा। उल्लंघन करने वालों को जुर्माना भरना पड़ सकता है या उन्हें विभिन्न मार्गों पर जाने से रोका जा सकता है। प्रशासन ने निर्देश को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अधिक ट्रेंड गाइड तैनात करने और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने की भी योजना बनाई है। इससे पहले, मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीमने रविवार को अहम सफलता हासिल करते हुए राजा रघुवंशी की गुम हुई सोने की चेन समेत कई अहम सबूत बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स के मध्यप्र देश के रतलाम जिले में स्थित आवास पर छापेमारी के दौरान यह बरामदगी की गई। इस अभियान में राजा और उसकी पत्नी सोनम के सोने के आभूषण, लैपटॉप और अन्य सामग्री जब्त की गई।

यूपी में जहां-तहां कचरा फेंकने वाले रहें सावधान, अब कई विभागों की आप पर नजर, लगाएंगे तगड़ा जुर्माना

कानपुर, एजेंसी।
यूपी में गंगा ही नहीं अब गलियों तक में कूड़ा फेंकना दंडनीय अपराध होगा। ऐसा करने पर आपको 50,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। यह निर्देश नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने ओरीजिनल अप्लीकेशन (ओए) पर सुनवाई के दौरान दिया है। एनजीटी के आदेश के अनुपालन में उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने सख्ती का फरमान जारी किया है। यूपीपीसीबी के अलावा नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत के अधिकारी जुर्माना लगाने की कार्रवाई कर सकेंगे।

एनजीटी ने राम मिलन साहनी बनाम स्टेट ऑफ यूपी व अन्य के प्रकरण की बीते दिनों सुनवाई की। एनजीटी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यूपी की किसी भी नदी, झील, तालाब, वेटलैंड के अलावा पीडब्ल्यूडी और राजस्व भूमि पर कचरा फेंकना दंडनीय अपराध होगा। कचरा फेंकने वाले व्यक्ति पर पर्यावरणीय क्षति के तहत जुर्माना लगाया जाएगा। एनजीटी ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 30 जुलाई मुकर्रर की है। 9 जुलाई तक आदेश के अनुपालन में यूपीपीसीबी को आख्या दाखिल करनी है। क्षेत्रीय अधिकारी यूपीपीसीबी 7 जुलाई तक मुख्य पर्यावरण अधिकारी को अपनी आख्या भेजेंगे।

गलियों या जलाशय में कचरा फेंकने पर पहली बार 5000 रुपये जुर्माना लगेगा। दूसरी बार कूड़ा फेंकते पकड़े जाने पर 10-10 हजार रुपये जुर्माना लगेगा। जुर्माने की इस कार्रवाई के दायरे में खासकर वह लोग आएंगे, जो घर के बाहर सड़क या पार्कों में कूड़ा फेंकने के आदी हैं। घर का कचरा या मलबा बड़ी मात्रा में फेंकने वालों पर पर्यावरणीय क्षति की दर अलग तय की गई है। ऐसे लोगों पर पहली बार कचरा फेंकने पर 25000 रुपये की वसूली होगी। दूसरी या इससे अधिक बार कचरा फेंकते पाए जाने पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। जुर्माने की राशि जमा न करने पर राजस्व विभाग आरसी का नोटिस जारी करेगा। आरसी जारी होने पर भी जुर्माना न भरने पर विधिक कार्रवाई होगी। एनजीटी ने कहा है कि वसूली गई राशि का प्रयोग सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में किया जाएगा। ताकि, पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सके। गंगा में कूड़ा फेंकने पर अभी नगर निगम 2500 रुपये तक जुर्माना लगाता है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नेशनल एक्ट में 5000 रुपये जुर्माना का प्रावधान है। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अफसर व नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित सिंह गौर ने बताया कि नगर निगम सदन ने कूड़ा फेंकने पर 2500 की दर तय की थी। कूड़ा फेंकने पर कई लोगों से वसूली भी की जा चुकी है।

यूपीपीसीबी के आरओ अजीत कुमार सुमन ने कहा बताया कि सदस्य सचिव यूपीपीसीबी ने एनजीटी के आदेश के अनुपालन के निर्देश दिए हैं। अब गंगा ही नहीं गलियों में भी कूड़ा फेंकने पर 50 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा। पीसीबी के अलावा स्थानीय निकाय को भी कार्रवाई का अधिकार है।

कर्नाटक में सीएम बदलने पर रार तेज, शिवकुमार गुट बोला- 100 एमएलए साथ, हाईकमान ने भेजा दूत

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में सीएम बदलने की मांग फिर से जोर पकड़ रही है और इस बार तो मामला दिल्ली दरबार तक जा पहुंचा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को ही इसका संकेत दिया था। इस बीच दिल्ली से आए प्रतिनिधि के तौर पर रणदीप सुरजेवाला ने कर्नाटक के कई विधायकों से मुलाकात की है। फिलहाल सोनिया और राहुल गांधी चाहते हैं कि विधायक शांत हो जाएं और खींचतान सार्वजनिक तौर पर न दिखे। वहीं डीके शिवकुमार के समर्थक अब आर-पार के मूड में दिख रहे हैं। कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत हुई थी। इस इलेक्शन के बाद चर्चा थी कि डीके शिवकुमार सीएम होंगे, लेकिन सिद्धारमैया को मौका मिला।

किसी ने खुलकर कुछ नहीं कहा था, लेकिन तब से ही डीके शिवकुमार के समर्थक दोहरा रहे हैं कि सिद्धारमैया को ढाई साल के लिए ही सीएम बनाया गया है। इसी के चलते अब वे बदलाव की मांग कर रहे हैं। इस बीच डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने बड़ा दावा किया है। हुसैन का कहना है कि करीब 100 कांग्रेस विधायक डीके शिवकुमार के साथ हैं और ये सभी लोग अब मुख्यमंत्री के तौर पर उन्हें देखना चाहते हैं। हम सभी की मांग है कि अब बदलाव हो जाए। यही नहीं उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिवकुमार को सत्ता नहीं सौंपी गई तो फिर कांग्रेस 2028 में वापसी नहीं कर पाएगी।

शिवकुमार के करीबी ने कहा कि मैं इस बारे में दिल्ली से आए रणदीप सुरजेवाला से भी बात करूंगा। उन्होंने कहा कि यदि अभी बदलाव नहीं हुआ तो फिर देर हो जाएगी। पार्टी के हित में है कि शिवकुमार को अब सत्ता दी जाए। दरअसल मल्लिकार्जुन खरगे ने बढ़ते विवाद को लेकर सोमवार को कहा था कि इस बारे में कोई फैसला पार्टी हाईकमान ही ले सकता है। इस पर हुसैन ने कहा कि हमने तो हमेशा ही हाईकमान का सम्मान किया है। पार्टी में अनुशासन भी है। लेकिन हम हर बात हाईकमान को बताएंगे। कर्नाटक के बारे में सारे तथ्य उनके आगे रखेंगे। कर्नाटक में डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक ऐक्टिव हैं, लेकिन सीएम सिद्धारमैया सब नॉर्मल दिखाने की कोशिश में हैं। उन्होंने मीडिया के सवालों पर कहा कि सिद्धारमैया के साथ कोई मतभेद नहीं हैं।

गुरुग्राम-सोहना हाईवे दो साल में पांचवीं बार धंसा

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम-सोहना हाईवे एक बार फिस से धंस गया। पिछले दो साल में यह पांचवीं बार धंसा है। इस बार सड़क में करीब चार मीटर चौड़ा गड्ढा होने की सूचना है। गनीमत रही कि धंसे हिस्से के ऊपर अभी सड़क का निर्माण नहीं हुआ था। गत 18 जून को भी गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर रहेजा मॉल के पास एक गड्ढा हो गया था।

इसकी सूचना मिलने पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इस हाईवे की बैरिकेडिंग कर दी गई। जीएमडीए ने 19 जून से इस हाईवे के नीचे से निकल रही सीवर लाइन को दुरुस्त करने का काम शुरू किया। 27 जून को सीवर लाइन दुरुस्त किया गया। 28 जून को जीएमडीए ने एनएचएआई को सूचित किया कि सीवर लाइन की मरम्मत कर दी गई है। अभी हाईवे निर्माता कंपनी की तरफ से हाईवे के इस क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरुस्त करने की योजना बनाई जा रही थी कि सोमवार शाम को इस हिस्से के दोबारा धंसने की सूचना सामने आ गई। इस बार सड़क के इस हिस्से में करीब चार मीटर चौड़ा गड्ढा हो गया। एनएचएआई ने जीएमडीए को इसकी जानकारी दे दी है। जीएमडीए ने सीआईपीपी (क्यूरड इन प्लेस पाइप) पद्धति से इस सीवर लाइन की मरम्मत करने की योजना बनाई थी। इसके तहत पिछले साल नवंबर माह में 19.31 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया था। सीआईपीपी करने वाली कंपनियों के कम होने के कारण इस टेंडर के तहत दो कंपनियों ने आवेदन किया था। राकेश भारद्वाज, पदाधिकारी, हाईवे निर्माता कंपनी, जीएमडीए की क्षतिग्रस्त सीवर लाइन की वजह से कभी भी हादसा हो सकता है। दो दिन पहले जीएमडीए अधिकारियों ने सूचना दी थी कि क्षतिग्रस्त सीवर लाइन को दुरुस्त कर दिया है। अभी तो सड़क का निर्माण करना शुरू नहीं किया था तो हाईवे का बहुत बड़ा हिस्सा धंस गया। इसकी वजह से बड़ा हादसा हो सकता है। योगेश तिलक, परियोजना अधिकारी, एनएचएआई, पांचवीं बार गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर रहेजा मॉल के पास सीवर की लाइन क्षतिग्रस्त हुई है। जीएमडीए को सूचना दे दी है। उनसे आग्रह किया है कि सीवर लाइन को दुरुस्त करवाया जाए।

नए नोएडा का जमीन अधिग्रहण सर्किल रेट लागू न होने से अटका

नोएडा एजेंसी।
गौतमबुद्ध नगर के नए सर्किल रेट दो महीने पहले तय हो चुके हैं, लेकिन उन्हें लागू करने का फैसला अब तक नहीं हो सका है। इसके चलते मुआवजे की दर तय नहीं पा रही है। इस कारण नए नोएडा के लिए जमीन अधिग्रहण की मुआवजा राशि भी प्रस्तावित नहीं हो सकी है। शासन ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए जनवरी 2021 में दादरी-नोएडा गाजियाबाद विशेष निवेश क्षेत्र (डीएनजीआईआर) यानी नए नोएडा की घोषणा की थी। शासन ने नए शहर के लिए अक्टूबर 2024 में अधिसूचना जारी की थी और इसके विकास का जिम्मा नोएडा प्राधिकरण को सौंपा था। नोएडा प्राधिकरण इसके लिए होने वाले जमीन अधिग्रहण के लिए एक हजार करोड़ का बजट भी स्वीकृत कर चुका है, लेकिन अब तक अधिग्रहण तो दूर मुआवजा की दर भी प्रस्तावित नहीं हैं। नए नोएडा में गौतमबुद्ध नगर के अलावा बुलंदशहर के भी गांव शामिल हैं। जमीन के मुआवजे की दर दोनों ही जिलों के प्राधिकरण और प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में तय होनी है। इसके लिए पिछले लंबे समय से किसानों से वार्ता भी चल रही है, लेकिन मुआवजा दर घोषित नहीं हो सकी है। मुआवजे की दरें क्या रखी जाएं, इसके लिए प्राधिकरण की समिति अध्ययन कर प्रस्ताव तैयार कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड से जो दरें तय होंगी, उन पर किसानों से जमीन ली जाएगी। इसके लिए नए सर्किल रेट लागू होने का भी इंतजार है। नया नोएडा 20 हजार 911.29 हेक्टेयर में बसाया जाएगा। नोएडा की घोषणा होने के बाद से ही बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण शुरू हो गया है। पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दादरी बाईपास के आसपास अवैध कॉलोनियां बसने के साथ वेयर हाउस भी बन गए हैं।

ओडिशा में नगर निगम के अधिकारी संग मारपीट मामले में ऐक्शन, तीन हमलावर गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी।
ओडिशा प्रशासनिक सेवा के सीनियर अधिकारी और भुवनेश्वर नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त रत्नाकर साहू के साथ सोमवार को कुछ बदमाशों ने मारपीट की। पुलिस ने यह जानकारी दी। साहू ने खारवेलनगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। भुवनेश्वर के डीसीपी जगमोहन मीना ने बताया, अधिकारी ने खारवेल नगर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। हमने अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी ने कहा कि पुलिस ने अब तक जीवन राउत, रश्मि महापात्रा और देबाशीष प्रधान को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता का पता लगाया जा रहा है।

ओएएस अधिकारी पर हमले के विरोध में बीजद समर्थकों ने मुख्य सड़क जनपथ को जाम कर दिया। ओएएस एसोसिएशन ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जिनकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। विपक्ष के नेता और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी (जो गृह विभाग के भी प्रभारी हैं) से कहा कि वह अपनी सरकार में विश्वास बहाल करें। पूर्व राज्यपाल के बेटे की ओर से एक अधिकारी पर हमले की तरह इस जघन्य कृत्य के दोषियों दंडित किए बिना न जाने दें।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 30 जून दोपहर 12:30 से 1:00 बजे के बीच, कुछ अज्ञात युवकों ने रत्नाकर साहू के चैंबर में जबरन प्रवेश किया। इनमें बीजेपी कॉरपोरेटर जीवान राउत भी शामिल थे। साहू द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, छह-सात अज्ञात व्यक्ति उनके दफ्तर में घुस आए और आक्रामक तरीके से पूछा कि क्या उन्होंने भुवनेश्वर के भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान से बात की है। साहू ने कहा कि उन्होंने जवाब दिया कि दिन में कुछ देर पहले प्रधान के साथ उनकी टेलीफोन पर बात हुई थी। जगन्नाथ प्रधान 2024 के विधानसभा चुनाव में हार गए थे।

इसके बाद समूह ने कथित तौर पर बिना किसी उकसावे के उन पर हमला करना शुरू कर दिया और मांग करते हुए कहा कि वे प्रधान से माफी मांगें। वे उनसे माफी की मांग क्यों कर रहे थे, यह स्पष्ट नहीं है। भीड़ ने उन्हें कॉलर से पकड़कर कार्यालय से बाहर घसीटा, थप्पड़ मारे, और चेहरे पर लात मारकर क्रूरता से पीटा। साहू ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने उन्हें जबरन एक वाहन में ले जाने की कोशिश की, जो अपहरण का प्रयास हो सकता था।

इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें साहू को घसीटते, पीटते और अपमानित करते हुए देखा जा सकता है। यह हमला करीब 25 मिनट तक चला, और सैकड़ों बीएमसी कर्मचारी और निजी सुरक्षा गार्ड मूकदर्शक बने रहे। अंततः, भुवनेश्वर की मेयर सुलोचना दास और पूर्व डिप्टी मेयर भारती सिंह ने हस्तक्षेप कर साहू को बचाया। साहू ने शिकायत में कहा, उन्होंने मुझे सार्वजनिक रूप से, जन प्रतिनिधियों यानी बीएमसी के पार्षदों, बीएमसी अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों की मौजूदगी में हत्या के प्रयास के साथ बेरहमी से पीटा। जब मैं खुद को बचाने और दया की भीख मांगने की कोशिश कर रहा था।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

अब दो बार परीक्षा, फैसले से छात्रों का खुद पर बढ़ेगा भरोसा

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं कक्षा की परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित करने का फैसला विद्यार्थियों के लिए राहत भरा है। सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र 2026 से इस व्यवस्था को लागू करने के लिए मानदंडों को अंतिम मंजूरी दे दी है। यह बदलाव इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे न केवल विद्यार्थियों को अपने अंकों में सुधार करने का एक और मौका मिलेगा, बल्कि पढ़ाई को लेकर उनका तनाव भी कम होगा। परीक्षा का पहला चरण फरवरी और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा ।हालांकि, पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा, लेकिन दूसरा मौका मिलने से उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव निश्चित रूप से कम होगा। सीबीएसई का परीक्षा व्यवस्था में यह बदलाव नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को तनावमुक्त माहौल प्रदान करने को तवज्जो दी गई है। विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिहाज से सीबीएसई के इस फैसले को एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है ।दरअसल, दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को परीक्षा का एक और मौका पहले भी मिलता था, लेकिन वह केवल पूरक परीक्षा के लिए होता था। नई व्यवस्था के तहत दूसरे चरण की परीक्षा में विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और अच्छे अंक हासिल करने का मौका मिल सकेगा। जाहिर है कि इससे विद्यार्थियों पर पढ़ाई को लेकर दबाव कम होगा ।विद्यार्थी अपनी तैयारी को लेकर यह भी तय कर सकेंगे कि पहले और दूसरे चरण की परीक्षा में किन-किन विषयों पर ध्यान केंद्रित करना है। मसलन, पहली परीक्षा में गणित, अंग्रेजी और विज्ञान पर और दूसरी परीक्षा में अन्य विषयों पर विशेष ध्यान देना है। नई व्यवस्था में भले ही परीक्षा के दो चरण होंगे, लेकिन विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन वर्ष में सिर्फ एक बार किया जाएगा। यह बदलाव भी परीक्षा प्रक्रिया को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

शुभांशु की उड़ान से गगनयान को मिला नया आत्मविश्वास

अंतरिक्ष अब कुतूहल का विषय नहीं, बल्कि कारोबारी संभावनाओं के अनंत आकाश में तब्दील हो चुका है। इसीलिए दुनिया के तमाम उन्नत देश अंतरिक्ष में अपनी पहचान अंकित करने की होड़ में नजर आते हैं। भारत भी पिछले कुछ वर्षों से अपने तकनीकी विकास, अनुसंधान क्षमता और प्रणाली के बल पर अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो गया है। उपग्रह प्रक्षेपण के कारोबार में तो वह दुनिया के कई देशों को चुनौती देने लगा है। अब भारत अपनी महत्त्वाकांक्षी गगनयान योजना पर काम कर रहा है। उस दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजंसी नासा ने एक्सिओम मिशन-4 के तहत जिन चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा है, उनमें भारतीय वायुसेना के कप्तान शुभांशु शुक्ल भी शामिल हैं। शुभांशु को खासतौर पर गगनयान मिशन की दृष्टि से ही तैयार किया गया था। वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच कर सात प्रयोग करेंगे। यह भारत के लिए इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है कि लंबे समय बाद उसका तैयार किया हुआ कोई अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में गया है। राकेश शर्मा के बाद शुभांशु को दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री का गौरव प्राप्त हुआ है ।अंतरिक्ष में मानव को भेजना इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि उन्नत अंतरिक्ष यानों, ताकतवर कैमरों, रोबोटिक यंत्रों आदि के विकास के बावजूद अंतरिक्ष के विस्तार को पूरी तरह खंगाल पाना संभव नहीं है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया गया, ताकि वहां रह कर अंतरिक्ष यात्री विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन कर सकें। मगर उस स्टेशन तक मानव को भेजना और वापस लाना अब भी बड़ी चुनौती है। सुनीता विलियम्स के वहां लंबे समय तक फंस जाने की घटना से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है ।जिन यात्रियों को वहां भेजा जाता है, उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है।

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

(ललित गर्ग)

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है। अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

जातिवाद और तुष्टीकरण की विकृत राजनीति का खतरनाक खेल

(मृत्युंजय दीक्षित)

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तीव्र हो रही हैं। इन सरगर्मियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश के प्रमुख विरोधी दल समाजवादी पार्टी के साथ साथ अन्य विरोधी दल भी इन आगामी चुनावों में पहले की ही तरह जातिवाद और तुष्टीकरण को ही अपना प्रमुख हथियार बनाएंगे। सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस प्रकार पीडीए के नाम पर हिन्दू समाज को जाति-जाति में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने अर्थात वर्ष 2027 में सपा सरकार बनाने की योजना बनाई है वह वास्तव में प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त करने का एक खतरनाक खेल है। विगत दिनों प्रदेश में कई ऐसी घटनाएं घटी हैं जो इस खतरनाक खेल की आहट दे रही हैं। समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव इटावा में कथावाचक के साथ घटी घटना पर आक्रामक होकर आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं वहीं नैमिष में एक अन्य कथावाचक के साथ घटीअप्रिय घटना पर मौन हैं। यह तो अच्छा हुआ कि पुलिस प्रशासन ने इटावा के कथावाचक के साथ मारपीट की घटना से सम्बंधित चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच आरंभ हो गई है। इटावा की घटना को लेकर अनावश्यक रूप से ब्राह्मण समाज के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं वो सामाजिक वैमस्यता बढ़ाने वाली हैं। स्मरणीय है कि सत्ता की भूख में आज पीडीए की बात करने वाले सपा मुखिया की सरकार बनते ही 2012 में सबसे पहले सीतापुर में बड़ी संख्या में दलित समाज के घरों को जला दिया गया था। इटावा की घटना की जांच चल रही है किंतु अखिलेश यादव जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए गलत बयानी कर रहे हैं। हिंदू समाज में किसी भी जाति का, कोई भी व्यक्ति जिसे धर्मग्रंथों का ज्ञान है तथा जनमानस को अच्छी बातें बताने की क्षमता रखता है वह कथावाचन कर सकता है। अधिकांश कथा वाचक गैर ब्राह्मण ही हैं। कथावाचक की जाति पर कभी चर्चा नहीं होती। यदि कोई कथावाचक अपनी जाति व धर्म को छुपाकर यह कृत्य करता है तो चिंता की बात है। कोई कथा कहना चाहता है तो उसे अपना सही नाम बताने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए । नाम छुपाने के साथ साथ एक से अधिक आधार कार्ड रखना एक आपराधिक कृत्य है कोई कथावाचक ऐसा क्यों करेगा? इस पूरी घटना में सपा की प्रतिक्रिया से लगता है कि संभव है कि इटावा की घटना सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत करवाई गई हो और एक समय बसपा का नारा रहे तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार को अब सपा ने अपना लिया है। सपा ने पीडीए का दिल जीतने के लिए ब्राह्मण समाज का अपमान किया है। इस बीच सपा ने राज्यसभा चुनावों के दौरान क्रास वोटिंग करने वाले तीन विधायकों ऊंचाहार से मनोज कुमार पांडेय, गोसाईगंज से अभय सिंह और गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निकाल दिया है। सपा की ओर से एक्स पर लिख गया कि सांप्रदायिक व पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को निकाला गया है। वहीं इन विधायकों का कहना है कि भगवान राम और रामचरित मानस के अपमान का विरोध करने के कारण इन सभी को निष्कासित किया गया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5779

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5778

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

वर्ग पहेली 5779

1	2		■	3	■	4	
5		■	6		7		■
■	8	9				■	10
11			■	12		13	
14		■	15		■	16	
	■	■		■	17		■
18	19	20	■		■	22	23
■	24				■	25	

संकेतः बाएं से दाएं
1. यह वेस्टइंडीज के ग्रेटर एण्टीलीज समूह का एक द्वीप है जिसकी राजधानी किंगस्टन है (3)
4. पुराणानसुार यह राजा ययाति का पुत्र था, दिवंगत अभिनेता राजकुमार का अभिनेता पुत्र (2)
5. मालिका, फूलों का हार (2)
6. जिसकी सभी सतह समान हों, हमवार (4)
8. चितवन चंचल करना, नेत्र मुद्रा करना, आंख मटकाना (5)
11. अनश्वर, अविचल (3)
12. शोभा, सजधज, कढ़ाई काम (4)
14. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला, पेंदा, नीचे की सतह (2)
15. गौरव, दृढ प्रतिज्ञा (2)
16. नियम, कानून-कायदे (अंग्रेजी)(2)
17. प्रभाव, लक्षण (2)
18. अस्तित्व, मोजदूगी, विद्यमानता (3)
22. ग्राम, देहात, खेड़ा (2)
24. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
25. धैर्य, धीरज, स्थित चित्त (2)

ऊपर से नीचे
1. एकत्रित, संग्रहित, इकटठा किया हुआ (2)
2. फणीश्वर नाथ रेणु की इस सुप्रसिद्ध उपन्यास का प्रथम प्रकाशन 1954 में हुआ था (3)
3. कमल पर विराजित होने के कारण ब्रह्मा का एक नाम यह भी है (5)
4. ब्रिज, सेतु (2)
6. सत्य, हकीकत, यथार्थ, असलीयत (2)
7. कलह, वैमनस्य (3)
9. अकल्याणकारी, अहितकारी, दुर्जन (2)
10. जिसे टाला न जा सकें, स्थायी (3)
11. इसलिए, इस कारण, इस निमित्त (4)
13. ये भारतीय संसद के निम्न सदन लोसकभा सुल्तानपुर के सदस्य है (5)
15. किसी वस्तु को पाने की आकांक्षा (2)
19. कार्य या शक्ति का मात्रक (2)
20. भाव, मूल्य, निर्ख, दहलीज (2)
21. इनामल, मद्य कुंभ (2)
23. देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ (2)

वर्ग पहेली 5778 का हल

बो	लि	वि	या	■	प	ला	ऊ
ल	■	का	म	■	स	मा	न
ती	त	र	■	कु	ली	■	■
बं	क	■	गु	रू	■	ग	प
द	री	■	म	रा	ठी	■	ह
क	र	वा	■	ज	क	ड़	ना
र	■	र	फू	■	आ	■	वा
ना	च	ना	■	म	ना	ली	■

आज का राशिफल

मेष
आज आत्मबल बहुत ऊंचा रहेगा और आप कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी ज़िम्मेदारी बखूबी निभा सकते हैं। जो लोग सेना, पुलिस, इंजीनियरिंग या एडमिनिस्ट्रेशन में हैं, उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा। व्यापारियों को अचानक कोई बड़ा ऑर्डर या लाभकारी समझौता मिल सकता है। किसी पुराने निवेश से लाभ संभव है।

वृष
आज भाग्य साथ देगा और आपको कार्यस्थल में नई योजनाओं पर काम करने का मौका मिल सकता है। किसी नए कार्य की शुरुआत होगी और आपकी कार्यकुशलता की तारीफ होगी। जो लोग स्वास्थ्य, चिकित्सा, सेवा या रिसर्च से जुड़े हैं, उन्हें प्रमोशन या आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। अगर आप नौकरी बदलना चाहते हैं तो आवेदन कर सकते हैं।

कर्क
आज भाग्य साथ दे रहा है और कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को मंजूरी मिल सकती है। जो लोग नौकरी में स्थिरता चाहते हैं उन्हें उच्चाधिकारियों का समर्थन मिलेगा। अकाउंटिंग, मैनेजमेंट या रियल एस्टेट में लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी लेकिन अत्यधिक वर्कलोड तनाव भी दे सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सिंह
आज आज साथ दे रही है और कार्यक्षेत्र में नयापन आएगा। आप अपनी सोच से सबको प्रभावित करेंगे। किसी प्रतियोगी या पुराने सहयोगी से फिर से संपर्क बनेगा, जिससे लाभ होगा। तकनीकी क्षेत्र, सॉफ्टवेयर, डेटा और इंजीनियरिंग से जुड़े लोगों को अच्छा अवसर मिलेगा। खर्चों की अधिकता हो सकती है, लेकिन आय भी बनी रहेगी।

मिथुन
आज दिन उन्नति वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में बदलाव या ट्रांसफर की संभावना है, जो दीर्घकालिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगी। व्यापार में नई पार्टनरशिप का प्रस्ताव आ सकता है, लेकिन जांच-पड़ताल के बाद ही निर्णय लें। शेयर मार्केट या संपत्ति में निवेश करना लाभकारी रहेगा।

कन्या
आज किस्मत साथ दे रही है। आपका आत्मविश्वास और धैर्य आपके लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। बिजनस में विस्तार के लिए नए क्लाइंट या निवेशक से संपर्क बनेगा। मेडिकल, स्पिरिचुअल, एजुकेशन या केयर संबंधी क्षेत्रों में जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा।

तुला
आज भाग्य साथ दे रहा है। बुद्धि और चातुर्य के बल पर आप कोई जटिल समस्या हल कर सकते हैं। मीडिया, मार्केटिंग और टेक्नॉलजी के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्रमोशन या मान्यता मिल सकती है। कुछ अप्रत्याशित खर्च सामने आ सकते हैं, परंतु आय के स्रोत भी बने रहेंगे। काम का विस्तार करने से पहले वरिष्ठों से सलाह जरूर लें। पुराने कर्ज से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक
आज नौकरी में परिवर्तन के संकेत हैं, जो आपकी आय को नई दिशा देंगे। किसी पुराने सहकर्मी की मदद से आपको कोई नया ऑफर मिल सकता है। व्यापार में साझेदारी से फायदा होगा, विशेषकर प्रॉपर्टी या कंस्ट्रक्शन से जुड़े लोगों को। पिता या किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। पेंडिंग प्रॉजेक्ट पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। आपको धन सम्मान का लाभ होगा।

मकर
आज लाभ के योग बन रहे हैं और व्यवसाय में विस्तार की योजना बन सकती है, खासकर फैशन, कला, परामर्श या डिज़ाइनिंग से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। किसी बड़े क्लाइंट से संपर्क बनेगा, जो भविष्य में फायदेमंद होगा। नौकरीपेशा लोगों को वर्कलोड अधिक होगा लेकिन परिणाम भी सकारात्मक आएंगे। विदेशी संपर्क या आयात-निर्यात से जुड़ी गतिविधियां फायदेमंद होंगी।

कुंभ
आज दिन शुभ है और काम में आपका अनुभव और साहस रंग लाएगा। स्टील, ऑटोमोबाइल, आयुर्वेद, इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े व्यवसायों को नया ऑर्डर या सरकारी अनुबंध मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी नई तकनीक या सॉफ्टवेयर का लाभ उठाने का समय है। निवेश से जुड़े निर्णय सोच समझकर लें। विरोधियों से सतर्क रहें लेकिन अंततः सफलता आपकी होगी। आपको धन के निवेश के फैसले न लेने की सलाह है।

धनु
आज आप प्रभावी व्यक्तित्व के साथ कार्यक्षेत्र में अपनी जगह बनाएंगे। लंबे समय से अटके प्रोजेक्ट पूरे होंगे। जो लोग लोन या ग्रांट का इंतज़ार कर रहे हैं, उन्हें अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। व्यापारी वर्ग को कोई सरकारी टेंडर या नई सप्लाई का अवसर मिलेगा। धन की आवक सामान्य से बेहतर रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचना चाहिए।

मीन
आज दिन शुभ है और नौकरी में बदलाव की सोच रहे हैं तो यह समय उपयुक्त है। प्रमोशन या इन्क्रीमेंट की संभावना है। लेखन, मीडिया, शिक्षा और कानूनी क्षेत्र के लोग विशेष लाभ में रहेंगे। विदेशी कंपनियों से जुड़ने का अवसर मिल सकता है। व्यवसाय में पुरानी योजनाएं सफल होंगी, लेकिन धन के मामले में संभलकर काम करें। परिवार में थोड़ी बहस संभव है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

हॉकी:

यूरोप दौरे पर इंडिया-ए की कमान संभालेंगे संजय

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यूरोप के आगामी दौरे के लिए इंडिया-ए पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 8 से 20 जुलाई तक चलेगा। भारत के इस यूरोप दौरे में कुछ शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले जाएंगे, जिसका उद्देश्य उभरते और अनुभवी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है। इंडिया-ए टीम आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि उसे इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलना है। 20 सदस्यीय टीम में अनुभवी और होनहार युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सर्किट में प्रभावित किया है। इंडिया-ए टीम की कप्तानी संजय करेंगे, जबकि मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह उप-कप्तान होंगे। भारत की टीम में गोलकीपर पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार और डिफेंडर प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, प्रमोद और संजय शामिल हैं। मिडफील्डर्स में पूवन्ना चंदुरा बॉबी, मोहम्मद राहील मौसीन, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह मौजूद हैं, जबकि फॉरवर्ड लाइन-अप में अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह हैं। स्टैंडबाय खिलाड़ियों की लिस्ट में गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको शामिल हैं। यूरोप के दौरे पर टीम को शिवेंद्र सिंह ट्रेनिंग देंगे, जो पुरुष टीम के असिस्टेंट कोच भी हैं। शिवेंद्र सिंह बेहद अनुभवी हैं। वह आक्रामक खेल पर खासा ध्यान देते हैं। यह दौरा हॉकी इंडिया के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय हॉकी सितारों की अगली पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका देना है।

यूरोप दौरे के लिए भारत-ए की टीम:

गोलकीपरः पवन, मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडरः प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, संजय (कप्तान) और प्रमोद।

मिडफील्डरः पूवन्ना चंदूरा बॉबीमोहम्मद राहील मौसीन, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह (उप-कप्तान), विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह।

फॉरवर्डः अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह।

स्टैंडबायः अंकित मलिक (गोलकीपर), सुनील जोजो (डिफेंडर) और सुदीप चिरमाको (फॉरवर्ड)।

वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप 2025:

इंग्लैंड का क्लीन स्वीप, मार्क गुडलिफ बने पहले विश्व विजेता

लंदन, एजेंसी। लंदन के प्रतिष्ठित नेहरू सेंटर में आयोजित पहले वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप में शब्दों की चतुराई और मानसिक तीव्रता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां टीम इंग्लैंड ने शीर्ष तीनों स्थानों पर कब्जा करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 13 बार टाइम्स क्रॉसवर्ड चैंपियनशिप जीत चुके मार्क गुडलिफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए WCCC 2025 विश्व कप विजेता का खिताब अपने नाम किया। कॉलिन थॉमस को प्रथम उपविजेता घोषित किया गया, जबकि जॉन हेंडरसन ने तीसरा स्थान प्राप्त कर इंग्लैंड की प्रभुत्वता को और मजबूत किया। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित हुई।

बुमराह आउट कुलदीप IN...

इंडिया-इंग्लैंड दूसरे टेस्ट में होंगे ये बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार, 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा. इससे पहले मंगलवार को भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने टीम इंडिया की संभावित रणनीति और बदलावों को लेकर अहम जानकारी दी. रयान टेन डोशेट ने साफ कहा कि दूसरे टेस्ट में कम से कम दो बदलाव होंगे. टीम बर्मिंघम टेस्ट में नए कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है.

बुमराह को आराम, लॉर्ड्स टेस्ट में वापसी संभव

रयान टेन डोशेट ने बताया कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को बर्मिंघम टेस्ट में आराम दिया जा रहा है. वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें यह ब्रेक दिया गया है और वह तीसरे टेस्ट (लॉर्ड्स में) वापसी के लिए उपलब्ध रहेंगे.बुमराह ने पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया था, लेकिन लगातार क्रिकेट को देखते हुए उन्हें ब्रेक देना ज़रूरी समझा गया.

जायसवाल स्लिप फील्डिंग से बाहर, लगातार कैच ड्रॉप्स पड़े भारी

पहले टेस्ट में युवा सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जैसवाल ने चार कैच छोड़े थे, जिससे इंग्लैंड को बड़े रन बनाने में मदद मिली. अब टीम मैनेजमेंट ने फैसला किया है कि जायसवाल को स्लिप कॉर्डन से हटा दिया गया है और उन्हें फिलहाल आउटफील्ड में लगाया जाएगा. जायसवाल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक ज़रूर लगाया था, लेकिन फिल्डिंग में उनकी गलती टीम पर भारी पड़ी.

शार्दुल ठाकुर की जगह नीतीश कुमार रेड्डी की एंट्री तय

पिछले मैच में शार्दुल ठाकुर गेंद और बल्ले दोनों से खास प्रभाव नहीं डाल सके. अब उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा रहा है और उनकी जगह आंध्र प्रदेश के युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में शामिल किया जा सकता है.

वहीं, बर्मिंघम की पिच पर इस बार गर्म मौसम और सूखी सतह को देखते हुए भारत दो स्पिन गेंदबाजों को प्लेइंग इलेवन में शामिल कर सकता है. रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर- इन तीनों में से दो को मौका मिलने की संभावना है. पहले टेस्ट में रवींद्र जडेजा को अकेले स्पिनर के रूप में खिलाया गया था, लेकिन अब बदलाव की तैयारी है. रायन टेन डोशाटे ने कुलदीप यादव की नेट बॉलिंग की तारीफ की और कहा कि वो शानदार लय में हैं और विकेट लेने की भूख के साथ मैदान पर उतरने को तैयार हैं. भारत को पहले टेस्ट में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था.

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की

आर्चर टीम में नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए सोमवार 30 जून को अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जो बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू होगा। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाई थी। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम में दूसरे मैच के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को शुरुआती प्लेइंगअप में शामिल नहीं किया गया है। आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे। दूसरी तरफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिए जाने की उम्मीद है जिससे भारत की लाइनअप में बदलाव देखने को मिल सकता है। बुमराह के अलावा भारतीय टीम में स्पिनर कुलदीप यादव को भी शामिल करने की बात सामने आ रही है जो लंदन में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

विंबलडन 2025:

विंबलडन के पहले दौर में उलटफेर का शिकार हुए मेदवेदेव, बेंजामिन बोंजी ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। नौवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव सोमवार को विंबलडन के शुरुआती दौर में 64वीं रैंकिंग वाले बेंजामिन बोंजी से 7-6 (2), 3-6, 7-6 (3), 6-2 से हार के साथ उलटफेर का शिकार बने। पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मेदवेदेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। रूस के यह खिलाड़ी इससे पहले फ्रेंच ओपन में भी पहले दौर से बाहर हो गए था। उन्हें साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

2017 में भी लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे

मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। मेदवेदेव इस साल पेरिस में कैमरून नॉरी से पांच सेट के मैच में हार गए थे। वह 2023 में फ्रेंच ओपन की पहली बाधा पार करने में नाकाम रहे थे। उस समय दूसरी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव को पहले दौर में क्वालिफायर थियागो सेबॉथ वाइल्ड ने हराया था। वाइल्ड की उस समय विश्व रैंकिंग 172 थी।

क्लब विश्व कप:

मैनचेस्टर सिटी को हराकर क्वार्टर फाइनल में अल हिलाल

ऑरलैंडो (अमेरिका), एजेंसी। मार्कोस लियोनार्डो के शानदार प्रदर्शन करते हुए अल हिलाल को मैनचेस्टर सिटी पर 4-3 से जीत दिलाई। इसी के साथ टीम ने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बर्नार्डो सिल्वा ने नौवें मिनट में ही गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार कोशिशें कीं, लेकिन कोई और गोल इस हाफ में नहीं आया। दूसरे हाफ में मार्कोस लियोनार्डो (46) और मैल्कम (52) ने गोल दागकर अल-हिलाल को 2-1 से आगे कर दिया, लेकिन तीन मिनट बाद ही एर्लिंग हैलैंड (55) ने गोल दागकर जल्दी ही मैनचेस्टर सिटी को बराबरी पर ला दिया।

अल-हिलाल ने अतिरिक्त समय में कलिडौ कौलीबाली (94) की मदद से फिर से बढ़त हासिल की, लेकिन फिल फोडेन के 100वें मिनट गोल ने सिटी को बराबरी पर ला दिया। लियोनार्डो अल-हिलाल के लिए मैच विजेता साबित हुए। लियोनार्डो ने 112वें मिनट में गोल दागकर अल-हिलाल को 4-3 से आगे कर दिया। मैच के बाद कलिडौ कौलीबाली ने कहा, हम जानते थे कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ एक कठिन खेल था। हम अपने विचारों, अपनी प्रतिभा, अपनी ताकत को दिखाना चाहते थे। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा खेल खेला। रक्षात्मक रूप से हम बहुत मजबूत थे।

आक्रामक रूप से हमने सभी मौकों का फायदा उठाया, इसलिए हम खुश हो सकते हैं। अल हिलाल अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्लुमिनेंस एफसी से भिड़ेगा। यह मुकाबला ऑरलैंडो के कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। फ्लुमिनेंस एफसी की टीम इंटर के खिलाफ 2-0 से मुकाबला जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबलों को देखें, तो पाल्मीरास की चेल्सी से भिड़ंत होगी, जबकि पीएसजी की टीम बेयर्न के खिलाफ सेमीफाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। सेमीफाइनल मुकाबले नौ और दस जुलाई को खेले जाने हैं। खिताबी मैच 14 जुलाई को होगा।

असाधारण प्रदर्शन करने के लिए सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा लेता हूं: नीरज चोपड़ा

बेंगलुरू, एजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन करने की भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की महारथता को पाना चाहेंगे।

हाल ही में पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट जीतने वाले नीरज, नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण के साथ इतिहास रच रहे हैं, जो विश्व एथलेटिक्स 'ए' श्रेणी की प्रतियोगिता है, जो भारत में होने वाली अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में किया जाएगा।` बात करते हुए, जब उनसे पूछा गया कि भाला फेंकने के लिए वह किस क्रिकेटर की महारथता को पाना चाहेंगे, तो मौजूदा विश्व चैंपियन ने तेंदुलकर का नाम लिया। चोपड़ा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने सालों तक हमारे देश का बहुत अच्छा प्रतिनिधित्व किया और हमारे लिए कई रिकॉर्ड बनाए। जिस तरह से उन्होंने कई महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना किया और फिर भी असाधारण प्रदर्शन किया - मैं भी वैसा ही करना चाहूंगा।

इससे मुझे शांत मानसिकता के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी। 27 वर्षीय भाला फेंक स्टार ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली, जो क्रिकेट में अपना नाम बनाने से पहले भाला फेंकते थे, और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भाला फेंकने में सक्षम होंगे। मैंने सुना है कि ब्रेट ली एक भाला फेंकने वाले थे। मुझे लगता है कि वह भाला अच्छी तरह से फेंक सकते थे, खासकर जब वह अपने चरम वर्षों में थे। मैं जसप्रीत बुमराह के साथ भी भाला फेंकना चाहूंगा और उम्मीद करता हूं कि वह मुझे कुछ गेंदबाजी कौशल सिखाएंगे। हालांकि गेंदबाजी और भाला फेंकना दोनों ही अलग-अलग हैं। मैं बुमराह से सीखना चाहूंगा। चोपड़ा ने कहा कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का मशहूर हेलीकॉप्टर शॉट शक्ति और तकनीक के मामले में भाला फेंकने जैसा है।

खेल के दौरान अंधविश्वासी होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने इवेंट के दिन शांत रहने की कोशिश करता हूं। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मैं शांत रहने, अच्छा खाना खाने और अच्छी तरह आराम करने की कोशिश करता हूं।

भाला फेंकने वाले इस दिग्गज ने मैदान पर और मैदान के बाहर मिली सबसे अच्छी सलाह साझा करते हुए कहा, यह सलाह मेरे कोच जान जेलेजनी से मिली, जिन्होंने 98.48 मीटर की दूरी से भाला फेंकने में विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है। जब भी मैं भाला फेंकता हूं, मैं बहुत ऊर्जावान रहता हूं, लेकिन वह मुझसे कहते हैं कि मुझे प्रवाह में दौड़ना चाहिए।

यह तंग महसूस नहीं होना चाहिए - मुझे बिना किसी तनाव के 18 साल के बच्चे की तरह दौड़ना चाहिए। मैं धीरे-धीरे प्रवाह की अवधारणा को समझ रहा हूं। मुझे लगता है कि किसी भी खेल में प्रवाह बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, रोजर फेडरर - वह इतनी शालीनता और लय के साथ खेलते थे कि ऐसा कभी नहीं लगा कि वह बहुत ज्यादा प्रयास कर रहे हैं। मैं इसे अपने प्रशिक्षण में लाने की कोशिश कर रहा हूं। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 जेवलिन इवेंट को 5 जुलाई को शाम 7 बजे से स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क (एसएस 1 हिंदी और एसएस 2) और जियोहॉटस्टार पर देखें।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :

न्यूज बाइट्स

दो आरोपियों को 6 वर्ष की सजा, एक लाख रुपये का अर्थदंड

पौथू (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले के पौथू थाना कांड संख्या-14/18 से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में माननीय न्यायालय ने दो आरोपितों को 6 वर्ष का कारावास एवं प्रत्येक को 1-1 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला मंगलवार को सुनाया गया, जो अवैध शराब कारोबार से जुड़े मामलों में न्यायालय की कड़ी कार्रवाई को दर्शाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला अवैध शराब से संबंधित था, जिसमें दो आरोपितों के खिलाफ जांच और साक्ष्य के आधार पर मामला मजबूत पाया गया। न्यायालय ने दोनों आरोपितों को दोषी मानते हुए कठोर कारावास की सजा दी और साथ ही भारी अर्थदंड भी लगाया। अगर निर्धारित समय सीमा में अर्थदंड का भुगतान नहीं किया गया तो अतिरिक्त कारावास की सजा भी भुगतनी पड़ सकती है। इस सजा से यह स्पष्ट संकेत गया है कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन को राज्य सरकार और न्यायपालिका गंभीरता से ले रही है। पुलिस और उत्पाद विभाग की सक्रियता से यह मामला न्यायालय तक पहुंचा और दोषियों को सजा दिलाई गई। जिले में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। यह फैसला न केवल अवैध शराब कारोबारियों के लिए चेतावनी है, बल्कि आमजन को यह संदेश भी देता है कि कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

बहन से मिलने गए युवक को बहनोई ने पीटा

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। औरंगाबाद के सिमरा बाजार के एक निजी अस्पताल में भर्ती बहन से मिलने पहुंचे युवक पर ससुरालवालों ने हमला कर दिया। घायल युवक की पहचान रफीगंज प्रखंड के कासमा थाना क्षेत्र के भदूकी कला गांव निवासी तुलसी नोनिया के रूप में हुई है। घायल फिलहाल पश्चिम बंगाल के आसनसोल में अपने परिवार के साथ रहता है। घटना के बाद परिजनों ने उसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां उसका इलाज जारी है। मारपीट में जख्मी तुलसी नोनिया ने बताया कि उसकी बहन गौरी देवी की शादी साल 2012 में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पोखराही गांव निवासी मंगल चौहान के बेटे संतोष कुमार से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज में पैसे की मांग कर रहे हैं।बहन को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। कुछ दिनों से बहन से संपर्क नहीं हो पा रहा था। जानकारी मिली कि ससुराल वालों ने उसकी पिटाई की है। वो सिमरा बाजार के एक निजी अस्पताल में भर्ती है। सोमवार की शाम उससे मिलने अस्पताल पहुंचा। जैसे ही अस्पताल पहुंचा वहां मौजूद ससुरालवालों ने उसे देखते ही मारपीट शुरू कर दी। वह बहन के घर पोखराही गांव गया। वहां बहनोई संतोष कुमार ने उस पर हथियार से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सोमवार की रात में परिजनों ने उसे सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर इलाज में जुटे हैं। घटना की सूचना सिमरा थाना पुलिस को दी गई है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि तुलसी ने मोबाइल से मारपीट की जानकारी दी है। आवेदन या फर्द बयान मिलते ही मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

120वीं जयंती पर याद किए गए अब्दुल कयूम अंसारी

ओबरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। एक स्थानीय मैरेज हॉल में मंगलवार को महान स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व शिक्षा मंत्री अब्दुल कयूम अंसारी की 120वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रदेश सचिव एहसानुल हक अंसारी ने की जबकि संचालन राजद के जिला उपाध्यक्ष फहीम अंसारी ने किया। कार्यक्रम में ओबरा के विधायक ऋषि कुमार, लोस चुनाव में गिरिडीह से प्रत्याशी रहे हुमायूं अंसारी, राजद के प्रदेश सचिव युसूफ आजाद अंसारी, अब्दुल हमीद अंसारी, जफर आलम, जुनैद अंसारी एवं जहांगीर आलम आदि ने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि पसमांदा मुसलमानों को आरक्षण अब्दुल कयूम अंसारी की ही देन है। उन्होंने अपने कौम के लिए जो कुछ किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में शमसुद्दीन अंसारी, कलीमुल्लाह अंसारी, रजा अंसारी, नेसार अहमद एवं अब्दुल अंसारी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग ने ईसीआई की वेबसाइट पर अपलोड की

4.96 करोड़ मतदाताओं को नहीं देना होगा कोई अतिरिक्त दस्तावेज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में भारत निर्वाचन आयोग ने एक अहम कदम उठाते हुए वर्ष 2003 की मतदाता सूची को अपनी वेबसाइट https://voters.eci.gov.in पर अपलोड कर दिया है। यह सूची करीब 4.96 करोड़ मतदाताओं के विवरण को समेटे हुए है। इससे अब इन मतदाताओं को किसी भी प्रकार के दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। औरंगाबाद के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि आयोग द्वारा 24 जून 2025 को जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि 01 जनवरी 2003 की अहर्ता तिथि पर आधारित मतदाता सूची को सभी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को हार्ड कॉपी में उपलब्ध कराया जाए, और यह ऑनलाइन वेबसाइट पर भी डाउनलोड करने के लिए सुलभ रहे। इसका उद्देश्य यह है कि कोई भी व्यक्ति गणना प्रपत्र के साथ अपने नाम का प्रमाण देने के लिए इस सूची का उपयोग कर सके। श्री शास्त्री ने बताया कि इस पहल से विशेष रूप से 60 प्रतिशत से अधिक पुराने मतदाताओं को लाभ मिलेगा, जिन्हें अब किसी अतिरिक्त दस्तावेज़ की जरूरत नहीं होगी। वे केवल वर्ष 2003 की मतदाता सूची में अपना नाम देखकर गणना प्रपत्र भरकर जमा कर सकते हैं। यह प्रक्रिया मतदाता और बीएलओ दोनों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध है, जिससे कार्य को सरल और पारदर्शी बनाया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी व्यक्ति का नाम वर्ष 2003 की सूची में नहीं है, लेकिन उनके माता या पिता का नाम उस सूची में है, तो भी वे उस सूची के संबंधित अंश को प्रमाण स्वरूप प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे मामलों में माता-पिता से संबंधित कोई अलग दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। नाम के सत्यापन के लिए केवल गणना प्रपत्र और स्वयं के दस्तावेज़ देना होगा।

जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक निर्वाचन से पूर्व मतदाता सूची का पुनरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाता है। यह कार्य जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(2)(ए) तथा निर्वाचक पंजीकरण नियमावली, 1960 के नियम 25 के अंतर्गत होता है। भारत निर्वाचन आयोग बीते 75 वर्षों से यह पुनरीक्षण कार्य नियमित रूप से करता आ रहा है, चाहे वह संक्षिप्त रूप में हो या गहन रूप में। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची एक जीवंत (डायनामिक) दस्तावेज़ है, जो लगातार बदलता रहता है – मृत्यु, स्थानांतरण, विवाह, शिक्षा, रोजगार या 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए नागरिकों के जुड़ने से इसमें बदलाव होते रहते हैं। साथ ही, संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, वही व्यक्ति मतदाता बनने के योग्य हैं, जो 18 वर्ष से अधिक आयु के हों और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में सामान्य रूप से निवास करते हों। इस निर्णय से बिहार में मतदाता सूची की प्रक्रिया और अधिक सरल, व्यापक व पारदर्शी हो जाएगी, जिससे आगामी चुनावों में सभी पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी।

श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर हुआ भव्य धार्मिक आयोजन, प्रमोद कुमार सिंह ने किया भंडारे का उद्घाटन

निज संवाददाता | रफीगंज(औरंगाबाद)

नगर पंचायत अंतर्गत किरानापट्टी ब्रह्मस्थान स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर की प्रथम वर्षगांठ के पावन अवसर पर मंगलवार को एक भव्य भंडारा और धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता से ओतप्रोत इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। आयोजन की भव्यता और अनुशासन ने सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) के प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्हें आयोजन समिति द्वारा भंडारे का उद्घाटन करने का सौभाग्य भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल एक धार्मिक उत्सव है, बल्कि यह समाज में भक्ति, समर्पण और एकजुटता का परिचायक भी है।

उन्होंने श्रद्धालुजनों को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति के ऐसे आयोजनों में शामिल होना आत्मा को शुद्ध करने जैसा है। श्रद्धालुओं की आस्था और अनुशासन सराहनीय है। यह मंदिर क्षेत्रवासियों के आस्था का केंद्र बन चुका है और इसकी पहली वर्षगांठ पूरे समाज के लिए गौरव का क्षण है। प्रमोद कुमार सिंह को आयोजन समिति की ओर से अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ बैठकर पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने इसे जीवन के सबसे सौभाग्यशाली क्षणों में से एक बताया और समिति के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

अपने संबोधन में प्रमोद कुमार सिंह ने आयोजन की सफलता के लिए समिति के सभी सदस्यों, स्थानीय श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सामाजिक सौहार्द और धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। यह मंदिर अब केवल एक भवन नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन चुका है। पूरे आयोजन में श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। हर आयु वर्ग के लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। मंदिर प्रांगण में भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चारण से वातावरण आध्यात्मिक अनुभूति से भर गया। क्षेत्रवासियों ने इस आयोजन को धर्म, आस्था और एकता का जीवंत उदाहरण बताया।

क्षेत्रीय गव्य पदाधिकारी ने पशुपालन योजनाओं की दी जानकारी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राज्य सरकार की पशुपालन से जुड़ी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अब आम जनता तक डिजिटल माध्यमों से भी पहुँचाई जा रही है। इसी कड़ी में क्षेत्रीय गव्य पदाधिकारी सचिंद्र कुमार ने फेसबुक लाइव के माध्यम से लोगों को गव्य विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लाइव कार्यक्रम के दौरान बताया कि सरकार द्वारा पशुपालकों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने पशुपालन व्यवसाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएं।

लाइव सत्र के माध्यम से सचिंद्र कुमार ने पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे दुग्ध उत्पादन प्रोत्साहन योजना, पशुधन बीमा योजना, कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, चारा बीज वितरण सहित अन्य कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के अंतर्गत पशुपालकों को अनुदान, तकनीकी सहायता एवं प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने पशुपालकों से आग्रह किया कि वे अपने नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र या प्रखंड पशुपालन कार्यालय से संपर्क कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पंजीकरण अवश्य कराएं। फेसबुक लाइव कार्यक्रम को पशुपालकों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने सराहा। इस डिजिटल पहल से अब सरकारी योजनाओं की जानकारी सीधे जनता तक पहुँच रही है, जिससे पारदर्शिता और जागरूकता दोनों में वृद्धि हो रही है। सरकार की इस कोशिश से ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों को न सिर्फ सरकारी सहायता मिल रही है, बल्कि उन्हें पशुपालन को एक व्यवस्थित व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए भी प्रेरणा मिल रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर डीएलएसए की सचिव ने की न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल के प्रकोष्ठ में आगामी 13 सितम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान के अध्यक्षता में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक किया गया। जिसमें अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दीवान फ़हद खान, अपर मुख्य न्यायिक न्यायिक सन्दीप कुमार सिंह, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रदीप चंद्रा, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी शुभँकर् शुक्ला उपस्थित हुए।

सचिव द्वारा न्यायिक पदाधिकारियों से लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु आगे की रूप रेखा रखी गई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के द्वारा न्यायिक पदाधिकारीयों को अपने न्यायालय से सम्बन्धित सुलहनीय वादों को चिन्हित कर उससे से सम्बन्धित पक्षकार की सूचना और नोटिस की अद्यतन जानकारी प्राधिकार को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि समय रहते सम्बन्धित पक्षकारों से प्रि-काउन्सलिंग कर ज्यादा-से ज्यादा वादों का निष्पादन कराया जा सके। जिसपर उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों के द्वारा अपने-अपने न्यायालय सम्बन्धित पुरी सूची प्राधिकार को उपलब्ध कराने का आष्वासन दिया गया। 13.09.2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्राधिकार में वृहत रूप से तैयारी अभी से ही किया जा रहा है।

सचिव द्वारा कहा गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत वादों का निस्तारण सुलह के आधार पर कराने का एक सशक्त माध्यम है जिसमें सम्बन्धित को त्वरित न्याय प्राप्त होता है। सचिव द्वारा आम जन से भी अपील किया गया गया कि 13 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठायें। किसी भी व्यक्ति को अपने सुलहनीय वाद का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में करवाना चाहते हैं तो किसी भी कार्य दिवस में जिला विधिक सेवा प्राधिकार में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

धान की रोपनी का कार्य शुरू

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

प्रखंड क्षेत्र में किसानों ने धान की रोपनी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल आर्द्रा नक्षत्र के तहत खेतों में धान के बीज (बिहन) डाले जा रहे हैं, जिससे आने वाले दिनों में रोपनी का कार्य और तेज गति से किया जाएगा। किसान परंपरागत तरीकों से खेती कर रहे हैं और इस बार मानसून की अच्छी बारिश से उनके चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। हसपुरा प्रखंड के मनपुरा गांव में पहिरोपना की परंपरा के साथ धान की रोपनी की विधिवत शुरुआत की गई। किसानों ने बताया कि यह परंपरा उनके पूर्वजों से चली आ रही है, जिसमें पहले दिन खेतों में रोपनी की शुरुआत के उपलक्ष्य में पुआ, पूड़ी जैसे पकवान बनाकर खुशी जाहिर की जाती है। खेतों में काम शुरू होने से पहले घरों में उत्सव जैसा माहौल होता है।

किसानों ने जानकारी दी कि उन्होंने 2 जून (रोहन) को ही खेतों में बीज डाले थे, जो लगभग 29 दिनों में तैयार होकर अब रोपनी के लायक हो गया है। जैसे-जैसे बारिश की मात्रा बढ़ी है, वैसे-वैसे खेतों में पानी की उपलब्धता ने किसानों का उत्साह भी बढ़ाया है।

अधिवक्ताओं ने बैठक कर उठाई लंबित मांगों की आवाज, आंदोलन की दी चेतावनी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मंगलवार को जिला विधिज्ञ संघ, औरंगाबाद में अधिवक्ताओं की एक बैठक हुई, जिसमें वर्षों से लंबित उनकी मुख्य मांगों पर गहन चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह ने की, जबकि संचालन नवीन कुमार ने समुचित रूप से निभाया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि उनकी कई अपेक्षित मांगें वर्षों से अनसुनी पड़ी हैं और सरकार द्वारा उनका निराकरण नहीं किया गया है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि झारखंड सरकार ने अधिवक्ताओं की कई समस्याओं का समाधान सफलतापूर्वक किया है, जबकि बिहार सरकार की ओर से इस दिशा में कोई प्रयास नहीं दिख रहा, जिसके परिणामस्वरूप अधिवक्ता समाज में निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है।

पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह ने विस्तृत रूप से मांगों का उल्लेख किया और सरकार से आग्रह किया कि नवोदित अधिवक्ताओं को पांच हजार रुपये मासिक प्रोत्साहन राशि दी जाए। उन अधिवक्ताओं को जिनका उम्र 65 वर्ष से अधिक हो और जिन्होंने अपने लाइसेंस को समर्पित किया हो, उन्हें चौदह हजार रुपये मासिक पेंशन मिलनी चाहिए। इसके साथ ही सभी अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के लिए पाँच से दस लाख रुपये तक के चिकित्सा बीमा की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि अधिवक्ता सुरक्षा विधेयक को शीघ्र पारित किया जाए, अधिवक्ताओं के लिए शस्त्र नीति बनी, तथा समूह बीमा की व्यवस्था लागू की जाए जिससे अनिश्चितता से सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। सूचना आयुक्त और अन्य सरकारी पदों पर अधिवक्ताओं का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। न्याय व्यवस्था की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक गांव में 'लीगल एंड क्लिनिक' खोले जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थिर न्याय व्यवस्था के लिए स्टेट बार काउंसिल, पटना को सक्रिय किया जाना चाहिए तथा पूरे बिहार में अधिवक्ताओं को एकजुट रहकर अपनी मांगों के समर्थन में एकता दिखानी होगी।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यदि सरकार इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाती तो अधिवक्ता समाज राज्यव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा। इस अवसर पर झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रवीर कुमार पुरैयार, पूर्व सचिव नागेंद्र सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अकमल हसन, चंद्रशेखर सिंह देव, रामकिशोर शर्मा, नृपेश्वर नारायण सिंह, मुकेश कुमार सिंह, रामकुमार सिंह, गिरिजेश सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, बैजनाथ सिंह, अनिल आशुतोष, परवेज अख्तर, रजनीश रघुवर, अनुराग कुमार, कामता यादव और मानरूप राम सहित अन्य गणमान्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। इस बैठक में अधिवक्ता समाज ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी मांगों को दरकिनार करना न्याय व्यवस्था की गरिमा, अधिवक्ता समुदाय और आम जनता के विश्वास को चोट पहुंचाएगा। उन्हें उम्मीद है कि सरकार जल्द ही इन मांगों पर विचार करते हुए समयबद्ध समाधान लाएगी, वरना वे आंदोलित होकर भी अपनी आवाज उठाने से नहीं चूकेंगे।

एसपी के निर्देश पर जून माह में चला विशेष समकालीन अभियान

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। जिले में अपराध नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद के नेतृत्व में जून माह के दौरान विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन छापेमारी, गश्ती और निगरानी कार्य किए गए, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इस अभियान का मूल उद्देश्य जिले में विधि-व्यवस्था को बनाए रखना, अपराधियों की धरपकड़ करना, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं शांति व्यवस्था को सुदृढ़ करना रहा। पुलिस अधीक्षक ने सभी थानाध्यक्षों को सख्त निर्देश देते हुए कहा था कि किसी भी आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और समाज में भयमुक्त वातावरण स्थापित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। अभियान के दौरान पुलिस ने कई मामलों में वारंटी, फरार, कुख्यात और शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी की। साथ ही अवैध हथियार, शराब, गांजा, नशीली दवाओं की बरामदगी भी की गई। विशेष गश्ती एवं चौकसी से रात्रिकालीन घटनाओं में भी गिरावट देखने को मिली है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह अभियान जनहित एवं कानून व्यवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक है, और इसे नियमित रूप से आगे भी जारी रखा जाएगा।

भाजपा की बूथ सशक्तिकरण को लेकर तीन जुलाई को कैथी बनकट में होगी बैठक

- थ सशक्तिकरण अभियान के तहत संगठन को बूथ स्तर पर और मजबूत बनाना।
- सभी कार्यकर्ताओं से समय पर पहुंचकर बैठक को सफल बनाने की अपील।

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

भारतीय जनता पार्टी हसपुरा दक्षिणी मंडल द्वारा बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत आगामी 3 जुलाई को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक मंडल अध्यक्ष विनोद शर्मा के आवास पर, उनके गांव कैथी बनकट में दोपहर 12:00 बजे से आयोजित की जाएगी। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक मनोज शर्मा भाग लेंगे। साथ ही बैठक में विधानसभा प्रभारी सुबोध कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह चंद्रवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह, जिला महामंत्री अमन कुशवाहा, टैगोर जी, इन्द्रदेव यादव, सुनील शर्मा, विधानसभा संयोजक रविशंकर शर्मा, दीपक उपाध्याय, उज्ज्वल कुमार सिंह, सुनील सिंह और युगल किशोर सिंह भी भाग लेंगे।

मंडल अध्यक्ष विनोद शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक का उद्देश्य बूथ स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि हसपुरा दक्षिण मंडल के कार्यकर्ता, मंडल महामंत्री, मंडल उपाध्यक्ष, मंडल मंत्री एवं बूथ स्तरीय 25 पदाधिकारी, जिन्हें हाल ही में नियुक्त किया गया है, वे सभी बैठक में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा मंडल के सभी पूर्व पदाधिकारी भी इस बैठक में शामिल होंगे।

यह बैठक आगामी चुनावों की दृष्टि से संगठनात्मक मजबूती और रणनीतिक तैयारियों को धार देने के लिए अहम मानी जा रही है। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की गई है, ताकि बूथ स्तर पर पार्टी की पकड़ और अधिक मजबूत की जा सके।

समय पर हुई जून की बारिश बनी किसानों के लिए वरदान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में इस वर्ष जून महीने में अच्छी बारिश ने किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। इस साल जून महीने में जिले में औसतन 188.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो पिछले कुछ वर्षों की तुलना में काफी बेहतर है। यह बारिश खासकर धान की नर्सरी तैयार करने वाले किसानों के लिए संजीवनी साबित हुई है। पिछले पांच वर्षों में जून 2021 में 259.3 मिमी बारिश हुई थी, जो हाल के पांच वर्षों में सबसे अधिक थी। इसके बाद 2022 में 56.3 मिमी, 2023 में 37.5 मिमी और 2024 में 74.1 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। इन वर्षों में कम बारिश के कारण किसानों को धान की नर्सरी तैयार करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की कमी और समय पर नर्सरी तैयार न हो पाने से फसल चक्र प्रभावित हुआ था। इस वर्ष जून में जिले के विभिन्न प्रखंडों में अच्छी बारिश ने किसानों को राहत दी है। कुटुंबा प्रखंड में सर्वाधिक 271.8 मिमी, नवीनगर में 271.0 मिमी, मदनपुर में 266.4 मिमी और औरंगाबाद प्रखंड में 244.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। हसपुरा में 188.6 मिमी, रफीगंज में 163.9 मिमी, गोह में 151.4 मिमी, देव में 151.0 मिमी, बारुण में 131.2 मिमी, ओबरा में 124.8 मिमी और दाउदनगर में 114.6 मिमी बारिश हुई। कुटुंबा, नवीननगर और मदनपुर जैसे प्रखंडों में 260 मिमी से अधिक बारिश ने किसानों को अतिरिक्त लाभ पहुंचाया है। इन क्षेत्रों में धान की नर्सरी के साथ रोपनी की तैयारी भी जोर-शोर से हो रही है। दाउदनगर और ओबरा प्रखंड में अपेक्षाकृत कम बारिश होने के बावजूद स्थिति संतोषजनक है।

एसबीआई के 70 वें स्थापना दिवस पर छात्र-छात्राओं का किया गया मार्गदर्शन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

एसबीआई के 70 वें स्थापना दिवस के अवसर पर एसबीआई क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय के अधिकारियों ने सीतयोग इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर उपस्थित छात्र-छात्राओं को उनकी भावी कैरियर के बारे में विस्तार पूर्वक परामर्श दिया एवं उन्हें भारतीय स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर के नई 514 नियुक्ति के बारे में अवगत कराया गया। उपस्थित बैंक अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि आवेदन की अंतिम तिथि 14 जुलाई 2025 है| इस दौरान एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अमित कुमार ने बैंक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में छात्रों को अवगत कराया गया तथा कैरियर के रूप में एसबीआई को चुनने एवं इसके विविध लाभों के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि नियुक्ति के बारे में विस्तृत जानकारी एसबीआई के वेबसाइट पर उपलब्ध है।इस दौरान सीतयोग इंजीनियरिंग कॉलेज के सचिव राजेश कुमार सिंह ने बैंकिंग सेवा के द्वारा समाज को लाभ एवं कैरियर के रूप में चुनने से लाभ के बारे में प्रकाश डाला। इस अवसर पर सीतयोग इंजीनियरिंग कॉलेज के अध्यक्ष कुमार योगेंद्र नारायण सिंह, सचिव राजेश कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक एसके झा, बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अमित कुमार के अलावा वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

BAYC Institute स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th
BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2
MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS
PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA
TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA
100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।
डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त अध्यक्ष
डा. अजय प्रकाश सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com